विवरणिका

२०२३-२०२४

गार्गी महाविद्यालय

दिल्ली विश्वल्विद्यालय

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) ग्रेड A+

हमारा विज़न और उद्देश्य

विज़न

गार्गी अपने एकजुट समुदाय के सभी हितधारकों के लिए अकादमिक उत्कृष्टता और समग्र विकास का प्रतीक बनने का प्रयास करती है। समाज में प्रभावशाली परिवर्तन लाने के लिए कौशल और ज्ञान के आधार को उन्नत करने का निरंतर प्रयास है।

उद्देश्य

प्रत्येक स्नातक छात्र, देखभाल और पोषण के लोकाचार और संतुष्टि की भावना के साथ कॉलेज परिसर छोड़ता है। प्रत्येक व्यक्ति एक ऐसे विश्व के विचार को साझा करने के लिए बड़े समुदाय के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है जहां समावेशिता आदर्श है और सेवा सीखने का सार है।

सभापति की कलम से

प्रिय विद्यार्थियो,

अपने अध्यन, वृद्धि, और विकास के लिए गार्गी महाविद्यालय को चुनने के लिए बधाई। गार्गी कॉलेज के अध्यक्ष के रूप में, मैं हमारे देश के बेहतरीन महिला कॉलेजों में से एक का नेतृत्व करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हमारी संस्था युवा मस्तिष्क को विकसित करने और उनकी अनूठी पहचान का सम्मान करते हुए विभिन्न विषयों में पथप्रदर्शक और दूरदर्शी बनने के लिए उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

गार्गी में, हम एक ऐसा वातावरण प्रदान करते हैं जो विकास को बढ़ावा देता है और आपकी पूरी क्षमता को उजागर करता है। शिक्षा के लिए हमारा समग्र दृष्टिकोण शिक्षाविदों से परे है, जो आपको आज की गतिशील दुनिया में पनपने के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और मूल्यों से लैस करता है।

हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और इसके समावेशिता, नवाचार और बहु-विषयकशिक्षा के सिद्धांतों को लागू करने के लिए समर्पित हैं। एनईपी के साथ संरेखित करने के लिए, हमने अपने पाठ्यक्रम में विविधता लाई है, आलोचनात्मक आर महत्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा दिया है। हमने अपनी शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी को भी एकीकृत किया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आपको एक सर्वांगीण शिक्षा प्राप्त हो जो आपको भविष्य के लिए तैयार करती है।

गार्गी कॉलेज के अनुभव के प्रमुख पहलू मेंटरशिप और मार्गदर्शन हैं। हमारे समर्पित शिक्षक आपकी शैक्षणिक यात्रा के दौरान आपका समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे आपको अपने सपनों की कल्पना करने और उन्हें वास्तविकता में बदलने के लिए आवश्यक संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम जीवन को बदलने और एक समावेशी और दयालु समाज बनाने में विश्वास करते हैं।

जैसा कि आप अपने जीवन के इस रोमांचक चरण की शुरुआत कर रहे हैं, मैं आपको गार्गी कॉलेज द्वारा प्रदान किए जाने वाले विविध अनुभवों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। ये अनुभव आपके शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास में योगदान देंगे, जिससे आपको उद्देश्य और अर्थ की अनुभूति मिलेगी। यहां प्राप्त किए गए कौशल और ज्ञान आपको अकादमिक रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करने और दुनिया में सार्थक प्रभाव डालने के लिए सशक्त बनाएंगे।

संपूर्ण गार्गी कॉलेज समुदाय की ओर से, मैं आपका हार्दिक स्वागत करता हूं। हम आपको अपनी संस्था के हिस्से के रूप में पाकर, और हम आपको आपके विकास और सफलता के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का आश्वासन देते हैं। याद रखें, गार्गी कॉलेज सिर्फ एक कॉलेज नहीं है; यह एक ऐसा मंच है जो आपको दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सशक्त बनाता है

आपके सभी प्रयासों कि लिये आपको शुभकामनाएँ!

प्रो अमित कुमार सिंह
अध्यक्ष, गार्गी कॉलेज

प्राचार्या की कलम से - जीवंत गार्गी समुदाय!

हमारे कॉलेज का नाम ७वीं शताब्दी की एक दूरदर्शी और प्रबुद्ध दार्शनिक गार्गी वाचक्नवी के नाम पर रखा गया है, जो अपने समय से आगे थीं और विद्वतापूर्ण उत्कृष्टता, निडर कुशाग्रता, भिन्न सोच और सवाल करने की अथक क्षमता का उदाहरण थीं। हम उसी परंपरा को संजोते हैं और अपने छात्रों को इस तेजी से बदलती और लगातार विकसित हो रही दुनिया में खुद को चुनौती देने, संदेह करने और सवाल पूछने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

हमने अपनी विनम्र यात्रा वर्ष १९६७ में एक महिला कॉलेज के रूप में २०० छात्रों, दो पाठ्यक्रमों और १६ शिक्षकों के साथ शुरू की थी। अब, ५५ साल बाद, हमारे पास २१ स्नातक और तीन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हैं, ५००० से अधिक छात्र और २०० से अधिक संकाय सदस्य एक बहुत ही समावेशी परिसर संस्कृति के साथ हैं। हम दिल्ली विश्वविद्यालय के उन कुछ कॉलेजों में से एक हैं जो लिबरल आर्ट्स, विज्ञान और वाणिज्य स्ट्रीम प्रदान करते हैं।

गार्गी महाविद्यालय में, हम अपने छात्रों और संकाय सदस्यों पर गर्व करते हैं और विविधता को एक संपत्ति के रूप में संजो कर रखते हैं, जिससे चल रही और आवश्यक बातचीत के लिए एक सुरक्षित स्थान बनता है। हमारे कॉलेज को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा अपने दूसरे मूल्यांकन चक्र में 'ए+' ग्रेड से सम्मानित किया गया है।

हम नई शिक्षा नीति की प्रगतिशील प्रकृति को स्वीकार करते हैं जो अनुप्रयोग-आधारित शिक्षा, मूल्य और कौशल वृद्धि के साथ-साथ आपके जीवन कौशल और जीवन के मार्गों पर नेविगेट करने के लिए आवश्यक लचीलेपन के भंडार को जोड़ने के लिए सांस्कृतिक जड़ता पर जोर देती है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के अलावा, हम विकसित हो रहे अनुसंधान केंद्र भी प्रदान करते हैं जिनका संचालन हमारे प्रतिभाशाली संकाय सदस्यों द्वारा किया जाता है जो युवा शोधकर्ताओं के हमारे उभरते समुदाय को लीक से हटकर सोचने और दुनिया में मूल्य जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण मानसिकता विकसित करने के लिए सलाह देते हैं। गार्गी के सम्मान में विश्वविद्यालय में हर साल सभी पाठ्यक्रमों के स्वर्ण पदक विजेता शामिल होते हैं।

गार्गी कॉलेज में आईसीटी सक्षम कक्षाएं, वाई-फाई सक्षम परिसर, वातानुकूलित सभागार, सेमिनार हॉल और एक कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय सुविधा है के साथ एक समर्पित अनुसंधान और विकास सेल है जो हमारे परिसर में उभरते शोधकर्ताओं और उत्साही संकाय सदस्यों का उपयोग करना जारी रखता है।

जब आप हमारे हरे-भरे, पर्यावरण-अनुकूल परिसर में घूमते हैं, तो आप छात्रों के उत्साही समूह से मिलेंगे जो अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम से परे ऊर्जा और विचारों से भरे हुए हैं। वे शिक्षाविदों से परे सराहनीय पुरष्कार लाते हैं क्योंकि हमारे पास एनसीसी और एनएसएस के साथ २४ सांस्कृतिक और गैर-सांस्कृतिक समितियाँ हैं। आप हमारे खेल के मैदान की तरफ़ आगे बढ़ेंगे तो आप हमारी खेल टीमों द्वारा अनुशासन, समर्पण और कर्तव्य की प्रेरणादायक परस्पर क्रिया देखेंगे, जिन्होंने हमें अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर गौरव दिलाया है। अपनी कक्षाओं के बाहर, आप हमारे ओपन जिम का उपयोग कर सकते हैं क्योंकि हम समग्र भलाई के महत्व पर जोर देते हैं।

हमारी दृष्टि में कैंपस काउंसलर के रूप में हमारा मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदर्शन भी शामिल है; एक वेलबीइंग सेंटर खोलने की हमारी हालिया पहल जो पूरे समुदाय के लिए समग्र कल्याण के लिए कौशल विकसित करेगी; इज़हार (सभी विभागों में सहायता प्रदान करता है) और सारथी (खेल विभाग के लिए सहायता प्रदान करता है) जैसे सहकर्मी सहायता समूह; और एक सुव्यवस्थित छात्र शिकायत निवारण तंत्र। इसके अलावा, हम उन छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं जिन्हें जीवन की परिस्थितियों से चुनौती मिली है; और शैक्षणिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए लैपटॉप, छात्रवृत्ति और कोचिंग जारी करने जैसे अन्य प्रकार के समर्थन भी प्रदान करते हैं।

हमारे सामुदायिक आउटरीच लक्ष्यों और संपूर्ण शिक्षा पर बहु-विषयक परिप्रेक्ष्य के अनुरूप, हमने मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईबीएचएएस, दिल्ली); आईसीटी अकादमी; गवर्नमेंट मॉडल डिग्री कॉलेज, ज़ांस्कर, लद्दाख विश्वविद्यालय; के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय आदि जैसे विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं। हम एक संपन्न शैक्षणिक स्थान प्रदान करने का प्रयास करते हैं जो आपको 'लर्न और अनलर्न' में मदद करेगा और साथ ही, जीवन और जीने के लिए आपके उद्देश्य और दृष्टिकोण को विकसित करता है!

हम आशा करते हैं कि एक गार्गी स्नातक के रूप में, आप हमारे संस्थान द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का सार: एक सशक्त विश्व दृष्टिकोण, करुणा के साथ नेतृत्व करने का साहस और अपनी विशिष्टता का लाभ उठाकर जीवन के हर क्षेत्र में बदलाव लाने की दूरदर्शिता अपने साथ ले जाएंगी!

यदि नए विचार आपको आकर्षित करते हैं, यदि विविधता आपके अस्तित्व में अर्थ जोड़ती है, यदि शिक्षा कक्षा की शिक्षाओं से कहीं अधिक है, और यदि आपकी दृष्टिकोण स्वयं का सर्वोत्तम संभव संस्करण बनने की है: तो गार्गी आपकी जगह है!

आपसे जल्द मिलने की आशा है!

प्रोफ़ेसर संगीता भाटिया

विषय सूची

१	विद्यार्थी परिषद
२	महाविद्यालय के बारे में
३	संस्थागत ऑर्गेनोग्राम
४	प्रवेश प्रक्रियाएँ और पात्रता मानदंड
१०	कार्यक्रम और पाठ्यक्रम पात्रता
१८	आवश्यक दस्तावेज़ों की सूची
२०	प्रस्तावित पाठ्यक्रम और स्वीकृत सीटों की संख्या
२१	विभिन्न कोटा के तहत प्रवेश
२३	एनईपी और यूजीसीएफ २०२२ के तहत पाठ्यक्रम संरचना का विवरण
३१	वर्ष २०२३-२४ के लिए शुल्क
३२	छात्र कल्याण
३३	बुनियादी ढाँचे और सुविधाएँ
३७	शैक्षणिक कैलेंडर २०२३-२४
३८	विभाग@गार्गी
६०	स्नातक अनुसंधान
६१	सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
६३	प्लेसमेंट प्रकोष्ठ
६६	सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ - सोसायटी@गार्गी
७४	खेल@गार्गी
७६	सामाजिक आउटरीच और जागरूकता
८४	आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन सेल
८८	उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार
८९	जब आपको हमारी आवश्यकता हो
९२	गार्गी मीडिया सेल
९३	सांस्कृतिक कैलेंडर २०२३-२४
१००	सामान्य नियम@गार्गी
१०१	प्रासंगिक विश्वविद्यालय अध्यादेश

छात्र परिषद् २०२३-२४

GARGI COLLEGE
STUDENTS' COUNCIL

अध्यक्षा
सुश्री देवांशी अहलूवालिया

उपाध्यक्षा (आर्ट्स)
सुश्री शांति सहगल

उपाध्यक्षा (वाणिज्य)
सुश्री तिशा गुलाटी

उपाध्यक्षा (विज्ञान)
सुश्री आशा मौर्य

कुलानुशासक (आर्ट्स)
सुश्री लवली पांडे

कुलानुशासक (विज्ञान)
सुश्री रुचिका सागर

अध्यक्षा का संदेश

गार्गी कॉलेज के अध्यक्ष के रूप में, मैं आपको अपनेपन की गहरी भावना के साथ संबोधित करते हुए रोमांचित हूं। गार्गी कॉलेज मेरे लिए सिर्फ एक संस्था से कहीं अधिक है; यह एक क़ीमती घर है जो विकास, शिक्षा और अनंत संभावनाएं प्रदान करता है। मुझे विश्वास है कि यह भावना आपमें से हर एक के साथ मेल खाती है।

गार्गी कॉलेज, अपने भव्य परिसर और जीवंत वातावरण के साथ, इसके द्वार से गुजरने वाले सभी लोगों के दिल और दिमाग में बस गया है। यह वह जगह है जहां दोस्ती बनती है, सपने उड़ान भरते हैं और आकांक्षाएं पोषित होती हैं।

मेरे लिए, गार्गी कॉलेज एक आश्रय है - एक संरक्षणात्मक स्थान है जिसने मुझे और अनगिनत लोगों को व्यक्तियों में रूपांतरित किया है। छात्रा प्रधान के रूप में, मैं गार्गी की इस अद्वितीय आत्मा को संरक्षित और समृद्ध करने के प्रति प्रतिबद्ध हूँ, यह सुनिश्चित करने के लिए कि इसका जारी रहना ज्ञान, प्रेरणा और व्यक्तिगत विकास की तलाश करने वाली सभी लोगों के लिए एक घर रहे|

गार्गी कॉलेज हमारी साझी यात्रा का प्रमाण है, विजय, सहनशीलता और व्यक्तिगत परिवर्तन की अनगिनत कहानियों की गवाही। यह एक जगह है जहां विचारों का मेल होता है, दृष्टिकोणों का टकराव होता है, और नई राहें बनती हैं। यह एक जगह है जहां प्रतिभाएँ खिलती हैं, सपने जन्मते हैं और पूरी जिंदगी तक चलने वाले बंधनों का निर्माण हुआ है।

मैं आपकी अध्यक्षा के रूप में इस अद्भुत यात्रा पर प्रस्थान करती हूँ, मुझे इस अद्वितीय समुदाय की सेवा करने का अवसर मिलने पर गर्व महसूस हो रहा है। मैं आपकी हर एक कठिनाइयों के साथ हाथ मिलाकर, गार्गी कॉलेज की विरासत को बढ़ाने के लिए पूरी मेहनत करने का वादा करती हूँ, यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह हमेशा प्रेरणा, ज्ञानवर्धन और सशक्तिकरण की दीपस्तंभ रहता है।

गार्गी कॉलेज केवल एक जगह नहीं है; यह हमारे साझी सपनों और आकांक्षाओं को प्रतिष्ठित करता है।

देवांशी अहलुवालिया
अध्यक्षा
छात्र परिषद्
२०२३-२०२४

महाविद्यालय के बारे में

गार्गी महाविद्यालय की स्थापना १९६७ में हुई थी और यह राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की ए + ग्रेडिंग के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रमुख साउथ कैंपस कॉलेज है। गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली के उन दो महाविद्यालयों में से एक है, जिन्हें वर्ष २००४-२००५ में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्टार कॉलेज अनुदान के साथ प्रतिष्ठित कॉलेज से सम्मानित किया गया था, इसे शिक्षण के प्रति इसके समग्र दृष्टिकोण और शैक्षणिक और कॉलेज के अन्य पहलुओं में इसके उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड के कारण चुना गया था।

हमारा कैंपस १३ एकड़ में फैली हरियाली से भरपूर है, जिसमें विविध वनस्पतियां और जीव-जंतु मौजूद हैं। मयूर को अक्सर हरे पेड़ों, मैदान और सुंदर बगीचों के बीच, परिसर में घूमते हुए देखा जा सकता है जो दिल्ली की भीषण गर्मी के बावजूद मध्यम तापमान बनाए रखने में मदद करते हैं। हमारा कॉलेज ५५०० से अधिक सांस्कृतिक रूप से विविध छात्रों को पूरा करता है और सभी तीन धाराओं की पेशकश करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुछ कॉलेजों में से एक है: मानविकी, विज्ञान और वाणिज्य। हमारे समर्पित संकाय सदस्य अपने शोध कार्यों को संतुलित करते हुए शिक्षाविदों में छात्रों को सलाह देते हैं। हमारे कॉलेज ने खेल और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में कई विशिष्ट प्राप्तकर्ताओं का उत्पादन किया है, जिसमें स्वर्ण पदक विजेता भी शामिल हैं।

हमारे पास अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, एक भव्य हरा खेल क्षेत्र और संपन्न सांस्कृतिक समितियाँ हैं जो कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में वार्षिक उत्सवों में सराहनीय प्रदर्शन कर अनेकों पुरष्कर लाते हैं। आप हमारे सभागार और सेमिनार हॉल में इन इनडोर कार्यक्रमों को देखेंगे, और आउटडोर कार्यक्रम पूरे परिसर में होंगे! हमारे पास आपकी विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक एसबीआई बैंक काउंटर, इनफर्मरी और कैफेटेरिया/कैंटीन है।

गार्गी यह सुनिश्चित करती है कि छात्रों के पास भलाई के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण है, और इसका समर्थन करने के लिए, हमारे पास कई पहल हैं (आनंद: द सेंटर फॉर वेलबींग; ऑन-कैंपस परामर्श; इज़हार एंड सारथी (सहकर्मी सहायता पहल और अकादमिक और व्यावसायिक आकांक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ लाने के लिए अकादमिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए आगामी केंद्र) जो उन्हें कल्याण की संतुलित स्थिति में बढ़ने में मदद करता है।

हमारा अथक प्रयास प्रत्येक व्यक्ति की क्षमता को पहचानना और उनके द्वारा चित्रित व्यक्तित्व के भीतर इसका उपयोग करना है। जब आप गार्गी से स्नातक होते हैं, तो आपके पास विविधता और एक समावेशी दृष्टिकोण को स्वीकार करने वाला एक व्यापक विश्वदृष्टि होगा जो आपको अपनी क्षमता के अनुसार समुदाय को पूरा करने में मदद करेगा!

गार्गी में आपका स्वागत है!

संस्थागत ऑर्गेनोग्राम

आवेदन एवं प्रवेश प्रक्रिया

इस वर्ष पूरी प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन है। गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करता है। कृपया ध्यान दें कि:

- **सभी अपेक्षित जानकारी दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश पोर्टल और कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध है।**
- **कॉलेज में निम्नलिखित सदस्य सहायता के लिए उपलब्ध रहेंगे:**
  - **नोडल अधिकारी**
  - **संयोजक प्रवेश समिति**
  - **सदस्य शिकायत समिति**

इन समितियों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया https://gargicollege.in/admission/?academic_session=२०२३-२०२४ पर वेबपेज पर जाएँ।

प्रवेश अनुसूची और सामान्य सीट आवंटन प्रणाली के बारे में जानकारी (सीएसएएस-२०२३)

- शैक्षणिक सत्र २०२३-२४ के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश सीएसएएस-२०२३ द्वारा होगा एवं यूजी बीओआई -२०२३ में बताई गई पात्रता आवश्यकताओं और दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित अन्य नियमानुसार होगा।
- सीएसएएस-२०२३ के माध्यम से प्रवेश पाने के लिए www.admission.uod.ac.in पर एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों को केवल इसी प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से सीएसएएस-२०२३ का आवेदन पत्र ऑनलाइन भरना होगा। सीएसएएस-२०२३ आवेदन पत्र ऑफ़लाइन नहीं भरा जाएगा।
- उम्मीदवार को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा या इसके समकक्ष उत्तीर्ण होना चाहिए।
- सीएसएएस-२०२३ के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार को एनटीए द्वारा आयोजित सीयूईटी (यूजी) - २०२३ में उपस्थित होना अनिवार्य है ।
- उम्मीदवार को सीयूईटी (यूजी) - २०२३ में केवल उन्हीं विषयों में उपस्थित होना चाहिए जिनमें उसने बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की हो।
- उम्मीदवार को यह जांचने की सलाह दी जाती है कि क्या वह उस कार्यक्रम के लिए सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करती है जिसके लिए वह आवेदन कर रही है और यूजी बीओआई - २०२३ में प्रकाशित कार्यक्रम - विशिष्ट पात्रता को पूरा करने वाले प्रासंगिक विषय/परीक्षण पत्रों में सीयूईटी (यूजी) - २०२३ में उपस्थित हुआ है। यदि किसी उम्मीदवार ने सीएसएएस -२०२३ में आवेदन किया है, लेकिन दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पेश किए गए किसी भी कार्यक्रम के पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करता है, तो उसकी उम्मीदवारी पर विचार नहीं किया जाएगा।
- मान लीजिए कि कोई उम्मीदवार किसी विषय/टेस्ट पेपर में उपस्थित नहीं हुआ या अनुपस्थित रहा, जो किसी विशेष कार्यक्रम के पात्रता मानदंडों को पूरा करने के लिए अनिवार्य है, तो उस स्थिति में, वह उस विशेष कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र नहीं होगा।
- यदि सभी दस्तावेज़ सही पाए जाते हैं, और उम्मीदवार पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, तो आवंटित सीट को कॉलेज द्वारा अस्थायी रूप से अनुमोदित किया जाएगा। उस स्थिति में, उम्मीदवार को निर्धारित समय के भीतर प्रवेश शुल्क का भुगतान करके अनुमोदित आवंटित सीट पर प्रवेश लेना होगा।

कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम २०२३ को तीन चरणों में बांटा गया है:

चरण I: दिल्ली विश्वविद्यालय में आवेदन करना
चरण II: कार्यक्रमों और कॉलेजों के लिए प्राथमिकताएँ भरना
चरण III: आवंटन-सह-प्रवेश

कार्यक्रम-विशिष्ट योग्यता स्कोर की पात्रता मानदंड के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा स्वत: गणना की जाएगी, और उम्मीदवार को प्राथमिकताएँ बनाने से पहले अपने अंकों की पुष्टि करनी होगी।

प्रवेश वेबसाइट:
https://admission.uod.ac.in
अंडरग्रेजुएट सूचना बुलेटिन 2023:
https://www.du.ac.in/uploads/new-web/13.02.2023-DU-UG-BOI%202023.pdf
सामान्य सीट आवंटन प्रणाली 2023:
https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/UG_CSAS_2023_14062023.pdf
सीएसएएस पंजीकरण लिंक: https://ugadmission.uod.ac.in/

सीट आवंटन और प्रवेश

चरण 1 - अस्थायी रूप से आवंटित सीट की स्वीकृति

- यह उम्मीदवार की जिम्मेदारी है कि वह डैशबोर्ड में लॉग इन करे और जांचे कि सीट आवंटन के दिए गए दौर में सीट आवंटित की गई है या नहीं; यदि सीट आवंटित की गई है, तो उसे सभी प्रवेश औपचारिकताओं को पूरा करना होगा।
- एक बार किसी विशेष समय-सीमा के भीतर सीट आवंटित हो जाने के बाद, उम्मीदवार को निर्दिष्ट अंतिम तिथि/समय से पहले आवंटित सीट को 'स्वीकार' करना होगा। किसी विशेष आवंटित सीट की स्वीकृति का प्रावधान केवल उसी दौर के लिए मान्य होगा जिसमें उम्मीदवार को सीट आवंटित की गई थी।
- यदि किसी उम्मीदवार को एक विशेष दौर में कई सीटों की पेशकश की जाती है, तो उसे केवल एक आवंटित सीट को "स्वीकार" करना होगा। निष्क्रियता/कोई कार्रवाई न करने को आवंटित सीट की गैर-स्वीकृति के रूप में माना जाएगा। इसे अस्थायी रूप से आवंटित सीट की अस्वीकृति के रूप में माना जाएगा, और उम्मीदवार सीएसएएस-२०२३ के बाद के राउंड में भाग नहीं ले पाएंगे।

चरण २(a) - महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन अनुमोदन

एक बार जब उम्मीदवार अस्थायी रूप से आवंटित सीट को "स्वीकार" कर लेता है, तो कॉलेज संबंधित पात्रता और उम्मीदवार द्वारा अपलोड किए गए दस्तावेज की जांच करेगा। कॉलेज निर्धारित समय सीमा के भीतर निम्नलिखित का सत्यापन करेगा:

1. उम्मीदवार की न्यूनतम पात्रता.
2. उम्मीदवार की कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रता।
3. विषय मानचित्रण: दिल्ली विश्वविद्यालय केवल उन्हीं सीयूईटी विषयों पर विचार करेगा जिनमें उसने बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की है।
4. उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों की वैधता और प्रामाणिकता।

ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया के दौरान, यदि कोई कॉलेज उम्मीदवार से अधिक स्पष्टता/जानकारी मांगता है, तो वह उम्मीदवार से से पूछताछ कर सकता है। (चरण २ बी देखें)।

सत्यापन के बाद, कॉलेज उम्मीदवार की अस्थायी रूप से आवंटित सीट को 'स्वीकार' या 'अस्वीकार' करेगा। महाविद्यालयों द्वारा कोई भी आवेदन अनुत्तरित नहीं छोड़ा जाएगा।

स्वीकृति के मामले में:
एक बार कॉलेज की मंजूरी मिलने के बाद, उम्मीदवार को 'प्रवेश शुल्क' का भुगतान करना होगा।

अस्वीकृति के मामले में:
ऑनलाइन सत्यापन के समय, यदि कोई आवेदन खारिज हो जाता है, तो कॉलेज अस्वीकृति का कारण बताएगा।

किसी आवेदन को अस्वीकार करने के लिए, कॉलेज निम्नलिखित कारणों में से किसी एक का संकेत देगा:

1. उम्मीदवार द्वारा न्यूनतम पात्रता की पूर्ति न करना।
2. उम्मीदवार द्वारा कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रता की पूर्ति न करना।
3. विषय-प्रतिचित्रण मानदंड की पूर्ति न करना।
4. उम्मीदवार द्वारा जमा किए गए अमान्य दस्तावेज/प्रमाण पत्र।
5. निर्धारित समय के भीतर कॉलेज द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर देने में विफलता।

चरण २ (बी) - कॉलेज के अनुमोदन के दौरान प्रश्नों का उत्तर (यदि कोई हो)

ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया के दौरान, यदि कोई कॉलेज किसी जानकारी के लिए कोई प्रश्न उठाता है तो उम्मीदवार को निर्धारित समय के भीतर ऑनलाइन (उम्मीदवार के डैशबोर्ड के माध्यम से) जवाब देना होगा। प्रश्नों का उत्तर देने में विफलता के कारण आवंटित सीट की अस्वीकृति हो जाएगी और उम्मीदवार सीएसएएस -२०२३ से बाहर हो जाएगा।

चरण ३ - अस्थायी रूप से आवंटित सीट पर प्रवेश

कॉलेज की मंजूरी के बाद, उम्मीदवार को स्वीकृत सीट के लिए प्रवेश शुल्क का भुगतान करना होगा। प्रवेश शुल्क के सफल भुगतान के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया को पूर्ण माना जाएगा। यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर प्रवेश शुल्क का भुगतान करने में विफल रहता है, तो इसे अस्थायी रूप से आवंटित सीट को रद्द माना जाएगा। आवंटित सीट को जब्त कर ली जाएगी और किसी भी आने वाले सीएसएएस-२०२३ आवंटन राउंड के लिए उम्मीदवार पर विचार नहीं किया जाएगा। उम्मीदवार आवंटित सीट के सभी अधिकारों को खो देगा और उसके लिए अतिरिक्त विचार नहीं किया जाएगा ।

अनुवर्ती सीएसएएस-२०२३ आवंटन दौर

विकल्प 1 - अपग्रेड

सीएसएएस-२०२३ के लिए आवेदन करने वाले सभी उम्मीदवार सभी आवंटन दौरों के लिए पात्र होंगे, सिवाय उन उम्मीदवारों के जिनकी आवंटित सीट/प्रवेश को किसी भी कारण से रद्द कर दिया गया है। सभी प्रवेशित उम्मीदवार जो किसी विशेष दौर में "अपग्रेड" विकल्प चुनते हैं, उन्हें संबंधित सीएसएएस-२०२३ आवंटन दौर के लिए सीटों की उपलब्धता के अधीन माना जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को किसी भी दौर में अपनी पहली वरीयता आवंटित की गई थी, उन पर बाद में विचार नहीं किया जाएगा ।

आवंटन दौर की घोषणा से पहले, विश्वविद्यालय सभी प्रवेशित उम्मीदवारों के लिए "अपग्रेड" विकल्प खोलेगा ।

एक प्रवेशित उम्मीदवार 'अपग्रेड' विकल्प का चयन कर सकता है, जो उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत उच्च वरीयता के लिए उन्नयन की अनुमति देगा । प्रवेश लेने वाले उम्मीदवार जो अपग्रेड का विकल्प चुनते हैं, वे स्वचालित रूप से आवंटन नीति के आधार पर अपग्रेड हो जाएंगे ।

'अपग्रेड' विकल्प चुनने का अर्थ यह होगा कि उम्मीदवार किसी कार्यक्रम और उच्च वरीयता वाले कॉलेज संयोजन में प्रवेश के प्रस्ताव पर बाद के दौर में (यदि कोई हो) विचार करने के लिए सहमति देता है । यदि नई वरीयताएँ आवंटित की जाती हैं तो वर्तमान प्रवेशित सीट स्वतः रद्द हो जाएगी।

एक उम्मीदवार जो 'अपग्रेड' का विकल्प चुनता है, वह प्रोग्राम एवं कॉलेज संयोजन को फिर से व्यवस्थित कर सकता है जो उच्च वरीयता वाला है। जिस प्रोग्राम एवं कॉलेज संयोजन में उसने पहले प्रवेश लिया था, उसे पुन: किसी भी दौर में नहीं दिया जाएगा । इसी प्रकार कार्यक्रम एवं महाविद्यालय संयोजन जो निम्न वरीयता क्रम में थे जिस पर उम्मीदवार ने पहले प्रवेश लिया था, उसे पुन किसी भी दौर में नहीं दिया जाएगा ।

अपग्रेड विकल्प उस उम्मीदवार के लिए उपलब्ध नहीं होगा जिसे उसकी पहली वरीयता आवंटित हो चुकी हो।

आवंटन सीट के सभी दौरों में 'अपग्रेड' विकल्पों की जांच करते रहना उम्मीदवार की जिम्मेदारी होगी। किसी भी परिस्थिति में ,उन्नयन प्रक्रिया में भाग लेने में विफलता/अक्षमता को शिकायत नहीं माना जाएगा ।

अपग्रेड होने वाले उम्मीदवार को अपग्रेड की गई सीट को 'स्वीकार' करना होगा और अपग्रेड की गई आवंटित सीट पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी। यदि कोई उम्मीदवार उन्नत की गई सीट पर कोई गतिविधि नहीं करता है, तो इसे स्वत: रद्द माना जाएगा और उम्मीदवार सीएसएएस-२०२३ से बाहर हो जाएगा।

यदि किसी अभ्यर्थी को अपग्रेड सीट नहीं मिलती है, तो उसका पिछली सीट पर प्रवेश बरकरार रखा जाएगा।

विकल्प २ - फ्रीज

एक उम्मीदवार जिसने आवंटित सीट पर प्रवेश लिया है और इसे जारी रखना चाहता है, उसे अपने डैशबोर्ड के माध्यम से 'फ्रीज' अनुरोध करना होगा। 'फ्रीज' का चयन करने पर, ऐसे उम्मीदवार को "अपग्रेडेशन" का विकल्प चुनने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई प्रवेशित उम्मीदवार न तो "अपग्रेडेशन" का विकल्प चुनता है और न ही फ्रीज का विकल्प देता है, और दिये गये सीमा में निष्क्रिय रहता है, तो उसके द्वारा लिया गया प्रवेश बरकरार रखा जाएगा और उसे अपग्रेडेशन के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

अंतिम रूप से आवंटित सीट/प्रवेश को रद्द करना

1. निर्धारित समय सीमा के भीतर अस्थायी रूप से आवंटित सीट को 'स्वीकार' करने में विफलता के कारण आवंटित सीट का रद्द होना।
2. अस्थायी रूप से आवंटित सीट रद्द कर दी जाएगी यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित समय में प्रवेश शुल्क का भुगतान करने में विफल रहता है
3. अस्थायी रूप से आवंटित सीट/प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा यदि, किसी भी समय कोई भी दस्तावेज/प्रमाणपत्र अमान्य/धोखाधड़ी वाले पाए जाते हैं।
4. यदि किसी भी समय यह पाया जाता है कि कोई अभ्यर्थी दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा घोषित न्यूनतम पात्रता मानदंड को पूरा नहीं करते हैं।

वह उम्मीदवार जिसका अस्थायी रूप से आवंटित सीट/प्रवेश उपर्युक्त कारणों से रद्द कर दिया गया है वह सीएसएएस-२०२३ के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने का अधिकार खो देगा ।

प्रवेश वापस लेना

वह उम्मीदवार जिसने प्रवेश लिया है, लेकिन वापस लेना चाहता है, वह अपने डैशबोर्ड के माध्यम से ऐसा कर सकता है :'विदड्रा' विकल्प का चयन करना और रुपये १०००.०० (अप्रतिदेय) की निकासी शुल्क का भुगतान करना ।

वह उम्मीदवार जो अपना प्रवेश वापस ले लेता है, वह सीएसएएस-२०२३ से बाहर हो जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए वह अपनी पात्रता खो देगा। बाद के किसी भी आवंटन दौर में उसे भागीदारी की अनुमति नही होगी ।

स्पॉट एडमिशन राउंड की घोषणा के बाद प्रवेश वापस लेने का कोई विकल्प नहीं होगा।

मध्य प्रवेश

जो उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर सीएसएएस-२०२३ के लिए आवेदन करने में विफल रहे और सीएसएएस-२०२३ में भाग लेने के इच्छुक हैं, वे मध्य-प्रवेश शुल्क रु १०००.०० (अप्रतिदेय) का भुगतान करके मिड-एंट्री विंडो (जब भी विश्वविद्यालय इसकी घोषणा करता है) के माध्यम से भाग ले सकते हैं।

जो उम्मीदवार मध्य-प्रवेश करता है, आवंटन के लिए सभी उम्मीदवारों के बाद ही उस पर विचार किया जा सकता है जिन्होंने पहले आवेदन किया था और न्यूनतम घोषित स्कोर से अधिक योग्यता अंक प्राप्त किए हैं।

यदि पेशकश की जाती है, तो मध्य-प्रवेशकर्ता को उसे आवंटित सीट पर प्रवेश लेना अनिवार्य होगा। आवंटित सीट स्वीकार करने में विफलता पर उम्मीदवार का दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। 'अपग्रेड' का कोई विकल्प नहीं होगा.

ईसीए और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी कोटा के लिए मध्य-प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

स्पॉट प्रवेश

नियमित सीएसएएस-२०२३ राउंड के पूरा होने के बाद, यदि सीटें खाली रहती हैं, तो दिल्ली विश्वविद्यालय स्पॉट दाखिलों के दौर/दौरों की घोषणा कर सकता है।

जिन अभ्यर्थियों ने सीएसएएस-२०२३ के लिए आवेदन किया था, लेकिन स्पॉट एडमिशन राउंड की घोषणा की तारीख पर उन्हें किसी भी कॉलेज में प्रवेश नहीं मिला, वे स्पॉट एडमिशन में भाग ले सकते हैं।

स्पॉट दाखिले की घोषणा पर, पहले से चयनित सभी उम्मीदवारों के दाखिले को लॉक कर दिया जाएगा, और उनके उन्नयन के लिए विचार नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार, दाखिला प्राप्त उम्मीदवारों को अपना नाम वापस लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी

स्पॉट दाखिला दौर में विचार करने के लिए, उम्मीदवार को अपने डैशबोर्ड के माध्यम से 'स्पॉट एडमिशन' का विकल्प चुनना होगा। प्रत्येक स्पॉट प्रवेश दौर के लिए विश्वविद्यालय प्रत्येक कार्यक्रम की रिक्त सीटों को प्रदर्शित करेगा। इच्छुक उम्मीदवार केवल एक कार्यक्रम का चयन करने में सक्षम होगा।

स्पॉट दौर में आवंटित सीट पर अभ्यर्थी को प्रवेश लेना अनिवार्य होगा। स्पॉट दाखिले के दौर में आवंटित सीट को स्वीकार करने में विफल रहने पर दाखिले के लिए उम्मीदवार की पात्रता समाप्त हो जाएगी, ऐसे उम्मीदवार दिल्ली विश्वविद्यालय सीएसएएस से बाहर हो जाएंगे।

स्पॉट दाखिले दौर के दौरान 'अपग्रेड' और 'विदड्रॉ' का कोई विकल्प नहीं होगा। एक विशेष स्पॉट दाखिले के दौर में आवंटित सीट ही एकमात्र विकल्प होगा और स्पॉट के किसी भी बाद के दौर में अपग्रेड नहीं किया जाएगा ।

मूल दस्तावेजों के वास्तविक सत्यापन की अनिवार्य आवश्यकता

सीएसएएस-२०२३ के समापन पर, सभी प्रवेशित उम्मीदवारों को निर्धारित कॉलेज में रिपोर्ट करना होगा और दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों के वास्तविक सत्यापन सहित संबंधित कॉलेज की सभी प्रवेश औपचारिकताओं को पूरा करना होगा।

उम्मीदवार का प्रवेश पूर्णतया अस्थायी है और संबंधित कॉलेज द्वारा मूल दस्तावेजों के सत्यापन के अधीन है। संबंधित कॉलेज सभी दस्तावेजों / प्रमाणपत्रों की दोबारा जांच करेगा।

वास्तविक सत्यापन के दौरान, यदि कोई दस्तावेज़/प्रमाणपत्र अपर्याप्त/अपर्याप्त/अनुचित पाया जाता है, तो प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, ऐसे उम्मीदवार दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र २०२३-२४ के किसी भी स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश के अवसर से वंचित हो जाएंगे।

दाखिला शिकायत निवारण

स्तर १ - कॉलेज शिकायत निवारण समिति

प्रवेश के दौरान उत्पन्न होने वाली शिकायतों के निवारण के लिए प्रत्येक कॉलेज एक शिकायत निवारण समिति की स्थापना करेगा। इसके अलावा, उम्मीदवारों की शिकायतों के निवारण के लिए शिकायत निवारण की एक उप-समिति एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/अल्पसंख्यक और पीडब्ल्यूबीडी श्रेणियों के उम्मीदवारों की शिकायतों से संबंधित भी स्थापित की जाएगी , जिसका विवरण महाविद्यालय की वेबसाइट शिकायत निवारण समिति एवं उप समिति पर प्रदर्शित किया जायेगा।

कॉलेज शिकायत निवारण समिति और उप-समिति का विवरण कॉलेज की वेबसाइट पर और दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा ताकि निर्धारित समय के भीतर उम्मीदवारों की जरूरतों / प्रश्नों को सुविधाजनक और संबोधित किया जा सके। प्रवेश के बारे में शिकायत रखने वाले उम्मीदवारों को पहले संबंधित कॉलेज की शिकायत निवारण समिति से संपर्क करना चाहिए।

स्तर २ - केंद्रीय शिकायत निवारण समिति

यदि कॉलेज द्वारा उचित समय के भीतर शिकायतों का समाधान नहीं किया जाता है, तो उम्मीदवार यूओडी की केंद्रीय शिकायत निवारण समिति से संपर्क कर सकते हैं। यह समिति अभ्यर्थियों के आवंटन एवं प्रवेश संबंधी मुद्दों का समाधान करेगी। केंद्रीय शिकायत निवारण समिति का विवरण दिल्ली विश्वविद्यालय की दाखिला वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा।

यदि कोई शिकायत प्रासंगिक और वास्तविक पाई जाती है, और यदि किसी विशिष्ट प्रोग्राम कॉलेज संयोजन में सीटें भर गई हैं, तो ऐसे उम्मीदवार को एक अतिरिक्त सीट की पेशकश की जाएगी। शिकायतों के संबंध में संबंधित अधिकारियों द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

एनसीडब्ल्यूईबी, ईसीए, स्पोर्ट्स सुपरन्यूमरेरी कोटा और सीडब्ल्यू से संबंधित प्रवेश शिकायतों का निवारण यू दिल्ली विश्वविद्यालय की संबंधित मान्य समितियों द्वारा किया जाएगा।

कार्यक्रम और पाठ्यक्रम पात्रता

कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रताएँ

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश के लिए सीयूईटी २०२३ में चुने गए विषय/पेपर की सूची

सूची अ

सेक्शन IA और सेक्शन IB सीयूईटी २०२३ की सभी भाषाएँ।

उम्मीदवार को निम्नलिखित में से कम से कम एक भाषा में उपस्थित होना होगा:

अरबी	गुजराती	मणिपुरी	सिंधी
आसामी	हिन्दी	मराठी	Spanish
बंगाली	इतालवी	नेपाली	तमिल
बोडो	जापानी	उड़िया	तेलुगू
चीनी	कन्नड़	फ़ारसी	तिब्बती
डोगरी	कश्मीरी	पंजाबी	उर्दू
अंग्रेज़ी	कोंकणी	रूसी	
फ्रेंच	मैथिली	संस्कृत	
जर्मन	मलयालम	संथाली	

सूची ब

सीयूईटी २०२३ के अनुभाग II में उल्लिखित विषयों/परीक्षण पत्रों को सूची ब १ और सूची बी २ के तहत वर्गीकृत किया गया है। चयनित कार्यक्रम में प्रवेश के लिए विचार करने के लिए, उम्मीदवार को सीयूईटी २०२३ में उन विषयों को चुनने के लिए कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रता देखनी चाहिए, जिसमें वह उपस्थित होंगे।

सूची बी1 में विषय	
1	अकाउंटेंसी/बहीखाता पद्धति
2	एंथ्रोपोलॉजी
3	जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव प्रौद्योगिकी/जैव रसायन
4	बिजनेस स्टडीज
5	रसायन विज्ञान
6	कंप्यूटर विज्ञान/सूचना विज्ञान अभ्यास
7	अर्थशास्त्र/व्यावसायिक अर्थशास्त्र
8	पर्यावरण अध्ययन
9	भूगोल/भूविज्ञान
10	इतिहास
11	गृह विज्ञान
12	विधिक अध्ययन
13	गणित
14	भौतिक विज्ञान
15	राजनीति विज्ञान
16	मनोविज्ञान
17	संस्कृत
18	समाज शास्त्र

Subjects in List B2	
1	कृषि
2	इंजीनियरिंग ग्राफिक्स
3	उद्यमिता
4	भारत का ज्ञान, परंपराएं और प्रथाएं
5	ललित कला/दृश्य कला (मूर्तिकला/पेंटिंग/वाणिज्यिक कला)
6	मास मीडिया/मास कम्युनिकेशन
7	शारीरिक शिक्षा/एनसीसी/योग
8	कला प्रदर्शन
9	शिक्षण योग्यता

बी० ए० (प्रोग्राम)

बी० ए० (प्रोग्राम) विद्यार्थियों को उकी समानता के विषयों में स्नातक करने के लिए आकर्षित करने के लिए विषय संयोजनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है । कॉलेज कई प्रकार के संयोजन प्रदान करते हैं, जिसमें से एक छात्र उन विषयों का चयन कर सकता है जिनमें वह अपनी आगे की पढ़ाई जारी रख सकता है । दिल्ली विश्वविद्यालय 180 से अधिक बीए (प्रोग्राम) विषय संयोजन प्रदान करता है, जिससे विभिन्न विषयों को शामिल किया जाता है।

बी.ए. (प्रोग्राम) में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- **संयोजन I:** सूची **अ** से कोई एक भाषा + सूची **ब1** से कोई दो विषय + सूची में से कोई एक विषय **ब1** या सूची **ब2**

या

- **संयोजन II:** सूची **अ** से कोई एक भाषा + सूची **ब1** या सूची **ब2** + सीयूईटी का अनुभाग III में से कोई एक विषय (सामान्य परीक्षा)
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

नोट: चूंकि सीयूईटी अनुभागों का वेटेज समान नहीं है, इसलिए उचित अनुपातिकता की जाएगी।

बी० ए० (ऑनर्स) एप्लाइड साइकोलॉजी

इस प्रोग्राम का उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक मनोविज्ञान में समकालीन प्रवृत्तियों और विकास के बारे में जागरूकता और समझ विकसित करने के लिए निर्मित किया गया है। मनोविज्ञान के विषय में प्रशिक्षण और आत्मचिंतन के माध्यम से प्रासंगिक, शैक्षणिक और व्यावसायिक कौशल सीखने के लिए छात्राओं को सक्षम कर के इसकी पुष्टि की जाएगी। रोजगार की दृष्टि से यह प्रोग्राम तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम शिक्षण मानकों को बनाए रखने, छात्रों के मूल्यांकन और मनोविज्ञान के इंटरफेस को अलग-अलग रखने के लिए व मानव कल्याण हेतु विकसित किया गया है। मनोविज्ञान, मनोवैज्ञानिक विकारों को समझना, परामर्श मनोविज्ञान, औद्योगिक/संगठनात्मक व्यवहार, स्वास्थ्य मनोविज्ञान और अन्य सन्दर्भों को इस पाठ्यक्रम में पढ़ाया जायेगा।

बी.ए. (ऑनर्स) एप्लाइड साइकोलॉजी में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- सूची अ से हिन्दी + सूची ब1 से कोई दो विषय + सूची में से कोई एक विषय सूची ब1 या सूची ब2
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी० ए० (ऑनर्स) अर्थशास्त्र

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम अर्थशास्त्र में उन्नत चिंतन के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है और यह छात्राओं को परिवारों, फर्मों और सरकारी संस्थानों के व्यवहार और बातचीच की अवधारणा और व्याख्या के लिए एक तार्किक प्रतिमान देता है । समकालीन प्रासंगिकता वाले पाठ्यक्रमों जैसे शिक्षा, कानून, प्रबंधन, पत्रकारिता और सरकारी क्षेत्रों में करियर हेतु यह प्रोग्राम अन्य क्षेत्रों में कैरियर की तैयारी के लिए एक लचीलापन प्रदान करता है। यह प्रोग्राम अर्थशास्त्र विषय में वैश्विक मानकों के अनुरूप है साथ ही दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में एक स्नातक स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करता है।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- सूची अ से कोई भी भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 से होना चाहिए
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी० ए० (ऑनर्स) अंग्रेज़ी

यह पाठ्यक्रम छात्राओं को साहित्य की श्रेणी को परिभाषित/आलोचना करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य पूर्व-कल्पित धारणाओं को चुनौती देना और उनका रहस्योद्घाटन करना है । अनुकरण के रूप में साहित्य, सांस्कृतिक उत्पादन के हिस्से के रूप में साहित्य को रेखांकित करता है और ऐतिहासिक रूप से मजबूती देता है। विशिष्टता, निर्धारित ग्रंथों के साथ गहन जुड़ाव के माध्यम से एकीकृत तरीके से भाषा कौशल विकसित करना और इन कौशलों के उपयोग में शिक्षार्थियों को व्यावहारिक अभ्यास देना इसका प्राथमिक उद्देश्य है।

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- सूची अ से अंग्रेज़ी + सूची ब1 से कोई दो विषय + कोई भी एक विषय सूची ब1 या सूची ब2 से
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी० ए० (ऑनर्स) हिंदी

यह पाठ्यक्रम हिंदी की छात्राओं को भाषा क्षमता की व्यापक समझ से परिचित कराता है, साथ ही उन्हें स्थानीय और विश्व स्तर पर समाज की चुनौतियों के संदर्भ में जोड़ने की क्षमता विकसित करता है। इसका उद्देश्य हिंदी साहित्य की एक नई समझ और भाषा की व्यावहारिकता व व्यावसायिक योग्यता का विकास करना है ।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- सूची अ से हिन्दी + सूची ब1 से कोई दो विषय + कोई भी एक विषय सूची ब1 या सूची ब2 से
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी० ए० (ऑनर्स) इतिहास

प्रस्तुत पाठ्यक्रम आनुक्रमिक गुणों जैसे स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिरता, विवेचनात्मक चिंतन, सामाजिक न्याय और रोजगारपरकता कौशल को विकसित करने की प्रयास करता है । बी० ए० इतिहास (ऑनर्स) छात्राओं को शैक्षणिक रूप में आयोजित क्षेत्र तक पहुँच प्रदान करता है जो रोचक और सुलभ है। यह विद्यार्थियों के लिए एक अंत: विषय प्रोग्राम में संरचित है जो इतिहास के विषय के लिए एक संक्षिप्त और संपूर्ण परिचय प्रदान करता है। और संज्ञानात्मक अध्ययन के विषय के प्रति संवेदनशील रहता है। यह संचार मोड खोलने के लिए मानविकी और सामाजिक विज्ञान में विषयों के साथ प्रतिच्छेदन के कई बिन्दु प्रदान करता है जिसके द्वारा एक ऐतिहासिक संवेदनशीलता एक समृद्ध अनुभव हो सकती है। सुलभ और दिलचस्प है।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- सूची अ से हिन्दी + सूची ब1 से कोई दो विषय + कोई भी एक विषय सूची ब1 या सूची ब2 से
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी० ए० (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र

बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र कार्यक्रम चुनौतीपूर्ण विषय में से एक है जिसमें जीवन को गहराई से देखने का प्रयास किया जाता है और दार्शनिक अध्ययन किया जा सकता है। यह छात्र को महान दार्शनिकों और उनके विचारों से परिचित कराता है और उनके सैद्धांतिक दृष्टिकोण के माध्यम से समकालीन समस्याओं के समाधान को सुनिश्चित करना सिखाता है। यह भारतीय और पश्चिमी दर्शन को एक व्यापक विस्तार देता है और छात्राओं को वैचारिक नैतिकता की मुख्य धाराओं से अवगत कराता है। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी विज्ञान के दर्शन, तर्कशास्त्र, नारीवाद और जैव-नैतिकता व कई अन्य मूल विचारों को खोजते है । छात्राओं को दर्शन के माध्यम से दुनिया से संबंधित मूलभूत मुद्दों से अवगत कराना होता है, जिनका सम्बन्ध हमारे जीवन, मन, पदार्थ, अस्तित्व, विश्वास, धर्म और विज्ञान से होता है।

बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- सूची अ से हिन्दी + सूची ब1 से कोई दो विषय + कोई भी एक विषय सूची ब1 या सूची ब2 से
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी० ए० (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य राजनीति से जुड़े सभी तथ्यों को आंकड़ो के साथ व् राजनैतिक इतिहास के महत्वपूर्ण आयामों की जानकारी देना है, जिससे भविष्य में विद्यार्थी राजनीति से जुड़े प्रश्नों को उठा सके। विभिन्न परम्पराओं के दार्शनिकों का परिचय करवा कर विद्यार्थी कुछ मौलिक राजनीतिक सवालों के जवाब दे सकते हैं, हम राजनीतिक समुदायों में क्यों रहते हैं, सरकार का सर्वश्रेष्ठ रूप क्या है, मानव स्वभाव राजनीतिक निर्णय लेने को कैसे प्रभावित करता है, हमें बुरे शासकों का विरोध कैसे और किन परिस्थितियों में करना चाहिए? इस प्रोग्राम के माध्यम से विद्यार्थी अपने नागरिक होने का दायित्व समझता है और राज्य, समाज , जिला देश के प्रति अपने अधिकार व कर्तव्य की जानकारी पाता है।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- सूची अ से हिन्दी + सूची ब1 से कोई दो विषय + कोई भी एक विषय सूची ब1 या सूची ब2 से
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी० ए० (ऑनर्स) संस्कृत

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को शास्त्रीय ग्रंथों के माध्यम से शास्त्रीय संस्कृत साहित्य (कविता) की सामान्य रूपरेखा से परिचित कराना है। महान संस्कृत कवियों के कार्यों का एक उचित विचार विकसित करना, काव्यात्मक, कलात्मक सांस्कृतिक और उनके कार्यों और उनके ऐतिहासिक पहलू पर ध्यान केन्द्रित करने वाले व्यक्तिगत कवियों की शैलियों और विचारों की सराहना करना है। इस पाठ्यक्रम की उपलब्धि है । यह प्रोग्राम शुद्ध शास्त्रीय संस्कृत में दक्षता बढ़ाता है और उन्हें काव्य रचनाओं के अनुवाद और व्याख्या में कौशल प्रदान करना इसका लक्ष्य है ।

बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- **संयोजन I:** सूची अ से कोई एक भाषा + सूची ब1 से संस्कृत + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 से होना चाहिए

या

- **संयोजन II:** सूची अ से कोई एक भाषा + सूची अ से संस्कृत + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 से होना चाहिए

या

- **संयोजन III:** सूची अ से संस्कृत + कोई तीन विषय जिनमें से दो सूची बी1 से होना चाहिए

या

- **संयोजन IV:** सूची अ से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + कोई एक विषय सूची ब1 या सूची ब2 से

मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी। जिन अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए संयोजन IV का विकल्प चुना है, उन पर केवल तभी विचार किया जाएगा यदि संयोजन I/II/III का चयन करने वाले सभी अभ्यर्थियों पर विचार करने के बाद सीटें खाली रहती हैं।

बैचलर ऑफ बिजनेस इकोनॉमिक्स (बी.बी.ई)

बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स प्रोग्राम मजबूत नीति निर्माण और निर्णय लेने के लिए डेटा और जानकारी का विश्लेषण करने के लिए छात्रों में कुशल क्षमताओं को आत्मसात करने के लिए व्यावहारिक, विश्लेषणात्मक और सैद्धांतिक उपकरणों का एक आदर्श मिश्रण है। व्यावसायिक अर्थशास्त्र अनिवार्य रूप से व्यावसायिक समस्याओं से निपटने के लिए एक अनुप्रयोग-आधारित अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण है।

बैचलर ऑफ बिजनेस इकोनॉमिक्स (बी.बी.ई) जारी.

पाठ्यक्रम के अकादमिक अभिविन्यास को निर्बाध प्रयोज्यता की ओर एक मजबूत अभिविन्यास बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पाठ्यक्रम छात्रों को बदलते आर्थिक परिदृश्य और व्यवसाय के वैश्वीकरण के साथ तालमेल रखने के लिए प्रासंगिक सॉफ्टवेयर के साथ सांख्यिकी, वित्त, विपणन, अर्थशास्त्र, अर्थमिति जैसे विषयों से संबंधित उपकरणों और सिद्धांतों से लैस करता है।

बी.बी.ई में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- सूची अ से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सीयूईटी का खंड III (सामान्य परीक्षण)
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी.कॉम. (ऑनर्स)

दिल्ली विश्वविद्यालय का बी.कॉम. (ऑनर्स) प्रोग्राम विद्यार्थियों व्यवसाय से संबंधित समकालीन वास्तविकताओं का विश्लेषण और संश्लेषण करने हेतु ज्ञान, कौशल और क्षमता प्राप्त करने में सक्षम और सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह पाठ्यक्रम परिवर्तन और प्रतिस्पर्धा की हवाओं और सतत विकास के एक बेहद जरूरी परिप्रेक्ष्य के सामने मौजूदा व्यवसायों को बनाए रखने और इसे टिकाऊ बनाने के लिए प्रदान करता है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य छात्रों को आज की व्यावसायिक वास्तविकताओं से निपटने के लिए वास्तविक समझ पैदा करना है और आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना है। ये विद्वानों और नीति निर्माताओं द्वारा परिकल्पित प्रासंगिक क्षेत्र में विद्यार्थियों को प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण की दुनिया से भी परिचित कराता है। भारत सरकार की आत्मनिर्भर योजना के तहत इस पाठ्यक्रम को उद्यमशीलता की मानसिकता और कौशल विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

बी.कॉम. (ऑनर्स) में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- **संयोजन I**: सूची अ से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 से होना चाहिए

या

- **संयोजन II**: सूची अ से कोई एक भाषा + अकाउंटेंसी/बुक कीपिंग + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 से होना चाहिए
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी.कॉम.

वाणिज्य को समाज और व्यवसाय के बीच एक कड़ी के रूप में देखा जाता है। दोनों के बीच बातचीत की प्रकृति और उद्देश्य में समय के साथ जबरदस्त बदलाव आया है। सूचना प्रौद्योगिकी ने आकार और डिजाइन को फिर से तैयार किया है व्यवसाय, अपनी प्रकृति के कायापलट और सामाजिक कामकाज के मैट्रिक्स को जन्म देता है। इस परिवर्तन के निहितार्थ, बी.कॉम. प्रोग्राम का उद्देश्य छात्रों में कामकाज की समझ का निर्माण करना है और व्यापार की दुनिया का आधार बनाना है। संगठनात्मक कामकाज के पहलू, वित्तीय प्रणाली, अर्थव्यवस्था की समझ, व्यवसाय को नियंत्रित करने वाले कानून, समाज, आदि तक पहुँचने के लिए व्यवसायों द्वारा अपनाई गई रणनीतियाँ इसे प्राप्त करने के लिए, प्रोग्राम छात्रों को अलग-अलग जानने का अवसर प्रदान करता है। रोजगार तलाशने वालों के रूप में नहीं बल्कि एक उद्यमी के रूप में समाज की सेवा करने के लिए खुद को तलाशें, प्रयोग करें और सुसज्जित करें।

बी.कॉम. में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- **संयोजन I**: सूची अ से कोई एक भाषा + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी१ से + कोई एक विषय सूची बी१ या सूची बी२ से

या

- **संयोजन II**: सूची अ से कोई एक भाषा + कोई एक विषय सूची बी१ या सूची बी२ से + सीयूईटी का खंड III (सामान्य परीक्षण)
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान पाठ्यक्रम समग्र रूप से पौधों का अध्ययन करने के लिए आवश्यक ज्ञान और तकनीकी कौशल प्रदान करता है। विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण अंत:विषय घटकों के साथ मूल और वैकल्पिक पेपर के एक अद्वितीय संयोजन का उपयोग करके पादप जीव विज्ञान के सभी क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा । विद्यार्थियों को वर्तमान में पौधों के जीवन रूपों , उनके विकास और पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर अन्य अंत: क्रिया के अध्ययन में उपयोग की जाने वाली अत्याधुनिक तकनीकों से अवगत कराया जाएगा। विद्यार्थी पौधों के सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए उनकी प्रासंगिकता के बारे में भी जागरूक होंगे।

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- भौतिकी रसायन विज्ञान जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव प्रौद्योगिकी/जैव रसायन
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम ३०% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान

बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम अकार्बनिक, कार्बनिक, भौतिक, सामग्री और विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम छात्रों को ध्वनि सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक ज्ञान के साथ प्रशिक्षित करेगा जो शिक्षाविदों और उद्योग की आवश्यकता के अनुरूप है । रसायन विज्ञान और संबद्ध क्षेत्रों में करियर के रूप में अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम भी पर्याप्त कौशल प्रदान करते हैं। यह कार्यक्रम देश के एक सबसे बड़े और सबसे पुराने विभाग ने तैयार किया है ताकि समाज की मांगों को पूरा करने के लिए श्रेष्ठतम व्यक्ति तैयार किये जा सकें । दिल्ली विश्वविद्यालय को उम्मीद है कि बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान छात्रों को एक उन लक्ष्यों के बारे में सूचित निर्णय लेने में मदद करेगा जो वे आगे की शिक्षा और जीवन में करना चाहते हैं।

बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- भौतिकी रसायन विज्ञान गणित/अनुप्रयुक्त गणित
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम ३०% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित कार्यक्रम का उद्देश्य तार्किक और विश्लेषणात्मक रूप से सोचने की क्षमता विकसित करना है और दैनिक जीवन में गणितीय तर्क का प्रयोग करना सिखाना है । गणित में डिग्री हासिल करने से विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुसंधान, सरकारी क्षेत्र एवं व्यावसायिक क्षेत्र और उद्योग में गणित करिअर की तैयारी में क्षमता विकसित की जाएगी तथा दिलचस्प और मूल्यवान विचारों से परिचित कराया जाएगा । बी.एससी. (ऑनर्स) गणित में क्लासिकल केलकुलस से लेकर आधुनिक क्रिप्टोग्राफी , सूचना सिद्धांत , संख्या सिद्धांत , बीजगणित और नेटवर्क सुरक्षा तक गणित की पूरी श्रृंखला शामिल है । पाठ्यक्रम कैलकुलस, वास्तविक और जटिल विश्लेषण, सार बीजगणित, विभेदक समीकरण(गणितीय मॉडलिंग सहित) संख्या सिद्धांत, ग्राफ सिद्धांत और विशेष रूप से गणित के लिए सी++ प्रोग्रामिंग की एक संरचित नींव रखता है।

बी.एससी (ऑनर्स) गणित में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- सूची अ से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 से होना चाहिए
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी

बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी प्रोग्राम में बुनियादी और अनुप्रयुक्त सूक्ष्म जीव विज्ञान पाठ्यक्रमों और अंत:विषय प्रकृति पाठ्यक्रम की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है । मुख्य पाठ्यक्रम जो प्रोग्राम का एक हिस्सा है, जहाँ एक ओर विद्यार्थी सूक्ष्म जीव विज्ञान का मजबूत आधार बना पाएंगे वहीँ दूसरी ओर विषय के अनुप्रयुक्त पहलुओं से परिचित हो पाएंगे , जिससे भविष्य में वे अपनी पसंद के संस्थान में उच्चतर अध्ययन करने में सक्षम हो सके ।

बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- भौतिकी + रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव प्रौद्योगिकी/जैव रसायन
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम ३०% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी

भौतिकी एक प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक विज्ञान है जो उप-परमाणु डोमेन से लेकर पूरे ब्रह्मांड तक के लम्बाई के पैमाने पर संचालित प्रकृति के नियमों का क्रमबद्ध रूप से अध्ययन करता है। बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी कार्यक्रम अध्ययन अनुशासनात्मक/विषय क्षेत्र के भीतर के मुख्य क्षेत्र हैं: शास्त्रीय और क्वांटम यांत्रिकी, बिजली और चुंबकत्व, थर्मल और सांख्यिकीय भौतिकी, तरंग सिद्धांत और प्रकाशिकी, सामग्री भौतिक विज्ञान , डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स, और गणितीय भौतिकी और उनके अनुप्रयोग के विशेष तरीके विषय की विभिन्न शाखाओं में । सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के साथ-साथ विद्यार्थी भौतिकी की विभिन्न शाखाओं के लिए भौतिकी प्रयोगशाला विधियों को भी सीखते हैं, विशेष माप तकनीक, अवलोकन संबंधी डेटा का विश्लेषण, त्रुटि अनुमान सहित, और वैज्ञानिक रिपोर्ट लेखन। नवीनतम जोड़ भौतिकी के लिए अध्यापन कम्प्यूटेशनल भौतिकी है, जिसमें एल्गोरिथम समाधानों के लिए भौतिकी की समस्याओं को अपनाना शामिल है और भौतिक घटनाओं का मॉडलिंग और अनुकरण।

बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- भौतिकी + रसायन विज्ञान + गणित/अनुप्रयुक्त गणित
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम ३०% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी विज्ञान

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र विभिन्न मानव प्रणालियों, समन्वय और नियंत्रण के बारे में सीखने और जानने के लिए अधिक सुसज्जित होंगे । प्राणी विज्ञान डिग्री प्रोग्राम शास्त्रीय आनुवंशिकी को समझने के लिए एक मंच प्रदान करता है ताकि आबादी उनकी वंशानुक्रम जातीयता के बीच अन्य लक्षणों के वितरण को समझें और जीनोमिक्स, मेटागेनोमिक्स, जीनोम एडिटिंग और मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक टूल्स जैसी समकालीन और आधुनिक तकनीको के साथ सहसंबंध बना सके । इस पाठ्यक्रम के व्यावहारिक और सैद्धांतिक कौशल सामाजिक कल्याण के लिए विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों को डिजाइन करने में मदद करेंगे। पाठ्यक्रम को रोजगार के समावेश को सुनिश्चित करने वाले लागू विषयों का गहन ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि रोजगार कौशल का समावेश सुनिश्चित हो सके छात्र अपना करियर बना सकें और जलीय जीव विज्ञान, रेशम उत्पादन ,मधुमक्खी पालन आदि के विविध क्षेत्रों में उद्यमी बन सकें । इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्र वन्यजीव संरक्षण, पशु संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण में नीति निर्माताओं के रूप में योगदान कर सकते हैं।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी विज्ञान में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- भौतिकी + रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव प्रौद्योगिकी/जैव रसायन
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम ३०% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एससी. (प्रोग्राम) रसायन विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को एस आई इकाइयों, एकाग्रता की शर्तों, विभिन्न विश्लेषणात्मक विधियों, रासायनिक विश्लेषण में त्रुटियों के प्रकार, आंकड़ों के सांख्यिकीय परीक्षण और रसायनों और उनके अपशिष्ट पदार्थ के सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूक करना है ।

बी.एससी. (प्रोग्राम) रसायन विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + रसायन विज्ञान
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम ३०% अंक प्राप्त करना होगा।

बी.एससी. (प्रोग्राम) जीवन विज्ञान

यह प्रोग्राम विद्यार्थियों को जैविक विज्ञान के संबद्ध विषयों के साथ- साथ अनुशासनात्मक विषयों का व्यापक ज्ञान प्राप्त करने की पेशकश करेगा, जो विद्यार्थियों को दुनिया में मौजूदा जीवन प्रक्रियाओं की विविधता को समझने और उनकी सराहना करने में मदद करेगा। इसके अलावा पाठ्यक्रम अनुसंधान उपकरण और जीनोमिक्स, मेटा जेनेटिक्स जैसे कम्प्यूटेशनल टूल को संभालने और सामाजिक कल्याण के लिए समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों को डिजाइन करने में कौशल विकसित करेगा।

बीएससी (प्रोग.) जीवन विज्ञान में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- भौतिकी + रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव प्रौद्योगिकी
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए की किसी एक भाषा में न्यूनतम ३०% अंक प्राप्त करना होगा।

बैचलर ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन (बी.एल. एड)

इसका उद्देश्य प्रारंभिक शिक्षक शिक्षण में उच्च क्षमता वाले स्नातक तैयार करना है। इसके अलावा, इसने प्रारंभिक शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय की डिग्री प्रदान करके प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक की व्यावसायिक स्थिति को उन्नत किया है । प्रोग्राम गहन है और एक सहायक और उत्तेजक वातावरण प्रदान करके शिक्षकों को तैयार करने पर केंद्रित है।

बी.एल. ईडी में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए:

- सूची अ से कोई एक भाषा + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 से + कोई एक विषय सूची B१ या B२ से
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

आवेदन के समय आवश्यक दस्तावेजों की सूची

उम्मीदवारों को आवेदन करते समय प्रासंगिक प्रमाणपत्रों/दस्तावेजों की प्रतियां अपलोड करनी होंगी (जैसा लागू हो) और कॉलेज में वास्तविक सत्यापन के समय उन्हीं प्रमाणपत्रों/दस्तावेजों की मूल प्रति प्रस्तुत करनी होगी।

१ उम्मीदवार के नाम पर दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र, जिसमें जन्मतिथि और माता-पिता का नाम दर्शाया गया हो।

२ उम्मीदवार के नाम पर बारहवीं कक्षा की अंकतालिका। उम्मीदवार का नाम सीयूईटी (स्नातक) - २०२३ फॉर्म से मेल खाना चाहिए।

३ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर/ईडब्ल्यूएस/अल्पसंख्यक/सीडब्ल्यू/के.एम/पीडब्ल्यूबीडी प्रमाण पत्र (उम्मीदवार के नाम पर) सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया हो। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ओबीसी एनसीएल के तहत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम उस नाम से मेल खाना चाहिए जो उससे संबंधित स्कूल प्रमाण-पत्र में दिखाई देता हो ।इसी तरह बोर्ड योग्यता प्रमाण पत्र और सीयूईटी (स्नातक) - २०२३ में, उसके माता-पिता के नाम प्रमाणपत्रों के सेट से मेल खाना चाहिए।

४ ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर प्रमाणपत्र (उम्मीदवार के नाम पर) – सक्षम जारीकर्ता प्राधिकारी द्वारा जारी किया हुआ हो और जिसमें जाति http://ncbc.nic.in द्वारा जारी ओबीसी केंद्रीय सूची में हो।
ओबीसी-नॉन-क्रीमी लेयर के तहत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार और माता-पिता के नाम प्रमाणपत्रों में मेल खाना चाहिए । आय प्रमाण पत्र ३१ मार्च, २०२३ के बाद जारी किया गया हो । ओबीसी-एनसीएल प्रमाण पत्र का निर्धारित प्रारूप दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश वेबसाइट पर दिया गया है ।

५ सक्षम जारीकर्ता प्राधिकारी से ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र (उम्मीदवार के नाम पर) प्रमाणित करता है कि उम्मीदवार इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकते हैं। आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम, उसके माता-पिता का नाम इस श्रेणी के तहत उस नाम से मेल खाना चाहिए जो उससे संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाण-पत्र पर दिखाई देता हो। आय प्रमाण पत्र ३१ मार्च, २०२३ के बाद जारी किया गया हो ।

६ ईसीए/स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी कोटा के माध्यम से प्रवेश का दावा करने वाले उम्मीदवारों को स्व-सत्यापित प्रमाणपत्रों की प्रतियां अपलोड करनी होंगी और मांगे जाने पर प्रासंगिक आवश्यक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने होंगे।

७ PwBD विकलांगता प्रमाण पत्र किसी मान्यता प्राप्त सरकारी अस्पताल द्वारा जारी किए गए उम्मीदवार के नाम पर होना चाहिए, जिसमें उम्मीदवार की एक तस्वीर होनी चाहिए (प्रमाण पत्र के निर्धारित प्रारूप के लिए अनुबंध IV देखें)। ०१.०६.२०२१ के बाद जारी किए गए विकलांगता प्रमाण पत्र राजपत्र अधिसूचना संख्या के अनुसार होने चाहिए। १७३६ (ई) दिनांक ०५.०५.२०२१ विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग द्वारा जारी किया गया और यूडीआईडी पोर्टल के माध्यम से लागू किया गया। हालाँकि, ०१.०६.२०२१ से पहले जारी किए गए विकलांगता प्रमाण पत्र, विकलांग व्यक्तियों के अधिकारिता विभाग और दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य मौजूदा लागू नियमों और अधिसूचनाओं के अनुसार माने जाएंगे।

८ सीडब्ल्यू श्रेणी के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित प्रारूप में शैक्षिक रियायत प्रमाणपत्र (ईसीसी), (उम्मीदवार के नाम पर) अपलोड करना होगा। प्रमाणपत्र में प्राथमिकता स्पष्ट रूप से उल्लिखित है। प्रमाणपत्र के निर्धारित प्रारूप के लिए अनुबंध IV देखें।

९ कश्मीरी प्रवासी श्रेणी के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार को संभागीय आयुक्त/राहत आयुक्त द्वारा जारी प्रासंगिक प्रमाणन सही प्रारूप में अपलोड करना होगा।

१० उम्मीदवार जो दिल्ली विश्वविद्यालय वार्ड सुपरन्यूमेरी कोटा के तहत प्रवेश लेना चाहते हैं, उन्हें उचित अधिकारियों द्वारा जारी अपने माता-पिता का वैध रोजगार प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा। केवल सीएसएएस आवेदन पत्र में अपलोड किए गए रोजगार प्रमाण पत्र पर ही विचार किया जाएगा। आई-कार्ड, आधार कार्ड और/या कोई अन्य दस्तावेज़ स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार अपने द्वारा अपलोड किए गए प्रमाणपत्र की गुणवत्ता और प्रामाणिकता के लिए जिम्मेदार होंगे। उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए कि अपलोड किए गए दस्तावेज़/ प्रमाणपत्र प्रामाणिक और सटीक हैं

उम्मीदवार को अपलोड किए गए दस्तावेज़/प्रमाणपत्र प्रामाणिक और सटीक हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतनी होगी। मांगे गए दस्तावेजों/प्रमाण पत्रों का उपलब्ध करवाने के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे।

सभी प्रमाण पत्र/दस्तावेज वास्तविक सत्यापन के पूरा होने पर कॉलेज / विभाग द्वारा उम्मीदवार को वापस किया जाएगा। यदि मूल प्रमाणपत्र अंग्रेजी/हिंदी में नहीं हैं, तो ऐसे प्रमाणपत्रों का अंग्रेजी/हिंदी संस्करण/अनुवाद, पिछले संस्थान के प्राचार्य/निदेशक या अन्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवत प्रमाणित, दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान आवश्यक है।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम और प्रत्येक पाठ्यक्रम में स्वीकृत सीटों की संख्या २०२३-२०२४

पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या	सामान्य	अनुसूचित जाति १५%	अनुसूचित जनजाति ७.५%	अन्य पिछड़ा वर्ग २७%	ईडब्ल्यूएस
मानविकी						
बी .ए. (प्रोग्राम)	२३०	९३	३५	१७	६२	२३
बी .ए. (ऑनर्स) एप्लाइड साइकोलॉजी	४७	१९	७	३	१३	५
बी .ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	५९	२४	९	४	१६	६
बी .ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी	५९	२४	९	४	१६	६
बी .ए. (ऑनर्स) हिंदी	५९	२४	९	४	१६	६
बी .ए. (ऑनर्स) इतिहास	५९	२४	९	४	१६	६
बी .ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र	४०	१६	६	३	११	४
बी .ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	११४	४६	१७	९	३१	११
बी .ए. (ऑनर्स) संस्कृत	४७	१९	७	३	१३	५
वाणिज्य						
बी .कॉम. (प्रोग्राम)	२३०	९३	३५	१७	६२	२३
बी .कॉम. (ऑनर्स)	१५६	६३	२३	१२	४२	१६
विज्ञान						
बीएससी (प्रोग.) जीवन विज्ञान	११४	४६	१७	९	३१	११
बीएससी (प्रोग.) भौतिक विज्ञान	७७	३१	११	६	२१	८
बीएससी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान	७७	३१	११	६	२१	८
बीएससी (ऑनर्स) रसायन शास्त्र	४०	१६	६	३	११	४
बीएससी (ऑनर्स) सूक्ष्मजीवविज्ञान	४०	१६	६	३	११	४
बीएससी (ऑनर्स) भौतिकी	४०	१६	६	३	११	४
बीएससी (ऑनर्स) प्राणी विज्ञान	७७	३१	११	६	२१	८
गणितीय विज्ञान						
बीएससी (ऑनर्स) गणित	५९	२४	९	४	१६	६
व्यावसायिक पाठ्यक्रम						
बी.एल.एड	६३	२५	९	५	१७	७
बी .ए. (ऑनर्स) व्यापार अर्थशास्त्र	५९	२४	९	४	१६	६
कुल	**१७४६**	**७०५**	**२६१**	**१२९**	**४७४**	**१७७**
परास्नातक पाठ्यक्रम						
एम.ए. अंग्रेजी	३०	१२	४	३	८	३
एम.ए. राजनीति विज्ञान	३०	१२	४	३	८	३
एम.एससी. रसायन विज्ञान	३०	१२	४	३	८	३
कुल योग	**१८३६**	**७४१**	**२७३**	**१३८**	**४९८**	**१८६**

*उपरोक्त तालिका में दिया गया सीट आवंटन विश्वविद्यालय से अनुमोदन के अधीन है

पाठ्येतर गतिविधियों (ईसीए) और खेलकूद में प्रवेश (अतिरिक्त कोटा)

ईसीए और खेल दोनों श्रेणियों के लिए, केवल १ मई २०१९ - ३० अप्रैल २०२३ की समय अवधि के बीच जारी किए गए प्रमाणपत्रों पर विचार किया जाएगा। ईसीए सुपरन्यूमेरी कोटा के तहत प्रवेश के लिए उम्मीदवार के संयुक्त ईसीए मेरिट (सीईएम) स्कोर पर विचार किया जाएगा और उम्मीदवार का सीईएम स्कोर उच्चतम कार्यक्रम-विशिष्ट के २५% का योग होना चाहिए। उन सभी प्रोग्रामों, जिसमें अभ्यर्थी ने आवेदन किया है, का सीयूईटी प्रतिशत स्कोर और उच्चतम ईसीए स्कोर का ७५% ईसीए श्रेणियों, जिनके लिए अभ्यर्थियों पर विचार किया जा रहा है, से प्राप्त होना चाहिए। विवरण के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की सूचना विज्ञप्ति देखें।

स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी कोटा में प्रवेश के लिए कॉलेजों का सीट मैट्रिक्स (२०२३-२०२४)

क्रम संख्या	खेल	सीटें
१	व्यायाम	५
२	बास्केटबॉल	७
३	शतरंज	३
४	क्रिकेट	९
५	जूडो	९
६	टेनिस	३
७	वॉलीबॉल	८
	कुल	**४४**

स्नातक प्रवेश के लिए ईसीए सीट मैट्रिक्स (२०२३-२०२४)

श्रेणी	उप-श्रेणी	कोड	सीटें
रचनात्मक लेखन	रचनात्मक लेखन (हिन्दी)	**१अ**	**२**
	रचनात्मक लेखन (अंग्रेजी)	**१ब**	**२**
नृत्य	भारतीय शास्त्रीय	**२अ**	**३**
	भारतीय लोक	**२ब**	**२**
	पश्चिमी नृत्य	**२स**	**४**
	कोरियोग्राफी	**२द**	**४**
वाद-विवाद	वाद-विवाद (हिन्दी)	**३अ**	**२**
	वाद-विवाद (अंग्रेजी)	**३ब**	**२**
डिजिटल मीडिया	फोटोग्राफी	**४अ**	**२**
	फिल्म निर्माण	**४ब**	**१**
ललित कला	स्केचिंग और पेंटिंग	**५१**	**४**
संगीत (स्वर)	भारतीय (शास्त्रीय और सुगम)	**६अ**	**४**
	पश्चिमी (शास्त्रीय और सुगम)	**६ब**	**५**
रंगमंच	रंगमंच	**९**	**२**
प्रश्नोत्तरी	प्रश्नोत्तरी	**१०**	**२**
कुल योग			**४३**

- चयनित होने पर किसी प्रतिष्ठित अस्पताल से मेडिकल सर्टिफिकेट के अलावा कॉलेज में मेडिकल चेक-अप अनिवार्य होगा। मेडिकल चेक-अप में विफल रहने वाले किसी भी उम्मीदवार को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- चयनित खिलाड़ी द्वारा यह कहते हुए कि वे अपने स्नातक पाठ्यक्रम के दौरान कॉलेज और विश्वविद्यालय के लिए खेलेंगे , प्रवेश के समय १००/-रुपये के न्यायिक स्टांप पेपर पर एक शपथ-पत्र जमा करना अनिवार्य है ।
- प्रवेश दिल्ली विश्वविद्यालय की सूचना बुलेटिन २०२२-२३ के अनुसार किया जाएगा

अन्य अतिरिक्त कोटा पर दाखिला

बेंचमार्क विकलांग व्यक्ति (पीडब्ल्यूबीडी)

सभी कॉलेजों के प्रत्येक प्रोग्राम में कुल स्वीकृत संख्या का पांच प्रतिशत (५%) पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार के लिए आरक्षित हैं। पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए निर्धारित विकलांगता से संबंधित योग्यता और विवरण स्नातक सूचना विज्ञप्ति में बताया गया है। पीडब्ल्यूबीडी कोटा के तहत प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों के लिए अलग मेरिट सूची घोषित की जाएगी। पीडब्ल्यूबीडी प्रमाणपत्र के निर्धारित प्रारूप के लिए, सीएसएएस २०२३ देखें।

सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चे/विधवाएँ (सीडब्ल्यू)

सशस्त्र बल कार्मिकों के बच्चों/विधवाओं उम्मीदवारों के लिए पांच प्रतिशत (5%) सीटें प्रोग्राम-क्रम से सभी कॉलेजों में आरक्षित हैं। सीडब्ल्यू कोटे के तहत प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए अलग मेरिट सूची घोषित की जाएगी। सीडब्ल्यू उम्मीदवारों को अपनी प्राथमिकता और प्रमाण पत्र की भी पुष्टि करनी होगी। सीडब्ल्यू प्राथमिकता से संबंधित विवरण के लिए, स्नातक सूचना विज्ञप्ति २०२३ देखें।

कश्मीरी प्रवासी (केएम)

कश्मीरी प्रवासी कोटे के तहत प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों के लिए अलग मेरिट सूची घोषित की जाएगी। कश्मीरी प्रवासियों के बच्चों के लिए सभी कॉलेजों में 5% तक सीटें आरक्षित हैं। कश्मीरी प्रवासियों के सभी बच्चों को कश्मीरी प्रवासियों के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र अपलोड करना होगा: संभागीय आयुक्त / राहत आयुक्त।

जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधान मंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना (PMSSS)

जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधान मंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत चयनित उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा, एआईसीटीई और दिल्ली विश्वविद्यालय नियमों के अनुसार।

सिक्किम के छात्रों के लिए सीटों का नामांकन

सिक्किम के छात्रों के लिए नामांकित सीटों के लिए सीटों की उपलब्धता से संबंधित विवरण के लिए, स्नातक सूचना विज्ञप्ति -२०२३ देखें।

दिल्ली विश्वविद्यालय वार्ड कोटा

विश्वविद्यालय और कॉलेज के कर्मचारियों के बच्चों(शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों) का प्रवेश, अकादमिक परिषद के संकल्प 9 क और ख, दिनांक २७.११.२०२० और उसके बाद के संशोधनों/अधिसूचनाओं के अनुसार होगा।

अनाथ कोटा

दिल्ली विश्वविद्यालय प्रत्येक स्नातक प्रोग्राम में दो उम्मीदवारों को प्रवेश देगा। ये दोनों सीटें सुपरन्यूमेररी होंगी. विश्वविद्यालय या उसके कॉलेजों में ऐसे छात्रों के प्रवेश और अध्ययन को जारी रखने के लिए किए गए व्यय को विश्वविद्यालय या कॉलेज में प्रवेश के लिए (जैसा भी मामला हो) विश्वविद्यालय कल्याण कोष या कॉलेज छात्र कल्याण कोष से पूरा किया जाएगा। जो उम्मीदवार अनाथ कोटे के तहत प्रवेश लेना चाहता है, उसे सरकार से प्रमाण पत्र या मान्यता प्राप्त अनाथालय/धर्मार्थ गृह या माता-पिता दोनों का मृत्यु प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय में लागू नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा का विवरण

1. एकेडमिक क्रेडिट –

एकेडमिक क्रेडिट एक इकाई है जिसके द्वारा पाठ्यक्रम-कार्य को मापा जाता है। यह प्रति सप्ताह आवश्यक निर्देशों के घंटों की संख्या निर्धारित करता है। एक क्रेडिट एक घंटे के शिक्षण (व्याख्यान या ट्यूटोरियल) या प्रति सप्ताह दो घंटे के व्यावहारिक कार्य/क्षेत्र कार्य के बराबर है।

2. अध्ययन पाठ्यक्रम –

अध्ययन पाठ्यक्रम एक विशेष विषय में अध्ययन के अनुसरण को दर्शाते हैं। प्रत्येक अनुशासन अध्ययन के पाठ्यक्रमों की तीन श्रेणियों को प्रदान करेगा अर्थात अनुशासन विशिष्ट कोर पाठ्यक्रम (डीएससी), अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) और सामान्य ऐच्छिक (जीई)।

(क) अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी): अनुशासन विशिष्ट कोर अध्ययन का एक पाठ्यक्रम है, जिसे एक छात्र द्वारा अध्ययन के अपने कार्यक्रम की अनिवार्य आवश्यकता के रूप में अपनाया जाएगा। डीएससी उस विशेष अनुशासन के मुख्य क्रेडिट पाठ्यक्रम होंगे, जिन्हें एनईपी २०२० के अनुसार कई निकास विकल्पों के साथ, छात्र द्वारा किए जा रहे अध्ययन के सेमेस्टर में उचित रूप से वर्गीकृत और व्यवस्थित किया जाएगा। प्रत्येक प्रोग्राम में पढ़ाए जाने वाले मुख्य पाठ्यक्रम के रूप में निर्दिष्ट डीएससी की पहचान संबंधित विभाग द्वारा की जाएगी। उदाहरण के लिए, एकल अनुशासन विशिष्ट ऑनर्स डिग्री प्रदान करने के लिए, जैसे कि बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, बी.कॉम. (ऑनर्स), बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी और इसी तरह के ऐसे कार्यक्रम, डीएससी क्रमशः इतिहास, वाणिज्य और भौतिकी के मुख्य पाठ्यक्रम हों के अनुसार कई निकास विकल्पों के साथ, छात्र द्वारा किए जा रहे अध्ययन के सेमेस्टर में उचित रूप से वर्गीकृत और व्यवस्थित किया जाएगा। प्रत्येक प्रोग्राम में पढ़ाए जाने वाले मुख्य पाठ्यक्रम के रूप में निर्दिष्ट डीएससी की पहचान संबंधित विभाग द्वारा की जाएगी। उदाहरण के लिए, एकल अनुशासन विशिष्ट ऑनर्स डिग्री प्रदान करने के लिए, जैसे कि बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास , बी.कॉम. (ऑनर्स), बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी और इसी तरह के ऐसे कार्यक्रम, डीएससी क्रमशः इतिहास, वाणिज्य और भौतिकी के मुख्य पाठ्यक्रम होंगे।गे।

हालाँकि, 'अध्ययन के बहु-विषयक पाठ्यक्रमों के क्षेत्र' (एक एकल अनुशासन के बजाय) जैसे बी.एससी. में ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम को आगे बढ़ाने के लिए। (ऑनर्स) जीवन-विज्ञान, बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञान/मानविकी, डीएससी में एक से अधिक विषयों के कोर क्रेडिट पाठ्यक्रम शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, बी.एस.सी. (ऑनर्स) जीवन विज्ञान प्रोग्राम के लिए एक छात्र तीन विषयों अर्थात वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र और रसायन विज्ञान के क्रेडिट पाठ्यक्रमों का अध्ययन करेगा। डीएससी 1 डिसिप्लिन क1 (जैसे, बॉटनी) का हो सकता है, डीएससी २ डिसिप्लिन ख१ (जैसे, जूलॉजी) का हो सकता है और डीएससी ३ डिसिप्लिन ग१ (जैसे, केमिस्ट्री) का हो सकता है। हालांकि, ऐसे ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम का चौथा वर्ष केवल एक विषय के अध्ययन के लिए समर्पित होगा और इसलिए सातवें और आठवें सेमेस्टर में डीएससी पाठ्यक्रम अनुशासन क/ख/ग के होंगे न कि इन तीन विषयों के संयोजन के लिए। कृपया तालिका-६३ में दिए गए ढाँचे को उदाहरण-I के रूप में देखें।

ख) अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई): अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) उस विशेष अनुशासन (अध्ययन के एकल अनुशासन कार्यक्रम) या उन विषयों (अध्ययन के बहु-विषयक कार्यक्रम) के क्रेडिट पाठ्यक्रमों का एक समुच्चय होगा, (किसी भी स्थिति में) , जिसमें एक छात्र अपने विशेष अनुशासन का अध्ययन करना चुनता है। रूपरेखा में निर्दिष्ट डीएसई को संबंधित विभाग द्वारा एक कार्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के रूप में पहचाना जाएगा। उदाहरण के लिए, बीएससी करने के लिए (ऑनर्स) फिजिक्स, डीएसई चुने गए डीएसई फिजिक्स के समुच्चय से होने चाहिए। इसी प्रकार बी.एस.सी. (ऑनर्स) जीव विज्ञान प्रोग्राम, चुने गए डीएसई को वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान और रसायन विज्ञान के डीएसई के पाठ्यक्रमों का एक समुच्चय होना चाहिए, जो अध्ययन के इस प्रोग्राम के लिए मुख्य विषय हैं।

हालाँकि, 'अध्ययन के बहु-विषयक पाठ्यक्रमों के क्षेत्र' (एक एकल अनुशासन के बजाय) जैसे बी.एससी. में ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम को आगे बढ़ाने के लिए। (ऑनर्स) जीव विज्ञान, बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञान/मानविकी, सातवें और आठवें सेमेस्टर में इस तरह के ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम के चौथे वर्ष में, छात्र को किसी एक विषय क/ख/ग से डीएसई का चयन करना होगा, न कि इन तीनों का संयोजन अनुशासन। कृपया दिए गए ढांचे को देखें उदाहरण – I तालिका -३ में।

ग) सामान्य ऐच्छिक (जीई): जेनेरिक ऐच्छिक पाठ्यक्रमों का एक समुच्चय होगा जो छात्रों को बहु-विषयक या अंत:विषय शिक्षा प्रदान करने के लिए है। जीई में विषम और सम सेमेस्टर के समूहों में अध्ययन के विभिन्न विषयों (मूल अनुशासन द्वारा प्रस्तावित जीई को छोड़कर) द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों का एक समुच्चय शामिल होगा, जिसमें से छात्र चुन सकता है। ढांचे में निर्दिष्ट जीई की पहचान संबंधित विभाग द्वारा एक कार्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले जीई के रूप में की जाएगी। यदि कोई छात्र अध्ययन के अपने अनुशासन विशिष्ट पाठ्यक्रम (पाठ्यक्रमों) से परे डीएसई का विकल्प चुनता है, तो ऐसे डीएसई को उस छात्र के लिए जीई के रूप में माना जाएगा।

घ) क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम (एईसी), कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (एसईसी) और मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी): ये तीन पाठ्यक्रम सभी विभागों द्वारा विषम और सम सेमेस्टर के समूहों में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों का एक समुच्चय होगा, जिसमें से छात्र चुन सकते हैं। छात्र को शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता को लघु रूप में बनाने के लिए जीई, एसईसी, वीएसी, और इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता/परियोजना/समुदाय (आईएपीसी) के पाठ्यक्रमों के उपर्युक्त संयोजन को चुनना होगा जो योजना में निर्दिष्ट विभिन्न मॉड्यूल के रूप में पेश किए जाएंगे।

(i) एईसी पाठ्यक्रम सामग्री पर आधारित पाठ्यक्रम हैं जो अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से ज्ञान वृद्धि की ओर ले जाते हैं। वे भाषा और साहित्य और पर्यावरण विज्ञान और सतत विकास हैं जो सभी विषयों के लिए अनिवार्य होंगे।

(ii) एसईसी सभी विषयों में कौशल आधारित पाठ्यक्रम हैं और इनका उद्देश्य व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है, छात्रों के लिए दक्षता और कौशल। कौशल-आधारित निर्देश प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए पाठ्यक्रमों के समुच्चय से एसईसी पाठ्यक्रमों का चयन किया जा सकता है। प्रत्येक विषय कौशल आधारित पाठ्यक्रम प्रदान कर सकता है, जिनमें से कुछ अपने अनुशासन के छात्रों को प्रदान किए जा सकते हैं जबकि शेष अन्य सभी विषयों के छात्रों के लिए खुले हो सकते हैं।

(iii) वीएसी पाठ्यक्रम विभिन्न विषयों द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों का सामान्य समुच्चय है और इसका उद्देश्य व्यक्तित्व निर्माण है; नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों को शामिल करना; आलोचनात्मक सोच, भारतीय ज्ञान प्रणाली, वैज्ञानिक स्वभाव, संचार कौशल, रचनात्मक लेखन, प्रस्तुति कौशल, खेल और शारीरिक शिक्षा और टीम क्षमता को बढ़ावा देना जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में मदद करेगा।

2. प्रमुख अध्ययन विषय

क) एक विशिष्ट विषय (कोर कोर्स) में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम को करने वाले छात्र को आठवां सेमेस्टर के पूरा होने पर एक 'प्रमुख अनुशासन' के साथ एक उपयुक्त ऑनर्स डिग्री से सम्मानित किया जाएगा, यदि वह उस अनुशासन में कम से कम ५०% हासिल करता है। कुल क्रेडिट यानी, उस अनुशासन में कुल १७६ क्रेडिट में से कम से कम 88 क्रेडिट। वह आठ सेमेस्टर में २० डीएससी और कम से कम २ डीएसई का अध्ययन करेगा।

उदाहरण के लिए, एक छात्र जो बी.कॉम करता है। (ऑनर्स) वाणिज्य मेजर प्राप्त करने के लिए २० डीएससी और कम से कम दो डीएसई से न्यूनतम ८८ क्रेडिट अर्जित करेगा।

ख) कोर कोर्स (उदाहरण के लिए बी.ए सामाजिक विज्ञान/मानविकी, बीएससी जीव विज्ञान, बीएससी भौतिक विज्ञान, बीएससी गणितीय विज्ञान, बी. कॉम और इस तरह के अन्य कार्यक्रमों) को आठवां सेमेस्टर के पूरा होने पर एक अनुशासन में 'मेजर' के साथ उचित सम्मान की डिग्री से सम्मानित किया जाएगा, यदि वह उस अनुशासन में कुल १७६ क्रेडिट में से ८० क्रेडिट हासिल करता है। वह ६ डीएससी और कम से कम ३ डीएसई का अध्ययन करेगा।

पहले छह सेमेस्टर और २ डीएससी, ६ डीएसई में वह अनुशासन और सातवें और आठवें सेमेस्टर में उस विषय में शोध प्रबंध लिखेगा। उदाहरण के लिए, एक छात्र जो चार वर्षीय बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञान/मानविकी आठवें सेमेस्टर के पूरा होने पर इतिहास में मेजर के लिए पात्र होंगे, यदि वह ८ डीएससी और इतिहास के कम से कम 9 डीएसई से न्यूनतम ८० क्रेडिट अर्जित करता है और इतिहास से संबंधित विषय पर शोध प्रबंध लिखता है।

२. गौण अध्ययन विषय

क) ऊपर ३ (क) में उल्लिखित एक छात्र को आठवां सेमेस्टर के पूरा होने पर एक विषय में 'माइनर' से सम्मानित किया जा सकता है, अगर वह उस विषय के सात जीई पाठ्यक्रमों से न्यूनतम २८ क्रेडिट अर्जित करता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास कुल दस जीई पाठ्यक्रमों में से राजनीति विज्ञान के सात जीई पाठ्यक्रमों को चुनता है और निबंध लिखता है, उसे आठवें सेमेस्टर, इतिहास में मेजर और राजनीति विज्ञान में माइनर के सफल समापन पर सम्मानित किया जाएगा।

ख) ऊपर ३ (ख) में उल्लिखित एक छात्र को आठवें सेमेस्टर के पूरा होने पर एक विषय में माइनर से सम्मानित किया जा सकता है, अगर वह छह डीएससी और उस अनुशासन के एक डीएसई से न्यूनतम २८ क्रेडिट अर्जित करता है। उदाहरण के लिए, चार वर्षीय बीए (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञान / मानविकी इतिहास में मेजर (इतिहास में कम से कम ८० क्रेडिट हासिल करने के बाद) का अध्ययन करने वाले छात्र को हिंदी में माइनर से सम्मानित किया जा सकता है यदि वह छह डीएससी से २८ क्रेडिट अर्जित करता है और एक आठवें सेमेस्टर के सफलतापूर्वक समापन पर हिंदी का एक डीएसई (छठे सेमेस्टर तक)।

माइनर की यह परिभाषा जीई से मुक्त है जिसके लिए माइनर के रूप में माने जाने के लिए २८ क्रेडिट की आवश्यकता है। इसके अलावा, यदि कोई छात्र भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित जैसे तीन विषयों के बजाय भौतिकी और रसायन विज्ञान जैसे दो विषयों का विकल्प चुनता है, तो प्रमुख और लघु अध्ययन से संबंधित पाठ्यक्रमों में अर्जित क्रेडिट के अनुसार निर्धारित किया जाएगा। माइनर की अवधारणा तभी प्रासंगिक है जब कोई मेजर डिसिप्लिन हो।

तालिका १

क्रमांक	पुरस्कार के प्रकार	निकास का चरण	अनिवार्य क्रेडिट जो प्रवेश के लिए आवश्यक हैं
१	अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में स्नातक प्रमाणपत्र	सेमेस्टर II के सफल समापन के बाद	४४
२	अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में स्नातक डिप्लोमा	सेमेस्टर IV के सफल समापन के बाद	८८
३	स्नातक (अध्ययन के क्षेत्र) (ऑनर्स) डिसिप्लिन (अध्ययन के सिंगल कोर अनुशासन पाठ्यक्रमों के लिए)	सेमेस्टर VI के सफल समापन के बाद	१३२
४	स्नातक (अध्ययन के बहु-विषयक पाठ्यक्रमों का क्षेत्र) (अध्ययन के कई प्रमुख विषयों के पाठ्यक्रम के लिए)	सेमेस्टर VI के सफल समापन के बाद	१३२
५	स्नातक (अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र) (अनुसंधान/शैक्षणिक परियोजनाओं / उद्यमिता) अनुशासन (अध्ययन के सिंगल कोर अनुशासन पाठ्यक्रमों के लिए)	सेमेस्टर VIII के सफल समापन के बाद	१७६
६	स्नातक (अध्ययन के बहु-विषयक पाठ्यक्रमों के क्षेत्र) (ऑनर्स)	सेमेस्टर VIII के सफल समापन के बाद	१७६

तालिका २
स्नातक (अध्ययन/विषय) (ऑनर्स)

सेमेस्टर	कोर (डी.एस.सी)	वैकल्पिक (डी.एस.ई)	सामान्य वैकल्पिक (जी.ई)	क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम (ए.ई.सी)	कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (एस.ई.सी)	इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (2)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वी.ए.सी)	कुल क्रेडिट
I	DSC - १(४) DSC - २(४) DSC - ३(४)		जी.ई - 1 पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें (४)	ए.ई.सी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	२२ क्रेडिट
II	DSC - ४(४ DSC - ५(४) DSC - ६(४		GE-२ पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें (४)	ए.ई.सी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	२२ क्रेडिट
	सेमेस्टर I और II में अपेक्षित 44 क्रेडिट हासिल करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक प्रमाणपत्र (अध्ययन/अध्ययन/ विषय के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।							कुल = ४४
III	DSC - ७(४) DSC - ८(४) DSC - ९(४)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें, डीएसई - १ (४) या पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें, जीई - ३ (४)**		एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	एक एस.ई.सी चुनें या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (२)*		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	२२ क्रेडिट
IV	DSC - १०(४) DSC - ११(४) DSC – १२(४)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें, डीएसई - २ (४) या पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें, जीई - ४ (४4)**		एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	एक एस.ई.सी चुनें या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (२)*		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	२२ क्रेडिट
	सेमेस्टर IV के पूरा होने पर अपेक्षित 88 क्रेडिट हासिल करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक डिप्लोमा (अध्ययन/ अध्ययन/विषय के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।							कुल = ४४
V	DSC - १३(४) DSC - १४(४) DSC- १५(४)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें DSE- ३ (४)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें GE-५(४)		एक एस.ई.सी चुनें या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (२)*			२२ क्रेडिट
VI	DSC - १६(४) DSC - १७(४) DSC - १८(४)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें DSE – ४(४)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें GE-६ (४)^		एक एस.ई.सी चुनें या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (२)*			२२ क्रेडिट
	सेमेस्टर VI के पूरा होने पर अपेक्षित १३२ क्रेडिट हासिल करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को बैचलर ऑफ (अध्ययन/अध्ययन/ विषय के क्षेत्र में) ऑनर्स (3 वर्ष) से सम्मानित किया जाएगा।							कुल = १३२
VII	DSC - १९(४)	तीन डीएसई (३×४) पाठ्यक्रम चुनें या दो DSE-(२×४) और एक GE (४)^ पाठ्यक्रम चुनें या एक डीएसई (४) और दो जीई (२×४) पाठ्यक्रम चुनें (कुल = १२)#				मेजर पर शोध प्रबंध (६) या माइनर पर शोध निबंध (६) या शैक्षणिक परियोजना/ उद्यमिता (६)		२२ क्रेडिट

तालिका 2 (जारी)
बैचलर ऑफ (अध्ययन/विषय) (ऑनर्स)

सेमेस्टर	कोर (डी.एस.सी)	वैकल्पिक (डी.एस.ई)	सामान्य वैकल्पिक (जी.ई)	Aक्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम (ए.ई.सी)	कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (एस.ई.सी)	इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (२)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वी.ए.सी)	कुल क्रेडिट
VIII	DSC - २०(४)	तीन डीएसई (३×४) पाठ्यक्रम चुनें या दो डीएसई-(२×४) और एक जीई (४) पाठ्यक्रम चुनें या एक डीएसई (४) और दो जीई (२×४) पाठ्यक्रम चुनें (कुल = १२)#				मेजर पर शोध प्रबंध (६) या माइनर पर शोध निबंध (६) या शैक्षणिक परियोजना/ उद्यमिता (६)		२२ क्रेडिट
	बाहर निकलने वाले छात्रों को सेमेस्टर VIII के पूरा होने पर अपेक्षित १७६ क्रेडिट हासिल करने के बाद बैचलर ऑफ (अध्ययन/ अध्ययन/विषय के क्षेत्र में) (अनुसंधान/शैक्षणिक परियोजनाओं/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) या (विषय -१ (मेजर) में अनुसंधान के साथ ऑनर्स) के साथ अध्ययन/विषय -२ (मामूली) से सम्मानित किया जाएगा।						कुल = १७६

तालिका 3 (उदाहरण बी.एससी. प्रोग्राम कोर्स)
उदाहरण - 1: अध्ययन के बहु-विषयक पाठ्यक्रमों के लिए नमूना UGCF @#

सेमेस्टर	कोर (डी.एस.सी)	वैकल्पिक (डी.एस.ई)	सामान्य वैकल्पिक (जी.ई)	Aक्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम (ए.ई.सी)	कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (एस.ई.सी)	इंटर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (२)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वी.ए.सी)	कुल क्रेडिट
I	डिसिप्लिन अ १-(४) डिसिप्लिन ब १-(४) डिसिप्लिन स १-(४)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें GE-१ (४)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	२२ क्रेडिट
II	डिसिप्लिन अ २-(४) डिसिप्लिन ब २-(४) डिसिप्लिन स २-(४)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें GE-२(४)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	२२ क्रेडिट
	सेमेस्टर I और II में अपेक्षित 44 क्रेडिट हासिल करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक प्रमाणपत्र (अध्ययन/विषय के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।							कुल = 44
III	डिसिप्लिन अ ३-(४) डिसिप्लिन ब ३-(४) डिसिप्लिन स ३-(४)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें, DSE - १ (४) या पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें, GE - ३ (४)**		एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	एक SEC चुनें या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (२)*		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	२२ क्रेडिट
IV	डिसिप्लिन अ ४-(४) डिसिप्लिन ब ४-(४) डिसिप्लिन स ४-(४)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें, DSE - २ (४) या पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें, GE - ४ (४)**		एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	एक SEC चुनें या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (२)*		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	२२ क्रेडिट
	सेमेस्टर IV के पूरा होने पर अपेक्षित 88 क्रेडिट हासिल करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक डिप्लोमा (अध्ययन/अध्ययन/ विषय के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।							कुल = ८८

तालिका ३ (उदाहरण बी.एससी. प्रोग्राम कोर्स) (जारी)

उदाहरण - 1: अध्ययन के बहु-विषयक पाठ्यक्रमों के लिए नमूना UGCF @#

सेमेस्टर	कोर (डी.एस.सी)	वैकल्पिक (डी.एस.ई)	सामान्य वैकल्पिक (जी.ई)	Aक्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम (ए.ई.सी)	कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (एस.ई.सी)	इंटर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (२)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वी.ए.सी)	कुल क्रेडिट
V	डिसिप्लिन अ ५-(४) डिसिप्लिन ब ५-(४) डिसिप्लिन स ५-(४)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें DSE – ३ (४)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें GE-६ (४)^		एक एस.ई.सी चुनें या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (२)*			२२ क्रेडिट
VI	डिसिप्लिन अ ६-(४) डिसिप्लिन ब ६-(४) डिसिप्लिन स ६-(४)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें DSE - ४ (4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें GE-५ (४)		एक एस.ई.सी चुनें या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (२)***			२२ क्रेडिट
	सेमेस्टर VI के पूरा होने पर अपेक्षित 132 क्रेडिट हासिल करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को बैचलर ऑफ (अध्ययन/अध्ययन/ विषय के क्षेत्र में) ऑनर्स (3 वर्ष) से सम्मानित किया जाएगा।							कुल - १३२
VII	DSC - (४)	तीन डीएसई (३×४) पाठ्यक्रम चुनें या दो DSE-(२×४) और एक GE (४)^ पाठ्यक्रम चुनें या एक डीएसई (४) और दो जीई (२×४) पाठ्यक्रम चुनें (कुल = १२)#			मेजर पर शोध प्रबंध (६) या माइनर पर शोध निबंध (६) या शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता (६)			२२ क्रेडिट
VIII	DSC - (४)	तीन डीएसई (३×४) पाठ्यक्रम चुनें या दो डीएसई-(२×४) और एक जीई (4) पाठ्यक्रम चुनें या एक डीएसई (४) और दो जीई (२×४) पाठ्यक्रम चुनें (कुल = १२)#			मेजर पर शोध प्रबंध (६) या माइनर पर शोध निबंध (६) या शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता (६)			२२ क्रेडिट
	बाहर निकलने वाले छात्रों को सेमेस्टर VIII के पूरा होने पर अपेक्षित १७६ क्रेडिट हासिल करने के बाद बैचलर ऑफ (अध्ययन/अध्ययन/ विषय के क्षेत्र में) (अनुसंधान/शैक्षणिक परियोजनाओं/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) या (विषय -१ (मेजर) में अनुसंधान के साथ ऑनर्स) के साथ अध्ययन/विषय -२ (मामूली) से सम्मानित किया जाएगा।							कुल १७६

@# यह ढांचा तालिका -३ में प्रदान किए गए सामान्य UGCF पर आधारित है और उन कार्यक्रमों के लिए प्रासंगिक है जहां एक से अधिक विषयों को मुख्य पाठ्यक्रमों के रूप में प्राथमिकता दी जाती है, जैसे जीवन विज्ञान, भौतिक विज्ञान और अध्ययन के ऐसे किसी भी अन्य बहु-विषयक क्षेत्रों में स्नातक

तालिका 3 (उदाहरण बीए कार्यक्रम)
चित्रण - 2: मूल अनुशासन से अधिक अध्ययन के पाठ्यक्रमों के लिए नमूना यूजीसीएफ

सेमेस्टर	कोर (डी.एस.सी)	वैकल्पिक (डी.एस.ई)	सामान्य वैकल्पिक (जी.ई)	क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम (ए.ई.सी)	कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (एस.ई.सी)	इंटर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (२)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वी.ए.सी)	कुल क्रेडिट
I	DSC - १ (अ/ब) डिसिप्लिन अ १-(४) डिसिप्लिन ब १-(४)		GE भाषाओं के पूल में से एक चुनें, भाषा-१* जीई-१ (४)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	२२ क्रेडिट
II	DSC - २ (अ/ब) डिसिप्लिन अ २-(४) डिसिप्लिन ब २-(४)		GE भाषाओं के पूल में से एक चुनें, भाषा-२* जीई-२ (४)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (२)	२२ क्रेडिट
सेमेस्टर I और II में अपेक्षित 44 क्रेडिट हासिल करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक प्रमाणपत्र (अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।								कुल = ४४
III	DSC-३ (अ/ब) डिसिप्लिन अ ३-(४) डिसिप्लिन ब ३-(४)		GE भाषाओं के पूल में से एक चुनें, भाषा-३* जीई-३ (४)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	एक एसईसी चुनें या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (2)*		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	२२ क्रेडिट
IV	DSC-४ (अ/ब) डिसिप्लिन अ ४-(४) डिसिप्लिन ब ४-(४)		GE भाषाओं के पूल में से एक चुनें, भाषा-४* जीई-४ (४)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	एक एसईसी चुनें या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (2)*		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	२२ क्रेडिट
सेमेस्टर IV के पूरा होने पर अपेक्षित 88 क्रेडिट हासिल करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक डिप्लोमा (अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।								कुल = ८८
V	DSC-५ (अ/ब) डिसिप्लिन अ ५-(४) डिसिप्लिन ब ५-(४)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें डीएसई-1 (ए/बी) (4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें GE-5 (4)		एक एसईसी चुनें या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (2)*			२२ क्रेडिट
VI	DSC -६ (अ/ब) डिसिप्लिन अ ६-(४) डिसिप्लिन ब ६-(४)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें डीएसई-2 (ए/बी) (4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें GE-६ (४)		एक एसईसी चुनें या इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (2)*			२२ क्रेडिट
	सेमेस्टर VI के पूरा होने पर अपेक्षित १३२ क्रेडिट हासिल करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को बैचलर ऑफ (अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में) सम्मान (3 वर्ष) से सम्मानित किया जाएगा।							कुल = १३२

तालिका ३ (उदाहरण बी.एससी. प्रोग्रामकोर्स) जारी
चित्रण - 1: अध्ययन के बहु-विषयक पाठ्यक्रमों के लिए नमूना यूजीसीएफ

सेमेस्टर	कोर (डी.एस.सी)	वैकल्पिक (डी.एस.ई)	सामान्य वैकल्पिक (जी.ई)	क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम (ए.ई.सी)	कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (एस.ई.सी)	इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (२)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वी.ए.सी)	कुल क्रेडिट
VII	DSC-१३ (4)	तीन डीएसई (३×४) पाठ्यक्रम चुनें या दो DSE-(२×४) और एक GE (४)^ पाठ्यक्रम चुनें या एक डीएसई (४) और दो जीई (२×४) पाठ्यक्रम चुनें (कुल = १२)				मेजर पर डिज़र्टेशन (6) या माइनर पर डिज़र्टेशन (6) या शैक्षणिक परियोजना/ उद्यमिता (6)		२२ क्रेडिट
VIII	DSC-१४ (4)	Choose three DSE (3×4) courses OR Choose two DSE-(2×4) and one GE (4) course OR Choose one DSE (4) and two GE (2×4) courses (total = 12)				मेजर पर डिज़र्टेशन (6) या माइनर पर डिज़र्टेशन (6) या शैक्षणिक परियोजना/ उद्यमिता (6)		२२ क्रेडिट
	बाहर निकलने वाले छात्रों को अपेक्षित योग्यता हासिल करने के बाद बैचलर ऑफ (अध्ययन/डिसिप्लिन के क्षेत्र में) (अनुसंधान/ शैक्षणिक परियोजनाओं/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) या (डिसिप्लिन-1 (मेजर) में अनुसंधान के साथ ऑनर्स) के साथ डिसिप्लिन-2 (मामूली) से सम्मानित किया जाएगा। सेमेस्टर VIII के पूरा होने पर 176 क्रेडिट							कुल = १७६

सेमेस्टर I, II, III और IV में पेश की जाने वाली भाषाएं क्रमश: दो अलग-अलग भाषाओं (जिनमें से एक भारतीय भाषा होगी) के पाठ्यक्रम हैं जिन्हें GE के रूप में पेश की जाने वाली भाषाओं के पूल से चुना जाएगा। एक छात्र प्रत्येक भाषा में दो पाठ्यक्रमों का अध्ययन करेगा।

डीएससी-१ से डीएससी-६ या तो डिसिप्लिन ए या बी के मुख्य पाठ्यक्रम होंगे।

Iयदि कोई छात्र डिसिप्लिन ए में मेजर करना चाहता है, तो उसे डिसिप्लिन ए के डीएससी और डीएसई से कम से कम 80 क्रेडिट अर्जित करने चाहिए। यदि अनुशासन ए के डीएससी और डीएसई का कुल योग ८० क्रेडिट से कम है, तो अर्जित क्रेडिट अनुशासन ए के किसी विषय पर लिखे गए शोध प्रबंध में अपेक्षित ८० क्रेडिट को पूरा करने के लिए भी विचार किया जाएगा।

वर्ष २०२३-२४ के लिए शुल्क

संबंधित पाठ्यक्रमों के लिए कुल शुल्क निम्नलिखित है, जिसका पूरा भुगतान प्रवेश के समय किया जाना है। फीस का भुगतान होने तक प्रवेश स्वीकृत नहीं माना जाएगा। संस्था द्वारा संशोधन के मामले में फीस परिवर्तन के अधीन है।

***आवेदक को प्रवेश की मंजूरी के २४ घंटे के भीतर बिना किसी देरी के फीस का भुगतान करने की सलाह दी जाती है।**

कोर्स	शुल्क (रू)
बी .कॉम. (ऑनर्स)	१५७२५/-
बी.कॉम. (प्रोग्राम)	१५७२५/-
बी .ए. (ऑनर्स) संस्कृत/दर्शनशास्त्र/इतिहास/राजनीति विज्ञान/ हिन्दी/अंग्रेजी	१५७२५/-
बी .ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	१५७२५/-
बी .ए. (प्रोग्राम)	१५७२५/-
बी .ए. (प्रोग्राम) जर्मन	१५७२५/-
बी .ए. (प्रोग्राम) कंप्यूटर	१५७२५/-
बी .ए. (प्रोग्राम) साइकोलॉजी	१६२२५/-
बी .ए. (ऑनर्स) एप्लाइड साइकोलॉजी	१७२२५/-
बीएससी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान/प्राणी विज्ञान	१६४७५/-
बीएससी (ऑनर्स) सूक्ष्मजैविकी	१७२७५/-
बीएससी (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान	१७४७५/-
बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	१६७७५/-
बीएससी (ऑनर्स) गणित	१५७२५/-
बीएससी (प्रोग.) भौतिक विज्ञान	१७४७५/-
बीएससी (प्रोग.) जीवन विज्ञान	१७४७५/-
बी.एल.एड	१९६२५/-
बी. बी. ई.	४३८५०/-
एम.ए. अंग्रेजी	१५१११/-
एम.ए. राजनीति विज्ञान	१५१११/-
एम. एससी. रसायन विज्ञान	१५१६१/-

टिप्पणी:

1. एम.ए. राजनीति विज्ञान/अंग्रेजी/एम.एससी. रसायनशास्त्र के पाठ्यक्रमों के लिए रु. १२००/- (उपर्युक्त शुल्क सहित) पुस्तकालय विकास और विश्वविद्यालय सुरक्षा शुल्क के रूप में लिया जाता है।
2. सभी विदेशी छात्रों से उपरोक्त निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त 100 डॉलर के बराबर रुपया लिया जाएगा।
3. सभी छात्रों को प्रवेश के लिए पूरी फीस का भुगतान करना होगा। जरूरतमंद छात्र विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार वित्तीय सहायता के लिए आवेदन कर सकते हैं।

Iमहत्वपूर्ण: PWD श्रेणी से रु. शुल्क लिया जाएगा. मात्र २०/-.

छात्र कल्याण

गार्गी कॉलेज पात्र छात्रों को उनकी वार्षिक आय (जैसा कि उनके आय प्रमाण में बताया गया है) के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करता है। छात्र कल्याण कोष समिति और प्राचार्य प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हैं और दी जाने वाली सहायता राशि का निर्धारण करते हैं। चूंकि फंडिंग सीमित है, इसलिए उनके निर्णय अंतिम होते हैं।

वे छात्र जिनके माता-पिता की वार्षिक आय रु. २ लाख या उससे कम है उनके लिये वित्तीय सहायता पर विचार किया जाएगा। हालाँकि, यदि कई आवेदक हैं तो वित्तीय सहायता की उपलब्धता की गारंटी नहीं है।

"अधिक जानने के लिए त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

आधारभूत संरचना और सुविधाएँ

सभागार

कॉलेज का अपना अत्याधुनिक सभागार है जिसमें मुख्य मंजिल और मेजेनाइन में ७५० लोगों के बैठने की क्षमता है। दिन के प्राकृतिक उजाले से सुसज्जित हवादार, और टेबल और कुर्सियों से सुसज्जित विशाल पोर्टिको ट्यूटोरियल कक्षाएं आयोजित करने के लिए एक शांत जगह के रूप में कार्य करता है। सभागार ब्लॉक पूरी तरह से वातानुकूलित है और सौर प्रकाश व्यवस्था से सुसज्जित है।

सेमिनार हॉल

सभागार के बगल में 125 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक शानदार सेमिनार हॉल है। यह नवीनतम ऑडियो-विजुअल उपकरणों से सुसज्जित है और इसका उपयोग विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए किया जाता है।

ओपन एयर थिएटर

हाल ही में कार्यालय ब्लॉक के पीछे एक नया ओपन-एयर मंच बनाया गया है जिसमें आसपास की सीढ़ियों के रूप में दर्शकों के लिए बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है और इसके केंद्र में एक हरा-भरा लॉन है। यह छात्रों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और विशेष रूप से स्ट्रीट प्ले और ऐसे अन्य ओपन-एयर कार्यक्रमों के लिए एक ओपन-एयर मंच के रूप में काम करेगा।

जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा

गार्गी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय का एकमात्र महिला कॉलेज है जिसमें जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा (रखरखाव और संबद्ध खर्चों के लिए वार्षिक अनुदान के साथ डीबीटी द्वारा वित्त पोषित) है। किसी भी वैज्ञानिक विषय से स्नातक छात्र संकाय के मार्गदर्शन से जैव सूचना विज्ञान परियोजनाओं को लागू कर सकते हैं।

कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ

विभिन्न प्रकार के संशोधित और पुनर्गठित पाठ्यक्रमों की शुरूआत के साथ कंप्यूटर स्नातक कॉलेज पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। कॉलेज में वाई-फाई कनेक्टिविटी वाले 110 कंप्यूटरों वाली तीन कंप्यूटर प्रयोगशालाएं छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण और उनके कंप्यूटिंग कौशल को बढ़ाने का अवसर प्रदान करती हैं। नियमित कक्षा घंटों के बाद कैरियर-गहन शिक्षा के लिए प्रयोगशालाएँ भी उपलब्ध हैं।

प्रयोगशालाएँ - विज्ञान/प्रारंभिक शिक्षा/मनोविज्ञान

वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, प्राथमिक शिक्षा, सूक्ष्म जीव विज्ञान, भौतिकी, मनोविज्ञान और प्राणीशास्त्र प्रयोगशालाएँ न केवल विशाल और अच्छी तरह हवादार हैं बल्कि नवीनतम उपकरणों और अन्य शैक्षणिक संसाधनों से भी बहुत सुसज्जित हैं। इनमें से किसी भी प्रयोगशाला में काम करना एक सुखद अनुभव है। वनस्पति विज्ञान और भौतिकी विभागों के लिए अलग-अलग अनुसंधान प्रयोगशालाएँ हैं जहाँ संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान किया जा रहा है।

आधारभूत संरचना और सुविधाएँ

विज्ञान संग्रहालय

संबंधित विभागों द्वारा बनाए गए वनस्पति विज्ञान और प्राणीशास्त्र संग्रहालय में वनस्पतियों और जीवों के संरक्षित नमूनों, जैविक नमूनों, स्लाइडों और अन्य संसाधन सामग्रियों का एक व्यापक संग्रह है। यह संग्रह कई दशकों की मेहनत से तैयार किया गया है और इसका अच्छे से रखरखाव किया गया है। संग्रहालय छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा देश भर के विविध और विदेशी स्थानों से क्षेत्रीय यात्राओं और भ्रमण पर एकत्र किए गए नमूनों को भी संरक्षित करता है। प्रदर्शन और नमूने प्रयोगशाला में सीखने को गहराई और सीमा प्रदान करते हैं।

आनंद: द गार्गी सेंटर फॉर वेलबीइंग

सभी समुदाय के सदस्यों के समग्र कल्याण के दृष्टिकोण के तहत 2023 में सेंटर फॉर वेलबीइंग की स्थापना की गई थी। गार्गी में, हम सभी विषयों में निरंतर प्रयासों के माध्यम से अपने समुदाय के सदस्यों की समग्र भलाई में विश्वास करते हैं, साथ ही एक सकारात्मक वातावरण बनाने के लिए समुदाय को सशक्त बनाते हैं जो हम सभी को उन तरीकों से विकसित करने में मदद करता है जो हमारी भलाई को अधिकतम करते हैं और हमें लचीले तरीकों से जीवन जीने के लिए उपकरणों से लैस करते हैं जो हमारे समुदाय के सामूहिक विकास में मदद करते हैं। गार्गी सेंटर फॉर वेलबीइंग में हमारा दृष्टिकोण, समुदाय के सदस्यों को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में फलने-फूलने में मदद करने के लिए स्वदेशी उपकरणों और कौशल से सम्मानित करने के लिए एक बहुसांस्कृतिक और बहु-विषयक परिप्रेक्ष्य का उपयोग करना है। इस विचार की अवधारणा से हमारे सेंटर फॉर वेलबीइंग का उद्भव हुआ। केंद्र की परिकल्पना सकारात्मक और सकारात्मक कार्यों को एकीकृत करने के लिए की गई है जो गार्गी समुदाय के सदस्यों और गार्गी के साथ आगे बढ़ने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य पर प्रभाव डालेगी। हम हितधारकों की भलाई को बढ़ाने के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण से साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को अनुकूलित करने की योजना बना रहे हैं और इस बात को ध्यान में रखते हैं कि संरचनात्मक और प्रणालीगत परिवर्तन सभी के कल्याण को कैसे प्रभावित करते हैं।

"अधिक जानने के लिए त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

आधारभूत संरचना और सुविधाएँ

गार्गी सेंट्रल लाइब्रेरी

गार्गी के पास एक समृद्ध पुस्तकालय है जिसमें कुल ७६९४६ अतिरिक्त पुस्तकें, ३८१ सीडी का संग्रह है; ४२ पत्रिकाओं और १० समाचार पत्रों तक पहुंच। इसमें छात्रों के लिए एक वाचनालय, शिक्षकों के लिए एक अलग वाचनालय, वेब-ओपीएसी, यूजीसी-इन्फ्लिबनेट की सुविधा और डीयूएलएस ई-संसाधनों तक पहुंच जैसी विभिन्न सुविधाएं हैं। इसके अलावा, हमारी लाइब्रेरी के लिए हमारी एक अलग वेबसाइट है, जिस पर यूआरएल http://gargicollege.sarasmatilib.com/ के माध्यम से पहुंचा जा सकता है, जो हमारे उपयोगकर्ताओं की सहायता के लिए डिज़ाइन की गई है। लाइब्रेरी के पास ई-संसाधनों के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रबंधन पैकेज तक पहुंच है: एनएलआईएसटी द्वारा प्रदान किया गया उपयोगकर्ता नियंत्रण। लाइब्रेरी यूजीसी-इन्फोनेट के माध्यम से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक्स संसाधनों की सदस्यता लेती है, जिसमें ई-संसाधन (एन-लिस्ट के तहत ६००० ई-जर्नल और १९९५०० ई-पुस्तकें) शामिल हैं।

"अधिक जानने के लिए त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

आधारभूत संरचना और सुविधाएं

कैंटीन और कैफेटेरिया

कैंटीन, हमारे छात्रों का पसंदीदा अड्डा है, जहां सभी स्वादिष्ट इच्छाएं पूरी होती हैं। उचित कीमतों पर बहुत सारे स्वादिष्ट भोजन की पेशकश के साथ, यह एक ऐसा स्थान है जहां सभी स्ट्रीम के छात्र चाय/कॉफी के गर्म कप के साथ मिलते हैं, बातचीत करते हैं और बातचीत करते हैं। कोल्ड ड्रिंक, फलों का जूस, मसालेदार चाट, मोमोज, क्रिस्पी स्प्रिंग रोल, स्वादिष्ट इडली, वड़ा, डोसा, मुंह में पानी ला देने वाली पेस्ट्री, केक, बर्गर, पैटीज़, समोसा और ब्रेड पकोड़े विभिन्न खाद्य पदार्थों में से हैं। कैंटीन क्षेत्र में जल संचयन प्रणाली स्थापित की गई है। एक अतिरिक्त भोजन आउटलेट का निर्माण करके कैंटीन का नवीनीकरण और विस्तार किया गया है: हैप्पीनेस कॉर्नर!!! कैफेटेरिया के परिसर में एक नेस्कैफे कियोस्क भी स्थित है।

अस्पताल कक्ष

कॉलेज समय के दौरान छात्रों के लिए चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। छात्रों को बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने के लिए एक प्रशिक्षित नर्स के साथ एक चिकित्सा कक्ष है। इसके अलावा छात्र अपना स्वास्थ्य परीक्षण भी करा सकते हैं। कॉलेज में योग्य चिकित्सा पेशेवरों द्वारा नियमित चिकित्सा और दंत चिकित्सा जांच की जाती है।

छात्रों का कॉमन रूम: 'रिट्रीट'

कैफेटेरिया के पास स्थित, छात्रों का कॉमन रूम, 'रिट्रीट' एक ऐसी जगह है जहां छात्र आराम कर सकते हैं, दोस्तों के साथ बातचीत कर सकते हैं और वरिष्ठों के साथ बातचीत कर सकते हैं। इससे उन्हें कॉलेज जीवन के बारे में जानने और अपने परिसर से परिचित होने में मदद मिलती है, जो तीन साल के लिए उनका दूसरा घर है। कॉलेज में विद्यार्थियों का अपना स्थान। रिट्रीट के दरवाजे सभी छात्रों के लिए हमेशा खुले हैं।

छात्रसंघ कक्ष

गार्गी कॉलेज की छात्र परिषद छात्रों के बीच लोकतंत्र के मूल्यों को स्थापित करने की दिशा में एक कदम है। आम सभा प्रत्येक वर्ष एक नई परिषद का चुनाव करती है जो छात्रों की, छात्रों के लिए, छात्रों द्वारा होती है। छात्र संघ कक्ष 'मुख्यालय' है जहां से सामूहिक छात्र निकाय द्वारा लिए गए निर्णयों को क्रियान्वित किया जाता है - साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लेकर विभागीय त्योहारों और भव्य कॉलेज उत्सव: रेवेरी तक। छात्र संघ कक्ष केवल कुछ चुनिंदा लोगों के लिए ही जगह नहीं है; बल्कि यह सभी छात्रों के लिए अपने विचार और विचार व्यक्त करने का एक खुला मंच है।

"अधिक जानने के लिए त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

२०२३-२०२४

शैक्षणिक कैलेंडर

सेमेस्टर I/III/V/VII	
कक्षायें प्रारंभ	अगस्त १६, २०२३ (बुधवार)
कक्षाओं का विसर्जन, प्रारंभिक अवकाश और व्यावहारिक परीक्षा प्रारंभ	दिसंबर ०६, २०२३ (बुधवार) से दिसंबर १२, २०२३ (मंगलवार)
सैद्धांतिक परीक्षाओं का प्रारंभ	दिसंबर १३, २०२३ (बुधवार)
अवकाश	जनवरी ०१, २०२४ (सोमवार)
सेमेस्टर II/IV/VI/VIII	
कक्षायें प्रारंभ	जनवरी ०२, २०२४ (मंगलवार)
मध्य सेमेस्टर अंतराल	मार्च २४, २०२४ (रविवार) से मार्च ३१, २०२४ (रविवार)
मध्य सेमेस्टर अवकाश के बाद कक्षाओं का प्रारंभ	अप्रैल ०१, २०२४ (सोमवार)
कक्षाओं का विसर्जन, प्रारंभिक अवकाश और व्यावहारिक परीक्षा प्रारंभ	अप्रैल २९, २०२४ (सोमवार) से मई ०८, २०२४ (बुधवार)
सैद्धांतिक परीक्षाओं का प्रारंभ	मई 09, 2024 (गुरुवार)
गर्मी की छुट्टी	मई २६, २०२४ (रविवार) से जुलाई २१ २०२४ (रविवार)

गार्गी महाविद्यालय के विभाग

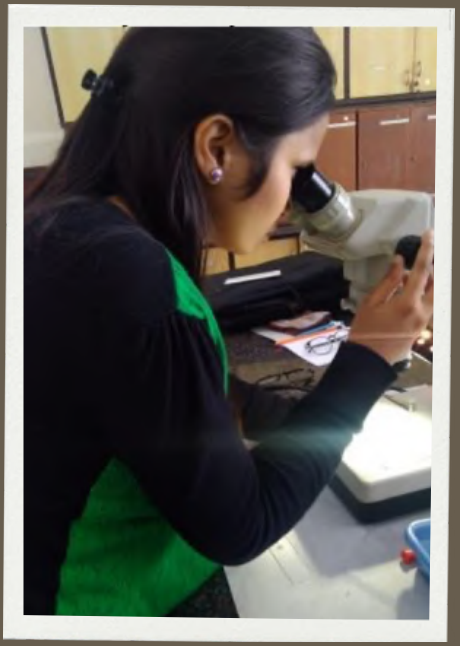

दिल्ली विश्वविद्यालय का संघटक महाविद्यालय, गार्गी महाविद्यालय उन कुछ महाविद्यालयों में से एक है जिनमें मानविकी, विज्ञान एवं वाणिज्य तीनों वर्गों में स्नातक पाठ्यक्रम की सुविधा उपलब्ध है। अनुभवी शिक्षाविदों के नेतृत्व में अपने २१ विभागों के साथ गार्गी महाविद्यालय जिज्ञासुओं के समूह के पथ-प्रदर्शन एवं उत्साहवर्धन हेतु तत्पर है। यह महत्त्व नहीं रखता कि आप कौन सा पठ्यक्रम चुनते हैं, आप एक सहयोगात्मक वातावरण पायेंगे जहाँ आप आत्मस्थ हो सकेंगे, अपना स्थान प्राप्त कर सकेंगे तथा अपनी पूर्ण क्षमता का विकास कर सकेंगे। चाहे कोई भी पाठ्यक्रम हो आपको एक स्वागतपूर्ण वातावरण की अनुभूति होगी। हमारा अटल ध्येय आपको ऐसा सशक्त वातावरण प्रदान करना है जो आपको स्वयं को पहचानने, अपना स्थान बनाने तथा अपनी पूर्ण क्षमता के विकास हेतु सक्षम बनाये। प्रत्येक संकाय के विषय में अधिक जानकारी हेतु कृपया आगे के पृष्ठों का अवलोकन करें।

वनस्पति विज्ञान

गार्गी महाविद्यालय का वनस्पति विज्ञान विभाग की सन १९६७ में स्थापित किया गया । विभाग जीव विज्ञान के सभी क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान के लिए समर्पित है। वनस्पति विज्ञान विभाग में विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले प्राध्यापक, कुशल तकनीकी कर्मचारी और उत्साही विद्यार्थी सम्मिलित हैं। विभाग प्रयोगात्मक कक्षाओं व शोधकार्य हेतु प्रयोगशालाओं से युक्त है। विभाग में एक वनस्पति विज्ञान संग्रहालय जिसमें पौधों के नमूने संरक्षित हैं साथ ही एक वानस्पतिक उद्यान भी है। पाठ्यक्रम की संरचना भी विद्यार्थियों को पर्यावरण ,जैव प्रौद्योगिकी, जैव-उर्वरक, बौद्धिक-संपदा-अधिकार, औद्योगिक-सूक्ष्मजीव- विज्ञान, औषधीय वनस्पति विज्ञान इत्यादि विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों की एक विस्तृत सूची से प्रश्नपत्र के चयन की अनुमति प्रदान करती है। वनस्पतियों का उनके प्राकृतिक अधिवास में प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करवाने के उद्देश्य से विद्यार्थियों हेतु पाठ्य-गतिविधियों के तहत क्षेत्र-भ्रमण तथा इसी प्रकार के अन्य कार्यक्रम उनके आयोजित किये जाते हैं। विभाग विभिन्न कार्यशालाओं, एड-ऑन पाठ्यक्रमों और विद्यार्थी-संवर्धन-पाठ्यक्रमों का आयोजन भी करता है। वर्षों से विभाग ने उच्च-शैक्षणिक मानदण्डों को स्थापित किया है और अनेक समर्पित शिक्षविदों, वैज्ञानिकों व अन्य अनेक व्यक्तियों का निर्माण किया है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विभाग छात्रों को उनके स्नातक पाठ्यक्रम के साथ-साथ लघु शोध परियोजनाओं पर काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है। भलीभाँति तैयार किया गया पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को वनस्पति विज्ञान, जैव-विज्ञान, जैव-चिकित्साविज्ञान, आणविक जीवविज्ञान, आनुवांशिकी, जैवप्रद्योगिकी, पर्यावरणविज्ञान तथा जैव-सूचनाविज्ञान आदि विषयों से परास्नातक की पढ़ाई करने की सुविधा प्रदान करता है।

प्रभावी शैक्षणिक एवं शोध-प्रशिक्षण के अतिरिक्त विभाग की एक सक्रिय वान्स्पर्तिक समिति-'तरु' भी है, जो अनेक सांस्कृतिक व शैक्षणिक गतिविधियाँ का आयोजन करती है। इस प्रकार विभाग में एक सक्रिय बॉटनिकल सोसायटी - "तरू" है, जो कई सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करती है जिसके माध्यम से विद्यार्थी विश्वस्तरीय शोधकर्ताओं से वार्तालाप व प्रत्यक्ष सम्पर्क का अनुभव प्राप्त कर लाभान्वित होते हैं। समिति एक ई-पत्रिका "एंथेसिस" भी प्रकाशित करती है जहां विद्यार्थी अपने वैज्ञानिक लेखन कौशल का विकास कर सकते हैं।

विभाग के सदस्य

प्रो. अपराजिता मोहन्ती
डॉ. प्रियंका पाण्डेय
डॉ. लेईज़न जुडिथ
डॉ. गीता
डॉ. रेनू सोनी
डॉ. रीमा मिश्रा
डॉ. वेरा युर्न्गम्ला कपाई
सुश्री रुचित्रा गुप्ता
डॉ. अंजना रुस्तगी
डॉ. गर्विता सिंह
डॉ.समीरा चुघ
डॉ. ग्लैडिस मुइवा
डॉ. प्रीति अग्रवाल
डॉ. नेहा सिंह
डॉ. आकांक्षा मदान
डॉ. प्रीतम कौर

"पाठ्यक्रम जानने के लिए त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- डॉ. रीमा मिश्रा
(botany.tic@gargi.du.ac.in)

व्यावसायिक अर्थशास्त्र

विभाग के सदस्य

श्री अमित रोहिल्ला
डॉ. ज्योतिका बहल
सुश्री गुंजित कौर

गार्गी महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के उन प्रमुख महाविद्यालयों में से एक है जो व्यावसायिक अर्थशास्त्र में स्नातक की सुविधा प्रदान करते हैं। गार्गी महाविद्यालय में व्यावसायिक अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम वर्ष २००७ में शुरू किया गया था। इस विभाग के विद्यार्थियों ने न केवल अपनी शैक्षणिक गतिविधियों और आजीविका के क्षेत्र में, बल्कि रचनात्मक लेखन, कला, नृत्य, संगीत, खेल और विभिन्न प्रकार की पाठ्येतर गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हमारे विद्यार्थियों ने महाविद्यालय, विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय स्तर पर अनेक प्रतियोंगितायें जीती हैं। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को उद्यमिता, अनुसंधान, नेतृत्व और नैतिकता सहित अनेक कौशल सीखने में सहायता करता है। परिणामतः, हमारे स्नातकों ने या तो विश्व भर के प्रतिष्ठित कॉलेजों और बिजनेस स्कूलों में परास्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश लिया है या तो उन्हें स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाईयों द्वारा अपने यहाँ काम हेतु चयनित किया गया है।

पाठ्यक्रम की शैक्षणिक योजना एक वाणिज्यिक प्रतिष्ठान के विभिन्न कार्यों में अर्थशास्त्र एवं तत्सम्बन्धी उपकरणों की निर्बाध प्रयोज्यता के प्रति सशक्त अभिविन्यास हेतु तैयार की गयी है। हमारे स्नातकों ने पीडब्ल्यू सी, केपीएमही, डेलोयट, ईवाई, डेल, नीति आयोग, एनडीटीवी, ओएलएक्स, एनटीपीसी तथा अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों हेतु इंटर्नशिप तथा कार्य किया है। यह एक पाठ्यक्रम के साथ एक अंतर-अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम है जिसका उद्देश्य छात्रों को अर्थशास्त्र, वाणिज्य, गणित और अनुसंधान जैसे विभिन्न विषयों में विशेषज्ञता प्रदान करना है। हमारे स्नातकों ने पीडब्ल्यूसी, केपीएमजी, डेलॉइट, ईवाई, डेल, नीति आयोग, एनडीटीवी, ओएलएक्स और एनटीपीसी और अन्य जैसी फर्मों के लिए इंटर्नशिप और काम किया है। व्यावसायिक अर्थशास्त्र के छात्र वाणिज्य, अर्थशास्त्र, व्यावसायिक अर्थशास्त्र, व्यावसायिक प्रशासन, वित्त, अन्तरराष्ट्रीय व्यवसाय आदि विषयों में परास्नातक कर सकते हैं। वे सीए, सीएफए, सीएस, सीएमए, एफआरएम, एक्चुरियल साइंस जैसे प्रोफेशनल कोर्स भी कर सकते हैं।

विभाग द्वारा नियमित रूप से पूर्व विद्यार्थियों के साथ वर्तमान विद्यार्थियों के सम्पर्क हेतु के नियमित रूप से चर्चासत्रों का आयोजन किया जाता है। विभाग नियमित रूप से विभिन्न समसामयिक विषयों पर वार्ता और सेमिनार भी आयोजित करता है। व्यावसायिक अर्थशास्त्र संघ द्वारा प्रतिवर्ष हमारे विभागीय वार्षिकोत्सव –'अद्वित्य'का आयोजन अद्वितीय उत्साह व निष्ठा के साथ किया जाता है। विभाग नवीनतम विषयों पर प्रख्यात वक्ताओं के साथ विभिन्न कार्यशालाओं, करियर परामर्श सत्रों और अतिथि व्याख्यानों का भी आयोजन करता है।

"पाठ्यक्रम जानने के लिए त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- श्री अमित रोहिल्ला
(bbe.tic@gargi.du.ac.in)

रसायन विज्ञान

विभाग के सदस्य

डॉ. उत्तरा दत्ता
डॉ. रीता भाटला
डॉ. चन्दना मुखर्जी
डॉ. बी. वैजयन्ती
प्रो. रेनु अग्रवाल
डॉ. गीता सैनी
डॉ. एम. सरत बाबू
डॉ. मञ्जु कुमारी सरोज
डॉ. नेहा शर्मा
डॉ. तृप्ति कुमारी
डॉ. बीना नेगी
डॉ सलमा खान
डॉ. निशा सैनी
डॉ. नियति सिंह
डॉ. चिन्ग्रिशोन कथिंग
डॉ. हिमानी चौहान
डॉ. मनीषा सिंगला
डॉ. पूनम कुमारी

१९६७ में स्थापित रसायन विज्ञान विभाग, कॉलेज के सबसे पुराने विभागों में से एक है। रसायन विज्ञान भौतिक विज्ञान सहित विविध विषयों जैसे औषधि विज्ञान, खगोल विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, फोरेंसिक विज्ञान, विश्लेषणात्मक रसायनविज्ञान, बहुलक विज्ञान और यहां तक कि आणविक-जीवविज्ञान के लिए एक संयोजक के रूप में कार्य करता है। यह विद्यार्थियों को शोध के विकास, समस्या-समाधान क्षमता और विश्लेषणात्मक कौशल से युक्त बनाता है। रासायनिक ज्ञान रासायनिक अनुसंधान से लेकर फार्मास्युटिकल, न्यूट्रास्युटिकल, विश्लेषणात्मक प्रयोगशालाओं, विभिन्न सरकारी और पीएसयू में अनुसंधान एवं विकास, शिक्षण क्षेत्र (विद्यालय और महाविद्यालय दोनों) और कई अन्य क्षेत्रों में करियर के अपार विकल्प उपलब्ध करवाता है।

सभी संकाय सदस्य बहुत योग्य हैं, और विभाग के पास उल्लेखनीय पूर्व विद्यार्थी भी हैं जिन्होंने शिक्षा, उद्योग, अनुसंधान और उद्यमिता सहित व्यापक क्षेत्र में अपनी पहचान स्थापित की है। कुछ विद्यार्थी आईआईटी, आईआईएसईआर और दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे अत्यधिक प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित हुये हैं जबकि कुछ उच्च अध्ययन के लिए विदेश चले गये हैं। उनकी उपलब्धियाँ गार्गी की शिक्षा की गुणवत्ता और अध्ययनकाल में प्राप्त कठोर प्रशिक्षण को दर्शाती हैं। विभाग में दो सुव्यवस्थित प्रयोगशालायें, दो उपकरण कक्ष, उपकरण और रसायन हेतु एक भण्डारकक्ष तथा एक बड़ा विभागीय पुस्तकालय है। "रसगंधायन" रसायन समिति, रसायन विज्ञान के समस्त विद्यार्थियों को सदस्यता देती है और संकाय सदस्यों की निर्देशन में छात्र-प्रतिनिधियों द्वारा सञ्चालित होती है। रसायन समिति का उद्देश्य विभिन्न कौशल के विकास एवं संवर्धन हेतु एक मंच प्रदान करना है।

रसायन समिति वर्षपर्यन्त प्रख्यात वक्ताओं के व्याख्यान, मनोरंजक/खेल गतिविधियों, करियर-परामर्श-सत्रों, शैक्षणिक और पाठ्येतर प्रतियोगिताओं, शैक्षिक यात्राओं, शोधपत्रप्रस्तुति-प्रतियोगिताओं और कई अन्य कार्यक्रमों का आयोजन करती है। समिति अपनी वार्षिक पत्रिका- 'अमलगम' प्रकाशित करती है, जो छात्रों के रचनात्मक और वैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ाती है। चाहे कार्यक्रमों में भाग लेने, गतिविधियों का आयोजन करने या समाज में नेतृत्व की भूमिका निभाने से विद्यार्थी मूल्यवान अनुभव प्राप्त करते हैं तथा संगठित कार्य, संवाद-कौशल, सांगठनिक-कौशल, कार्यक्रम-प्रबंधन व समस्या-समाधान जैसे कौशल विकसित करते हैं। ये कौशल शैक्षणिक और व्यावसायिक जीवन दोनों हेतु अत्यन्त लाभदायक हो सकते हैं। यह विद्यार्थियों को उनकी शिक्षणेतर रुचियों, प्रतिभाओं और शौक को जानने और स्नातक से परे एक सफल भविष्य हेतु तैयार करता है।

"पाठ्यक्रम जानने के लिए त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- डॉ. गीता सैनी
(chemistry.tic@gargi.du.ac.in)

वाणिज्य

विभाग के सदस्य

डॉ. गीता किचलू
डॉ. मञ्जु सहाय
डॉ. संगीता जेरथ
सुश्री रमनबीर बिन्द्रा
डॉ.मन्दाकिनी दास
डॉ. गीता सिद्धार्थ
डॉ. अलका गुप्ता
डॉ. निधि
प्रो. सोनाली आहूजा दुआ
सुश्री अञ्जिनी आनन्द
डॉ. रोमिता पोप्ली
सुश्री चित्रा राजोरा
श्री अमित रोहिल्ला
सुश्री सुमन्त मीणा
डॉ. मञ्जु खोसला
सुश्री अनम खान
सुश्री लक्ष्मी देवी
सुश्री अञ्जली सिवाल
सुश्री आकृति चौधरी
सुश्री रूपल अरोरा
सुश्री हंसिका खुराना
डॉ. पायल जैन
सुश्री सुनीता कुमारी
सुश्री नूपुर त्यागी
सुश्री ईशा चुघ
सुश्री मोहिनी राजपूत
सुश्री इति वर्मा

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

वाणिज्य एक बहु-विषयी-क्षेत्र है जो कानून, प्रबंधन, लेखांकन, वित्त और मानव व्यवहार का अध्ययन करता है। १९७३ में स्थापित वाणिज्य विभाग, दो स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम संचालित करता है- बी.कॉम (ऑनर्स) और बी.कॉम. इसके साथ ही बीए प्रोग्राम के विद्यार्थियों को 'उद्यमिता और लघु व्यवसाय' प्रश्नपत्र भी पढ़ाता है। नई शिक्षा नीति के तहत विभाग द्वारा डिजिटल मार्केटिंग, आर के साथ सांख्यिकी, वित्तीय साक्षरता, व्यक्तिगत वित्तीय योजना और प्रसन्न रहने की कला जैसे मूल्ययुक्त व कौशल-विकास पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों के रोजगार कौशल में मूल्य-वृद्धि होगी।

विभाग के पास वर्तमान में १२०० से अधिक विद्यार्थियों सहित अपने विषयो में विशेषज्ञता वाले समर्पित और अनुभवी शिक्षाविदों का एक उत्कृष्ट समूह है जो विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में काम करता है। इसके साथ ही, महाविद्यालय वाणिज्य विषयक दो ऐड-ऑन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों- 'विज्ञापन और जनसंचार' तथा 'बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ' का संचालन भी करता है, जिनका प्रबंधन विभाग के शिक्षकों द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त पूर्व विद्यार्थियों का अपने मातृसंस्था के साथ संबंध बनाए रखने और उसे पोषित करने के लिए विभाग ने 'पूर्व छात्र संघ' का गठन भी किया है। वाणिज्य के विद्यार्थियों ने विगत चार वर्षों में दोनों पाठ्यक्रमों के परीक्षा-परिणाम में १००% उत्तीर्ण होने की निरन्तरता बनाए रखी है, साथ ही अनेक विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में स्थान भी प्राप्त किया है।

वर्षों से हमारे विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में स्थान प्राप्त करने हेतु पदक प्राप्त होते रहे हैं। वाणिज्य स्नातक ऊर्जा और संसाधन, लेखांकन, वित्तीय और बीमा सेवाओं, परामर्श, सूचना प्रबंधन और विपणन और संचार सहित विश्व भर के उद्योगों में कार्यरत हैं। उन्होंने सरकारी प्रशासन, शिक्षा और प्रशिक्षण, स्वास्थ्य-रक्षा, परिवहन जैसे क्षेत्रों में सार्वजनिक क्षेत्र में भी रोजगार प्राप्त किया है। हमारे विभाग के विद्यार्थियों को अर्न्स्ट एंड यंग, केपीएमजी, एक्सेंचर और डेलॉइट जैसे प्रतिष्ठित संगठनों में नियुक्त किया गया है। अनेक विद्यार्थी उच्चशिक्षा में गये हैं तथा ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, आईआईएम, आईएसबी, एक्सएल, आरआई जैसे प्रसिद्ध संस्थानों में अध्ययन कर रहे हैं।

वाणिज्य-संघ, गार्गी महाविद्यालय के विद्यार्थियों को उनके समग्र विकास हेतु अनेक अवसर प्रदान करता है। विभाग का संपादकीय मण्डल 'कॉमासेंट' नामक एक पत्रिका का प्रकाशन करता है। यह पत्रिका विद्यार्थियों को रचनात्मकता-प्रदर्शन तथा विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा करने का अवसर देती है।

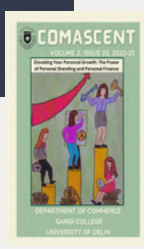

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- प्रो. सोनाली आहूजा दुआ
(commerce.tic@gargi.du.ac.in)

अर्थशास्त्र

विभाग के सदस्य

डॉ. स्वेता मिश्रा
सुश्री गुञ्जन टुटेजा
श्री सिद्धार्थ राठौर
डॉ. ज्योति मावी
डॉ. तनजोत सिंह
सुश्री गरिमा गोयल
सुश्री निवेदिता मलिक
सुश्री ऐश्वर्या गोयल

महाविद्यालय ने १९६७ में अपनी स्थापना के साथ अर्थशास्त्र में स्नातक (बी.ए.) पढ़ाना प्रारम्भ किया। विभाग वर्तमान में अर्थशास्त्र में बी.ए. (ऑनर्स) तथा बी.ए. (प्रोग्राम) का अध्यापन करता है।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम अर्थशास्त्र में उन्नत सोच के लिए एक दृढ आधार प्रदान करता है। यह विद्यार्थियों को परिवारों, फर्मों, सरकारी संस्थानों और दुनिया के अन्य अनेक प्रकार के व्यवहार और परस्पर संपर्क की अवधारणा को विकसित करने तथा उसकी व्याख्या करने हेतु एक तार्किक प्रतिमान प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम में व्यष्टि-अर्थशास्त्र, समष्टि-अर्थशास्त्र, गणित, सांख्यिकी, अर्थमिति, अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र, विकास-अर्थशास्त्र और सार्वजनिक वित्त सहित अनेक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला सम्मिलित है। सैद्धांतिक विषयों पर व्याख्यान, अनुभवजन्य विश्लेषण और वैषयिक-अध्ययन के संयोजन के माध्यम से विद्यार्थी इन विषयों की गहन समझ विकसित करते हैं। विभाग इनमें से कुछ विषयों को अन्य विषयों के विद्यार्थियों हेतु सामान्य वैकल्पिक विषय के रूप में भी पढ़ाता है।

हमारे स्नातकों की प्रमुख निगमों, वित्तीय प्रतिष्ठानों, सरकारी एजेंसियों, अनुसंधान संगठनों और अंतर्राष्ट्रीय निकायों में अत्यधिक मांग है। अध्ययनकाल में प्राप्त किया गया विश्लेषणात्मक और समस्या-समाधानपरक कौशल उन्हें आर्थिक व अनुसंधान विश्लेषक, नीति-अनुसन्धानकर्ता, वित्तीय सलाहकार, बाजार विश्लेषक और डेटा वैज्ञानिक जैसी भूमिकाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। हमारी अनेक छात्राएं बृहद् लेखा-निकायों (Big 4s), बहुराष्ट्रीय कंपनियों, बैंकों, सरकारी क्षेत्र और शिक्षा जगत् में कार्यरत हैं। हमारी प्रमुख पूर्व छात्राओं में से एक सुश्री निकिता जैन ने 2016 में स्नातक किया और भारतीय आर्थिक सेवा में चौथा स्थान प्राप्त किया। वे वर्तमान में नीतिआयोग में सहायक निदेशक (डीएमईओ) के पद पर कार्यरत हैं। एक अन्य पूर्व छात्रा सुश्री आयुषी मोंगिया को 2019 में अर्थशास्त्र में परास्नातक में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में का प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विश्वविद्यालय स्वर्णपदक से सम्मानित किया गया।

हमारा विभागीय संघ 'इकोमंत्रा' (Ecomantra) छात्राओं को प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों, नीति-निर्माताओं और औद्योगिक-विशेषज्ञों के साथ वार्तालाप का अवसर प्रदान करने हेतु संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों और सामूहिकचर्चाओं का आयोजन करता है। ये गतिविधियाँ कक्षा के बाहर छात्राओं की अर्थशास्त्र विषयक समझ को बढ़ाती हैं और उन्हें आर्थिक विषयों पर एक समग्र दृष्टि विकसित करने में सक्षम बनाती हैं। विभागीय छात्र-मंडली की गतिविधियों के अतिरिक्त हमारी छात्राऐं सक्रिय रूप से विभिन्न अंतर- महाविद्यालय प्रतियोगिताओं, शोध-सम्मेलनों और समुदाय के वंचित वर्गों तक पहुँच जैसे कार्यक्रमों में भाग लेती हैं। इस प्रयास के प्रयास छात्राओं में आलोचनात्मक विश्लेषण की क्षमता के विकास, समूह में कार्य करने की क्षमताओं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में सहायक हैं जिससे उन्हें समाज में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार किया जाता है। विभाग अर्थशास्त्र की एक वार्षिक पत्रिका 'इकोबज़' भी प्रकाशित करता है।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- डॉ. स्वेता मिश्रा
(economics.tic@gargi.du.ac.in)

प्रारम्भिक शिक्षा

विभाग के सदस्य

डॉ. छाया सावनी
डॉ. मोनिका गुप्ता
प्रो. ज्योति रैना
डॉ. प्राची कालरा
सुश्री शैलजा मोदेम
डॉ. सुमन लता
सुश्री अपर्णा जोशी
डॉ. अनुराधा वढेरा कुमार
सुश्री शैली
डॉ. एड्ना ईस्टर करकेट्टा
डॉ. चन्द्रा तिवारी

वर्ष १९९७ में स्थापित, प्रारंभिक शिक्षा विभाग चारवर्षीय व्यावसायिक उपाधि कार्यक्रम बैचलर ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन (B.El.Ed) संचालित करता है। बी.एल.एड विशेष रूप से प्राथमिक विद्यालय स्तर के शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए अध्ययन का एक एकीकृत पाठ्यक्रम है। शिक्षक-तैयारी के अनेक पक्षों की चारवर्षीय कठिन शिक्षोपरान्त विद्यार्थी एक व्यावसायिकरूप शिक्षक योग्य बन जाते हैं। इस कार्यक्रम के पीछे का विचार विषय ज्ञान, मानव विकास, शिक्षण कौशल और संचार कौशल के अध्ययन को एकीकृत करना है। इसलिए, बी.एल.एड अनिवार्य और वैकल्पिक दोनों प्रकार के सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम संचालित करता है। इसमें व्यावहारिक पाठ्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया गया है जिसके अन्तर्गत चतुर्थवर्ष में एक बृहत्-विद्यालयइन्टर्नशिप कार्यक्रम भी सम्मिलित है।

विभाग में छात्राओं हेतु एक विशेष विभागीय पुस्तकालय सह संसाधन केंद्र उपलब्ध है। जो कि विभिन्न प्रकार के शिक्षण-अधिगम संसाधनों से भरपूर है। बी.एल.एड एक द्विभाषी कार्यक्रम है। कक्षा-शिक्षण शिक्षण अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यमों में होता है। पाठ्यक्रम सामग्री भी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है। इस पाठ्यक्रम के दो मूलभूत घटक हैं- सैद्धांतिक और व्यावहारिक। सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम के 19 प्रशनपत्र हैं विद्यार्थी जिनका चार वर्ष की अवधि में अध्ययन करते हैं। इसमें फाउंडेशन पाठ्यक्रम, आधारभूत पाठ्यक्रम, शिक्षणशास्त्र-पाठ्यक्रम, उदार-पाठ्यक्रम और व्यावहारिक-पाठ्यक्रम सम्मिलित है। आधारभूतत पाठ्यक्रम भावी शिक्षक को विद्यालय में सीखी गई अवधारणाओं के पुनर्निर्माण और बहु-विषयक परिप्रेक्ष्य में उन्हें एकीकृत करने का अवसर प्रदान करते हैं।

शिक्षणशास्त्र के पाठ्यक्रम विशेष रूप से छोटे बच्चों को पढ़ाने हेतु मूलभूत शैक्षणिक कौशल विकसित करने में सहायता हेतु बनाये गए हैं। उदार-वैकल्पिक-पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को शैक्षणिक कठोरता के साथ एक विशिष्ट विधा का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करते हैं। वे उस ज्ञान के आधार को समृद्ध करने के लिए बनाये गए हैं जिससे इस विधा और शिक्षणशास्त्र में विद्यार्थी आगे अध्ययन कर विशेषज्ञता प्राप्त कर सकें। व्यावहारिक पाठ्यक्रम इस कार्यक्रम का एक अन्य अत्यन्त महत्वपूर्ण घटक है। ये पाठ्यक्रम प्राथमिक विद्यालयों के अन्दर तथा बाहर के बच्चों के साथ विभिन्न प्रकार के कार्यात्मक अनुभव तथा आत्मावलोकन एवं विकास का अवसर प्रदान करने हेतु बनाये गये हैं।

व्यावहारिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अभिनय एवं ललित कला, शिल्प और सहभागिता, विद्यालय-संपर्क कार्यक्रम, बच्चों की देखरेख, स्व-विकास कार्यशालाएं, शारीरिक शिक्षा, विद्यालयी इंटर्नशिप, परियोजना-कार्य, शिक्षण और चर्चा आदि सम्मिलित है। बी.एल. एड के अध्यादेश के अनुसार प्रत्येक विद्यार्थी को पाठ्यक्रम के प्रत्येक भाग के अध्ययन के अन्तर्गत अलग से दिए गए व्याख्यानों और अभ्यासकार्य में से कम से कम 3/4 में भाग लेना होगा। इस पाठ्यक्रम के पूर्ण होने के बाद हमारे विद्यार्थी सम्पूर्ण भारत के प्रतिष्ठित विद्यालयों में नियुक्ति प्राप्त करते हैं।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- डॉ. मोनिका गुप्ता
(gargi.beled@gargi.du.ac.in)

अंग्रेजी

विभाग के सदस्य

डॉ. अञ्जना नीरा देव
सुश्री प्रज्ञा गुप्ता
डॉ मुदिता मोहिले
डॉ. शतरूपा सिन्हा
प्रो. सुतपा दत्ता
सुश्री न्ज़ान्मोंगी पट्टन
सुश्री राजकुमारी स्मेजिता देवी
डॉ. अरुणिमा दास
डॉ. अनीता राजेन्द्रन
डॉ. अम्मु जयकीर्तन
श्री मोहित अबरॉल
श्री समीर चोपड़ा
श्री साहीन शाह
सुश्री साक्षी डोगरा
श्री सूरज अग्रवाल
डॉ. पी. वी. हसीना
सुश्री नेत्रा मुखर्जी

अंग्रेजी विभाग, महाविद्यालय के संस्थापक विभागों में से एक है, जो 1967 में प्रारम्भ हुआ। १९७८ में बीए अंग्रेजी (ऑनर्स) प्रारम्भ किया गया। अंग्रेजी का पाठ्यक्रम प्रभावशाली और सुदृढ़ है, जो विद्यार्थियों को विश्व साहित्य से भलीभाँति परिचित करवाता है। पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण साहित्यिक ग्रंथों और ऐतिहासिक विषयों को सम्मिलित करते हुये अच्छी तरह बनाया गया है और प्रासंगिक है। और इस प्रकार यह विद्यार्थियों को भविष्य के सभी व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत उद्यम हेतु उत्तम रूप से तैयार करता है। प्राचीन भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य के सर्वेक्षण से लेकर समकालीन लेखकों तक विस्तृत प्रश्नपत्रों में विद्यार्थी विभिन्न विधाओं जैसे काव्य, नाटक, उपन्यास के विषय में पढ़ेंगे और आलोचनात्मक विचार-कौशल प्राप्त करेंगे जो कि उन्हें शैक्षणिक व दैनंदिन जीवन में सक्षम व सशक्त बनायेगा।

शैक्षिक वर्ष २०२२-२३ से, छात्र विभाग के माध्यम से अध्ययन के "मुख्य" के साथ-साथ "गौण " कार्यक्रमों का भी चयन कर सकते हैं और प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष में निकास बिंदुओं पर डिग्री प्राप्त कर सकते हैं यदि वे पहले से बाहर निकलने का विकल्प चुनते हैं या चौथे और अंतिम वर्ष में अपनी पसंद के विषय पर शोध प्रबंध के साथ। अंग्रेजी विभाग के शिक्षक साधन सम्पन्न हैं और अंग्रेजी-जगत से भलीभाँति जुड़े हुये हैं। इनमें ऐसे विद्वान शिक्षक हैं जिनकी रचनायें व्यापक रूप से प्रकाशित हैं। हमारे विशिष्ट शिक्षकों की विषयगत रुचियाँ रचनात्मक लेखन से लेकर भारत और विदेश के प्रारंभिक आधुनिक साहित्य, अनुवाद, लिंग और लैंगिक अध्ययन, लोक और लोकप्रिय संस्कृतियों से लेकर विभिन्न साहित्यिक परंपराओं तक विस्तृत हैं। विभाग सभी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को अंग्रेजी पढ़ाता है, जिसमें विज्ञान, वाणिज्य, कला और शिक्षा प्रमुखता से सम्मिलित शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अंग्रेजी में परास्नातक स्तर के विद्यार्तियों को भी पढ़ाता है। विभाग के संसाधनों में महाविद्यालय के पुस्तकाल से भिन्न ३००० से अधिक पुस्तकों से युक्त ओसवाल-सेना सेना पुस्तकालय सम्मिलित है, जो छात्रों को पाठ्यक्रम से इतर पुस्तक-संसार तक पहुंचने में सहायता प्रदान करता है।

चार वर्षीय स्नातक के बाद विद्यार्थी आगे एकवर्षीय एमए तथा पीएचडी करने हेतु जा सकते हैं। जो विद्यार्थी इससे पूर्व अध्ययन कर निकल जाते हैं उनके पास यदि वे चाहें तो बाद में पुनः आकर अपनी पढ़ाई पूरा करने का विकल्प है। हमारी पूर्व-छात्राओं ने साहित्यिक-अध्ययन में शोधकर्त्री और मीडिया एवं जनसंचार में शिक्षण, प्रकाशन (लेखन, संशोधन एवं अनुवाद), जनसंपर्क-प्रबंधन के साथ-साथ परोक्ष विषयों जैसे समाजकार्य, विधि एवं प्रबन्धन में परास्नातक कर अपना भविष्य बनाया है। जो गहन विचार और लेखनकौशल छात्राओं में अनुस्वार होगा, वह प्रबंधन-अध्ययन और लोक सेवाओं सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एक उत्तरम आधार है।

विभाग के पास विभिन्न गतिविधियों का एक सह-पाठ्यचर्या तिथिदर्शक भी है, जिसमें वार्षिक राष्ट्रीय संगोष्ठी और साहित्यिक उत्सव, बहुधा आमंत्रित वक्ताओं के व्याख्यान और प्रख्यात शिक्षाविदों, रचनात्मक लेखकों के साथ बातचीत के अतिरिक्त रचनात्मक लेखन, संपादन, अनुवाद, रंगमंच और सिनेमा जैसे विभिन्न विषयों पर कार्यशालाओं और सह-पाठ्यचर्या कौशल-निर्माण सत्र सम्मिलित है।

हमारे विभाग की पत्रिका, बीटाकोरा (Bitacora), रचनात्मक अभिव्यक्ति और प्रतिलिपि तथा सामग्री संपादन के कौशल में प्रशिक्षण के लिए विद्यार्थियों को एक स्वतंत्र मंच प्रदान करती है। हमारी गतिविधियाँ जैसे कि प्रश्नमंच और साहित्यिक प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में रचनात्मकता का विकास करती हैं और उनकी विधा में समझ विकसित करवाती हैं।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- प्रो. सुतपा दत्ता
(english.tic@gargi.du.ac.in)

जर्मन

विभाग के सदस्य

सुश्री रीमा चौहान

बी.ए. प्रोग्राम पाठ्यक्रम में जर्मन को एक आनुषंगिक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है, जिसका अर्थ है कि यदि एक विद्यार्थी जर्मन भाषा चुनता है, तो वह अगले चार वर्षों तक इसका अध्ययन करेगा। इस हेतु जर्मन का कोई पूर्व ज्ञान आवश्यक नहीं है। विद्यार्थियों को प्रारम्भ से सिखाया जाता है। उन्हें प्रथम वर्ष में जर्मन भाषा में दीक्षित किया जाता है, प्ररन्तु अंतिम वर्ष तक पहुंचते-पहुंचते वे प्रसिद्ध जर्मन लघु कथाओं और लोक कथाओं से परिचित हो जाते हैं। हमारी वार्षिक कॉलेज पत्रिका में एक जर्मन अनुभाग भी है, जिसमें विद्यार्थी कविताएँ, लेख, निबंध आदि लिखते हैं। वैश्वीकरण की आज की दुनिया में एक विदेशी भाषा जानना एक संपत्ति है।

यदि कोई २१वीं सदी में एक वास्तविक खिलाड़ी बनना चाहता है, तो जर्मन सीखने से उसे वह उन्नति मिलेगी जो उसे चाहिए। दुनिया भर में १०० मिलियन लोग जर्मन में संवाद करते हैं। जर्मन न केवल जर्मनी में, बल्कि ऑस्ट्रिया, हंगरी और स्विट्जरलैंड में भी आधिकारिक भाषा के रूप में बोली जाती है।

स्नातक स्तर पर जर्मन सीखने के बाद विद्यार्थी जर्मन भाषा में स्नातकोत्तर कर सकते हैं। उच्च शिक्षा के लिए जर्मनी, ऑस्ट्रिया, हंगरी या स्विट्जरलैंड जा सकते हैं। ये देश बहुत सी छात्रवृत्तियाँ भी प्रदान करते हैं। जर्मन भाषा के ज्ञान से जॉब मार्केट में नौकरियों की कोई कमी नहीं है। जर्मन के ज्ञान से व्यक्ति अपने रोजगार के अवसरों में सुधार करता है। जर्मनी की अर्थव्यवस्था यूरोपीय संघ में सबसे बड़ी और दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। निःसंदेह, जर्मन भाषा का ज्ञान व्यक्ति की अत्यधिक माँग उत्पन्न करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में रोजगार अगर कोई ढूंढ रहा है तो उसे जर्मन जानने से बहुत लाभ मिल सकता है। इसके अतिरिक्त जर्मन सीखने से पर्यटन उद्योग, आतिथ्य उद्योग, जर्मन (लुफ्थांसा), ऑस्ट्रियाई, स्विस और हंगेरियन एयरलाइंस और जर्मन, स्विस, ऑस्ट्रियाई और हंगेरियन दूतावासों, स्कूलों, कॉलेजों में शैक्षणिक क्षेत्र, एमबीए संस्थान जैसे एमिटी और सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय आदि में रोजगार के बहुत सारे मार्ग खुलते हैं। । जर्मन भाषा कौशल वाले लोगों के लिए जर्मन बैंकों (जैसे डॉयचे बैंक) में दुभाषियों और अनुवादकों के रूप में नौकरियां भी हैं। भारतीय और जर्मन बहुराष्ट्रीय कॉरपोरेट जैसे कि सीमेंस, बीएमडब्ल्यू, ऑडी, वोक्सवैगन आदि में नौकरी के बहुत अवसर उपलब्ध हैं। कुल मिलाकर, यह एक कौशल-आधारित पाठ्यक्रम है जो रोजगार प्राप्त करने में सहायक है।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- सुश्री रीमा चौहान
(german.tic@gargi.du.ac.in)

हिन्दी

विभाग के सदस्य

प्रो. मीना
प्रो. श्रीनिवास त्यागी
प्रो. वीणा शर्मा
डॉ. अनीता यादव
प्रो. स्वाती श्वेता
डॉ. पार्वती शर्मा चांदला
डॉ. कृष्णा मीणा
सुश्री आरती पाण्डेय

महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही वर्ष १९६७ में हिन्दी विभाग प्रारम्भ हुआ। हिंदी विभाग अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है। यह स्नातक स्तर के छात्रों को शिक्षण प्रदान करता है। समसामयिक दृष्टिकोण से, हमारे महाविद्यालय में स्नातक शिक्षण के लिए हिंदी (ऑनर्स) एक महत्वपूर्ण विकल्प है। अगर आप हिंदी साहित्य ऑनर्स में रुचि रखते हैं तो यह स्नातक पाठ्यक्रम भविष्य में आपके लिए कई मार्ग और अवसर उपलब्ध करवा सकता है।

हिंदी साहित्य विद्यार्थियों के मन में रचनात्मकता और साहित्यिक संवेदनशीलता का विकास करता है। हिंदी में ऑनर्स पाठ्यक्रम न केवल विद्यार्थियों को प्राचीन काल से लेकर वर्तमान समय के महान कवियों, लेखकों, उपन्यासकारों, आलोचकों आदि से परिचित कराता है, बल्कि उनकी छिपी हुई प्रतिभा को भी सामने लाता है। रोजगार की दृष्टि से यदि आप पत्रकारिता, शोध, एंकरिंग, पटकथा लेखन, अनुवाद, संपादन, गीतरचना आदि क्षेत्र में अपनी रचनात्मकता बढ़ाना चाहते हैं तो यह पाठ्यक्रम आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है।

हिंदी विभाग के संकाय सदस्य अनुभवी एवं योग्य हैं जो छात्राओं की क्षमता को विकसित करने के साथ-साथ उन्हें सर्वश्रेष्ठ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षण में उत्कृष्टता के अरिरिक्त, हिंदी विभाग ने छात्राओं के लिए एक सक्रिय और साहित्यिक संस्था 'हिंदी साहित्य परिषद' का गठन किया है; जो हिन्दी विभाग के विद्यार्थियों को वाद-विवाद, रचनात्मक लेखन और नाटकीय गतिविधियों में संलग्न होने सहित विभिन्न प्रकार के कौशल व सर्वांगीण विकास हेतु पर्याप्त अवसर प्रदान करती है। ये गतिविधियाँ प्रत्येक छात्र को अपनी आंतरिक प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करती हैं। विभाग द्वारा छात्राओं की साहित्यिक प्रतिभा एवं कौशल को निखारने के लिए नियमित रूप से प्रत्येक सत्र में वाद-विवाद प्रतियोगिता, कविता-लेखन, कहानी-लेखन, निबंध प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाता है। विभाग छात्राओं को परंपरा और आधुनिकता, अतीत और वर्तमान के बीच एक उत्तम संतुलन बनाने में सहायता करके उनके विचारों को पोषित करने में विश्वास रखता है। हिंदी विभाग ने छात्राओं को जीवन, समाज और राष्ट्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए मंच प्रदान करने हेतु 'विचारधारा' पत्रिका प्रारम्भ की है। इनके अतिरिक्त विभाग नियमित रूप से प्रख्यात वक्ताओं के व्याख्यान, सेमिनार और कार्यशालाएं, वाद-विवाद, रचनात्मक लेखन प्रतियोगिताओं और नाटकों का आयोजन करता है।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- प्रो. श्रीनिवास त्यागी
(hindi.tic@gargi.du.ac.in)

इतिहास

विभाग के सदस्य

डॉ. दीक्षा भारद्वाज
डॉ. अलका माइकल
डॉ. रुचिका शर्मा
श्री पीयूष कुमार यादव
डॉ. मेघा शुक्ला
श्री शशि भूषण गुप्ता

गार्गी महविद्यालय की स्थापना के साथ ही १९६७ में एक महत्वपूर्ण विभाग के रूप में इतिहास विभाग की स्थापना हुई। आरम्भिक दौर में इतिहास विषय को स्नातक के प्रोग्राम पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया था। १९७२ से प्रथम बार स्नातक में इतिहास को प्रतिष्ठा (ऑनर्स) के विषय के रूप में पढ़ाया जाने लगा। उत्तरोत्तर इतिहास एक विषय के रूप में अपनी प्रासंगिकता को सशक्त करता रहा है। भारतीय और विश्व इतिहास में दक्षताप्राप्त विभाग के शिक्षकों ने इस विषय को एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक विषय के रूप में परिष्कृत किया है।

इतिहास (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम में भारत का इतिहास की दीर्घकालावधि प्राचीन, मध्यकालीन से लेकर आधुनिक भारत तक सम्मिलित है, इसीप्रकार, विश्व इतिहास के प्रश्नपत्रों में प्राचीन विश्व में समाज-निर्माण और सांस्कृतिक प्रतिमान, आधुनिक पश्चिम का उत्थान एवं आधुनिक यूरोप का इतिहास जैसे विषयों के माध्यम से वैश्विक इतिहास की अंतर्दृष्टि का विकास सुनिश्चित किया जाता है।

स्नातक (प्रतिष्ठा) के विद्यार्थियों के पास अनिवार्य विधाविशिष्ट आधारभूत प्रश्नपत्र होते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को प्रथम से चतुर्थ सत्र तक अन्य विषयों द्वारा प्रस्तावित सामान्य वैकल्पिक प्रश्नपत्र चुनना होगा। इसी प्रकार, हमारे विभाग द्वारा अन्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को सामान्य वैकल्पिक प्रश्नपत्र की चुनने का विकल्प दिया जाता है। हमारे संकाय सदस्यों ने भारतीय और विश्व इतिहास के विशेष क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित की है। बीए बहुविषयक पाठ्यक्रम के छात्रों को इतिहास विधा और विधाविशिष्ट आधारभूत प्रश्नपत्र और वैकल्पिक प्रश्नपत्र पढ़ाए जाते हैं। यहां भारतीय और गैर-भारतीय इतिहास के पेपर भी उपलब्ध हैं।

एसईसी, वीएसी और जीई के कई पाठ्यक्रमों का घटक एक फील्डवर्क/प्रोजेक्ट भी होता है, जहां विद्यार्थी स्मारकों, संग्रहालयों या अभिलेखागार, जो भी प्रश्नपत्र से संबंधित हो, का भ्रमण करते हैं। हिस्ट्री एसोसिएशन की शुरुआत विभाग द्वारा वर्ष २००६ में की गई थी। इसका उद्देश्य इतिहासविधा के क्षितिज को व्यापक बनाना और छात्रों को विषय के क्षेत्र में उभरते रुझानों से परिचित कराना है। एसोसिएशन प्रासंगिक विषयों पर व्याख्यान, पुस्तक चर्चा और फिल्म स्क्रीनिंग की एक श्रृंखला आयोजित करता है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के प्रतिष्ठित इतिहासकारों, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण जैसे शीर्ष संगठनों के पुरातत्वविदों, स्वतंत्र विद्वानों और विरासत विशेषज्ञों को विभाग के विद्यार्थियों के साथ अपने दृष्टिकोण साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। विद्यार्थियों को नगर भर के संग्रहालयों, ऐतिहासिक स्थलों और प्रदर्शनियों का भ्रमण करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। इन आयोजनों के अतिरिक्त एसोसिएशन 'अंतराल' नामक एक वार्षिकोत्सव का आयोजन भी करता है जो कि जिसे कुछ गहन शोध के योग्य माना जाता है ऐसे एक विशिष्ट विषय के पर आधारित होता है। इतने वर्षों में विविध विषय जैसे दिल्ली का इतिहास, पर्यावरण, भोजन, धर्म, क्षेत्र, कला-इतिहास, नया इतिहास और महिलाओं की भूमिकाओं व एजेंसी को आदि विषय वार्षिकोत्सव के मुख्य विषय रहे हैं। इसके अतिरिक्त विभाग ने क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय इतिहास के विभिन्न विषयों पर ऐतिहासिक भ्रमण, वार्ता और चर्चाएं भी आयोजित की हैं। गार्गी कॉलेज के इतिहास विभाग में स्नातक स्तर पर इतिहास का अध्ययन करने के बाद छात्र ऐतिहासिक अतीत के अधिक व्यापक ज्ञान की आशा कर सकते हैं। यह उन्हें बेहतर समझ और गहरी अंतर्दृष्टि के साथ पेशेवर दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार करता है।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- डॉ. अलका माइकल
(history.tic@gargi.du.ac.in)

गणित

विभाग के सदस्य

सुश्री अर्शमीत कौर
सुश्री भावना कपूर
सुत्री भारती तलवार
सुश्री पूजा गुप्ता
श्री रमाकान्त प्रसाद
सुश्री सपना मल्होत्रा
सुश्री अंशिका अग्रवाल
डॉ. भारती शर्मा
डॉ. दीपिका ढल्ल
सुश्री मनप्रीत कौर
डॉ. विद्या सागर
सुश्री फ़रहीन अहमद
डॉ. विभा
डॉ. रिम्पी पाल कुण्डू
सुश्री कृष्णा मीना

गार्गी महाविद्यालय का गणित विभाग तीनवर्षीय बी.एससी (ऑनर्स) गणित पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है। अनुभवी वरिष्ठों और गतिशील युवा सदस्यों के संयोजन के साथ विभाग में कुल पंद्रह संकाय सदस्य हैं जिन्हें शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त है। संकाय सदस्य विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों में संलग्न हैं और उनके शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित होते हैं। विभाग सामान्य वैकल्पिक, कौशल-संवर्धन व मूल्य-संवर्धक पाठ्यक्रमों के माध्यम से बीएससी (ऑनर्स) रसायनविज्ञान, बी.एससी (ऑनर्स) भौतिकी बी.एससी भौतिक विज्ञान, बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, बीए (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स, बीए (प्रोग्राम), बी.एल.एड., आदि विषयों में अन्तर-विभागीय अध्यापन में भी संलग्न है।

विश्वविद्यालय द्वारा बीएससी (ऑनर्स) गणित का पाठ्यक्रम गणित के विद्यार्थियों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के साथ-साथ एक विषय के रूप में गणित की विकसित होती प्रकृति को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। पाठ्यक्रम में शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित के बीच में संतुलन स्थापित करता है। पाठ्यक्रम में रैखिक बीजगणित, मीट्रिक रिक्त स्थान, सांख्यिकी, रैखिक प्रोग्रामिंग, संख्यात्मक विश्लेषण, गणितीय वित्त, कोडिंग सिद्धांत, यांत्रिकी और बायोमैथमैटिक्स सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों में आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक सोच विकसित करना है।

पाठ्यक्रम में अधिकांश प्रश्नपत्र कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और सिमुलेशन तकनीकि पर आधारित होते हैं जिनमें वास्तविक जीवन की समस्याएं सम्मिलित होती हैं। इस उद्देश्य के लिए, कॉलेज में एक सुव्यवस्थित व सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला है जिसमें नवीनतम सुविधाओं के साथ-साथ अनेक गणितीय सॉफ्टवेयर जैसे वोल्फ्राम मैथेमेटिका, आर, साइलैब, लाटेक्स, आदि उपलब्ध हैं।

विभाग विद्यार्थियिं को इस तरह से सशक्त बनाने पर जोर देता है कि वे स्नातक के बाद शिक्षण, शोध या औद्योगिक क्षेत्र में सम्मिलित हो सकें। विद्यार्थियों को विभिन्न कैरियर विकल्पों जो शिक्षा, अनुसंधान, प्रबंधन, सिविल सेवा, उद्योग, वित्त और कई अन्य क्षेत्रों में गणित का अध्ययन करने के बाद खुलेगें, के विषय में भी जागरूक किया जाता है।

शैक्षणिक और पाठ्य गतिविधियों के अतिरिक्त विभाग सक्रिय रूप से अन्य अंतरवैषयिक गतिविधियों का आयोजन करता है तथा उसमें भाग भी लेता है। है। विभाग का संघ 'मथेमा' विभाग के विद्यार्थियों को को उनके लक्ष्यों की सफल प्राप्ति हेतु ज्ञान और कौशल के साथ पोषण करने के लिए सेमिनार, व्याख्यान और प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करता है।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- सुश्री सपना मल्होत्रा
(mathematics.tic@gargi.du.ac.in)

सूक्ष्मजैविकी

विभाग के सदस्य

डॉ. सुरभि श्रीवास्तव
डॉ. अनीता कपिला
डॉ. रेखा गुप्ता
प्रो. कविता वासुदेव
प्रो. शशि चावला
डॉ. मनप्रीत कौर रावल
डॉ. कीर्ति त्यागी
डॉ. इन्द्र मणि

सूक्ष्मजैविकी विभाग की स्थापना १९८९ में विद्यार्थियों को न केवल जीवन विज्ञान और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से की गई थी, बल्कि उन्हें गुणवत्ता नियंत्रण और खाद्य, दवा और स्वास्थ्य उद्योगों के अनुसंधान एवं विकास क्षेत्रों में एक उपयुक्त व्यवसाय खोजने में मदद करने के लिए भी की गई थी। जैविक प्रक्रियाओं में एक गहन प्रशिक्षण छात्रों को संबद्ध क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान के प्रारंभिक चरण में ले जाता है। मूल प्रश्नपत्रों में विविध रोगाणुओं के संरचनात्मक और शारीरिक पहलुओं, रोग के कारण, कृषि और उद्योग में उनकी भूमिका के साथ-साथ आणविक जीव विज्ञान, पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी, जैव सुरक्षा और जैव सूचना विज्ञान की अवधारणाओं का अध्ययन सम्मिलित है। प्रयोगात्मक कक्षाएं माइक्रोस्कोपी, जैव रसायन के साथ-साथ विविध आणविक जीव विज्ञान तकनीकों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बनायी गयी हैं।

स्नातक के बाद विद्यार्थी सूक्ष्मजीवविज्ञान/जैव-तकनीकि/जीवन-विज्ञान/अनुवांशिकता/ मॉलिक्यूलर विषाणुविज्ञान/मानव जीनोमिक्स/ जलप्रबन्धन/जनस्वास्थ्य के साथ-साथ संबंधित क्षेत्रों में परास्नातक कर सकते हैं । विभाग के पास सैद्धान्तिक व प्रयोगात्मक कक्षाओं हेतु उत्तम संसाधन उपलब्ध हैं।

विद्यार्थियों की समिति जर्म्स (GERMS) और मसिफ़ (MASIF) के तत्त्वावधान में शैक्षणिक पाठ्यक्रम के एक अभिन्न अंग के रूप में व्यापक पाठ्येतर गतिविधियों और वैज्ञानिक वार्ताओं का अयोजन किया जाता है। हमारी पूर्व छात्राएं समग्र विश्व में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों जैसे IISER पुणे, क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र फरीदाबाद, एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर टेक्सास, प्रयोगशाला लॉस अलामोस नेशनल लेबोरेटरी आदि में वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पदों पर आसीन हैं। शोध व अनुसंधान संस्थानों के अतिरिक्त छात्राओं को सार्वजनिक स्वास्थ्य, फार्मास्यूटिकल्स और जीवन विज्ञान से संबद्ध विभिन्न क्षेत्रों में इंटर्न, सामग्री डेवलपर्स और सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों के रूप में नियुक्त किया जाता है।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- डॉ. अनीता कपिला
(microbiology.tic@gargi.du.ac.in)

दर्शनशास्त्र

विभाग के सदस्य

डॉ. रेखा नवनीत
डॉ. दीपिका चटर्जी
डॉ. रश्मि भारद्वाज
डॉ. पूर्णिमा अग्रवाल
श्री मो. इनामुल हक़
सुश्री साची चौधरी

गार्गी महाविद्यालय में दर्शनशास्त्र विभाग १९९५ में स्थापित किया गया था। विभाग स्नातक के विद्यार्थियों को बीए ऑनर्स और बीए पढ़ाता है। इनके अतिरिक्त विभाग द्वारा प्रस्तुत सामान्य वैकल्पिक (जीई), कौशल-विकासपाठ्यक्रम (एसईसी) और मूल्य-संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी) अन्य विषयों के विद्यार्थियों के मध्य लोकप्रिय है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को ज्ञानमीमांसा, तत्त्वमीमांसा, ऑन्कोलॉजी, तार्किक तर्कशक्ति तथा नैतिकता और सौंदर्यशास्त्र में मूल्य की प्रकृति आदि मूलभूत क्षेत्रों से परिचित कराता है। यह विद्यार्थियों को आलोचनात्मक तर्क, विश्लेषणात्मक समस्या-समाधान-कौशल, अभिव्यक्ति में संक्षेपण और तर्कों व दृष्टिकोणों के साथ तर्कसंगत रूप से संलग्न योग्य बनायेगा।

हमारे प्रतिबद्ध और अनुभवी शिक्षक भारतीय दर्शन, यूनानी दर्शन, सौंदर्यशास्त्र, धर्म-दर्शन, विधि-दर्शन, सामाजिक और राजनीतिक दर्शन, भाषा-दर्शन, विश्लेषणात्मक दर्शन, नारीवाद, बायोएथिक्स, तर्क, महाद्वीपीय दर्शन आदि विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं जिन्होंने अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रतिभाग किया है तथा शोध-पत्रिकाओं में व्यापक रूप से शोधपत्र भी प्रकाशित किये हैं।

शिक्षा, अनुसंधान, मीडिया और जनसंचार, सामाजिक कार्य, सिविल सेवा, विधि, लैंगिक-अध्ययन, फिल्म-समीक्षा आदि जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए दर्शनशास्त्र एक विधा के रूप में लोकप्रिय है। विभाग विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास हेतु संगोष्ठियों, वार्ताओं, व्याख्यान श्रृंखलाओं व सामूहिक चर्चा सत्रों का आयोजन करता है।

अन्य मुख्य विभागीय गतिविधि हमारा वार्षिकोत्सव 'डायलेक्टिका' है, जिसका आयोजन समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों में समग्र समझ विकसित करने हेतु किया जाता है। विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक वार्षिक पत्रिका 'ग्नोसिस' का किसी एक विषय पर केन्द्रित कर प्रकाशन होता है।

हमारी दार्शनिक सोसायटी 'मीमांसा' दार्शनिक चर्चाओं, वाद-विवाद और दार्शनिक परामर्श के लिए एक मंच है, जिसमें सभी विभागों के छात्र और शिक्षक प्रेमपूर्वक भाग लेते हैं। विभाग की विशिष्ट पूर्व छात्राएं मीडिया, विधि, परफार्मिंग आर्ट्स से संबंधित क्षेत्रों में संलग्न हैं और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। जिसमें भारत और विदेश के कई प्रतिष्ठित विद्वानों ने विभाग में व्याख्यान दिए हैं, जैसे फ्रिशबी सी शेफ़ील्ड, कमला भसीन, विजय तन्खा, न्यायाधीश सौरभ कृपाल, राकेश चंद्रा, मृणाल सतीश, जेएल पंडित, बालागणपति और आकाश सिंह राठौड़ आदि।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- डॉ. रश्मि भारद्वाज
(philosophy.tic@gargi.du.ac.in)

शारीरिक शिक्षा और खेल

विभाग के सदस्य

डॉ. शीला कुमारी एस.
डॉ. राकेश कुमार

शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग की स्थापना जुलाई १९६७ में हुई थी। विभाग एनईपी पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अनेक प्रश्नपत्र पढ़ाता है। प्रथम सत्र में में फिटनेस और वेलनेस और द्वितीय सत्र तनाव प्रबन्धन को सामान्य वैकल्पिक प्रश्नपत्र के रूप में ऑनर्स और प्रोग्राम पाठ्यक्रम में पढ़ाया गया है, जिसमें सिद्धान्त व प्रयोग दोनों सम्मिलित है। प्रथम सत्र में में फिट इंडिया और द्वितीय सत्र में जीवन के लिये खेल मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया गया है। बी.एल.एड द्वितीय वर्ष के छात्राओं को मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शारीरिक शिक्षा प्रैक्टिकम पढ़ाया गया है। तृतीय सत्र में एरोबिक्स प्रशिक्षण और चतुर्थ सत्र में फिटनेस और व्यायाम प्रबंधन को सिद्धांत और प्रयोग दोनों सहित ऑनर्स और प्रोग्राम पाठ्यक्रमों के लिए एक सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया गया है। षष्ठ सत्र में प्रोग्राम पाठ्यक्रम हेतु सिद्धान्त व प्रयोग सहित जिम-संचालन को सामान्य वैकल्पिक प्रश्नपत्र के रूप में पढ़ाया जाएगा।

उपरोक्त सामान्य वैकल्पिक विषय अधारभूत स्तर के पाठ्यक्रम हैं जो एक विद्यार्थी को यदि खेल में भी सहभागिता हो तो शारीरिक शिक्षा में आगे विशेषज्ञता प्राप्त करने के योग्य बना सकते हैं। खेल में सहभागिता के साथ आवश्यक शैक्षिक प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद विद्यार्थी विद्यालय या महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा के शिक्षक भी बन सकते हैं। यदि वे निरन्तर सात सत्रों में शारीरिक शिक्षा को सामान्य वैकल्पिक विषय (जीई) के रूप में चुनते हैं तो शारीरिक शिक्षा में एक गौण डिग्री प्राप्त की जा सकती है। छात्र ऐसे पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश ले सकते हैं जो फिटनेस प्रशिक्षक बनाते हैं और जिससे जिम, स्वास्थ्य क्लब और फिटनेस उद्योग में नौकरी बे प्राप्त कर सकते हैं। योग में व्यावसायिक डिग्री प्राप्त करने के बाद वे योग प्रशिक्षक भी बन सकते हैं। विभाग मेधावी खिलाड़ियों के लिए अनेक छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार भी प्रदान करता है

विभाग मेधावी खिलाड़ियों के लिए अनेक छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार भी प्रदान करता है:

- **महिला खिलाड़ियों हेतु स्वर्गीय श्री. एस.के. सूद स्मृति छात्रवृत्ति रु. ६०००/- प्रति वर्ष।**
- **महिला खिलाड़ियों के लिए आर.पी. क्रिकेट अकादमी छात्रवृत्ति रु. ६०००/- प्रति वर्ष।**
- **महिला खिलाड़ियों के लिए सुश्री मधु कुमार प्रति वर्ष रु. ६०००/- प्रति वर्ष।**
- **'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी' हेतु सुश्री ए. मालती छात्रवृत्ति 'रु. ६०००/- प्रति वर्ष।**
- **उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रवेश के समय शुल्क में छूट भी दी जाती है।**

इन छात्रवृत्तियों के अतिरिक्त विभाग खेल से संबंधित विभिन्न विषयों में होनहार प्रतिभाओं और खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए पुरस्कारों की श्रेणी को बढ़ाता है।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- डॉ. शीला कुमारी एस.
(physicaleducation.tic@gargi.du.ac.in)

भौतिक विज्ञान

विभाग के सदस्य

डॉ. दीप्ति लहरी
डॉ. अलका गर्ग
प्रो. वन्दना लूथरा
डॉ. सुप्रीति दास
डॉ. एन. चन्द्रिका डी
डॉ. हीरा जोशी
डॉ. अनीता
श्री मुनीश
सुश्री मानसी अग्रवाल
डॉ. मानवी ताक
श्री मन राज मीणा

गार्गी महाविद्यालय में भौतिकविज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष १९६७ में हुई थी। हमारा भौतिकविज्ञान विभाग बी.एससी. भौतिकी (ऑनर्स) और बी.एससी. भौतिक विज्ञान के विद्यार्थियों हेतु के विभिन्न प्रश्नपत्र पढ़ाता है। विभाग विभिन्न अन्य विभागों के छात्रों को सामान्य वैकल्पिक(जीई), कौशल-संवर्धन (एसईसी) व मूल्य-वर्धित (वीएसी) पाठ्यक्रम भी उपलब्ध करवाता है। पिछले शैक्षणिक वर्ष में भौतिकी विभाग ने निम्नलिखित सामान्य वैकल्पिक प्रशनपत्र पढ़ाया था: मैकेनिक्स (प्रथमसत्र- एनईपी), खगोल विज्ञान का परिचय (द्वितीय सत्र- एनईपी), तरंगे एवं प्रकाशिकी (तृतीय सत्र) और थर्मल और सांख्यिकीय भौतिकी (चतुर्थ सत्र)। नियमित शैक्षणिक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त विद्यार्थी विभाग के शिक्षकों के मार्गदर्शन में अनुसंधान और परियोजना-कार्य करते हैं।

विभाग के पास दिल्ली विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त अनुसंधान प्रयोगशाला है जिसमें छात्राएं मनोयोग से अनुसंधान करती हैं। छात्राओं को भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों से परिचित कराने के लिए भौतिकी विभाग हर प्रतिवर्ष ग्रीष्मावकाश में एक ग्रीष्मकालीन स्कूल का भी आयोजन करता है। गार्गी महाविद्यालय की भौतिकी सोसायटी 'क्वासर' ने शैक्षणिक सत्र २०२२-२०२३ में व्याख्यान, प्रतियोगिताओं और मनोरञ्जक गतिविधियों का आयोजन किया।

भौतिकविज्ञान विभाग और इको क्लब ने NASI (भारत) साइंस-सोसाइटी प्रोग्राम के सहयोग से १२-१८ सितंबर, 2022 तक एक ई-कचरा संग्रह और जागरूकता अभियान आयोजित किया। हमारे अधिकांश संकाय -सदस्य अन्तर-वैषयिक अनुसंधान में संलग्न हैं और हमारे दो सदस्य पीएचडी छात्रों का मार्गदर्शन भी कर रहे हैं। प्रोफेसर वंदना लूथरा को वर्ष २०१७ के लिए दीनबंधु साहू (आईएपीटी-डीएसएम) पुरस्कार प्राप्त हुआ है। हमारे दो शिक्षिकाओं प्रो. वंदना लूथरा और डॉ. अलका गर्ग को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा "सर्वश्रेष्ठ-व्याख्याता' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

फिजिक्स में स्नातक के बाद छात्राओं हेतु अनेक करियर विकल्प उपलब्ध होते हैं जैसे -वैज्ञानिक बनना, भौतिकविज्ञान में अध्यापन, प्रबंधन, प्रशासन, विधि में करियर बनाना आदि। भौतिक विज्ञान स्नातकों का सामग्री विज्ञान, पर्यावरण और ऊर्जा क्षेत्र, नैनोटेक्नोलॉजी, भूभौतिकी, सूचना और प्रौद्योगिकी, रक्षा अनुसंधान और संचार उद्योग जैसे विविध उद्योगों के अनुसंधान और विकास विभाग में भी स्वागत किया जाता है। हमारी पूर्व छात्राएं दिल्ली विश्वविद्यालय के अनेक महाविद्यालयों में सहायक आचार्या के रूप में काम कर रही हैं। इसके अतिरिक्त हमारी छात्राओं को भारत में प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईयूएसी, एम्स, एक्सेंचर, ओरेकल, भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, वायु सेना आदि के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नियुक्त किया जाता है।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- डॉ. अनीता
(physics.tic@gargi.du.ac.in)

राजनीति विज्ञान

विभाग के सदस्य

डॉ. जोया भट्टाचार्य
डॉ. पूजा रानी
डॉ. श्वेता मिश्रा
श्री मुकेश गौतम
सुश्री पामेला भूटिया
डॉ. मनीषा रॉय
श्री देवराज सिंह
डॉ. अनीता भट्ट
डॉ. सीमा शर्मा
डॉ. रागिनी सिंह
डॉ. नितीश कुमार
डॉ. जयश्री तन्डेकर
डॉ. विनीता भट्ट

१९६७ में स्थापित राजनीति विज्ञान विभाग के पास अपनी स्थापना के बाद से ही विभिन्न उप-विषयों में विविध विशेषज्ञता और समृद्ध अनुभव है। विभाग तीन पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाता है: बी.ए. ऑनर्स, बी.ए. कार्यक्रम, और राजनीति विज्ञान में परास्नातक। बी.ए. ऑनर्स और बी.ए. कार्यक्रम पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विभाग राजनीतिक सिद्धांत, भारतीय सरकार और राजनीति, भारतीय राजनीतिक विचार, राजनीतिक दर्शन, लोक प्रशासन, भारत की विदेश नीति, तुलनात्मक सरकार और राजनीति, और अंतर्राष्ट्रीय संबंध सहित विविध प्रकार के प्रश्नपत्र प्रस्तुत करता है।

विभाग छात्रों को मानव कल्याण और व्यक्तिगत विकास की समझ में सहायता के लिए भारत में राष्ट्रवाद और भारतीय संविधान का परिचय सहित सामान्य वैकल्पिक प्रश्नपत्र भी उपलब्ध करवाता है। इसके अतिरिक्त हम कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम और मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम राजनीतिक नेतृत्व और संचार, संवैधानिक मूल्य व मौलिक कर्तव्य और गांधी और शिक्षा जैसे पढ़ाते हैं। सत्ता, राजनीति, लोकतंत्र, संविधान, प्रशासन, नागरिक समाज और अंतरराष्ट्रीय संबंध जैसे विषयों पर परस्परिक चर्चाओं के माध्यम से सैद्धांतिक अवधारणाओं को व्यावहारिक अनुप्रयोगों से जोड़ने की क्षमता के कारण राजनीति विज्ञान की अत्यधिक मांग है।

विभाग विकास, जलवायु परिवर्तन, सुरक्षा और मानव कल्याण जैसे वैश्विक मुद्दों की व्यापक समझ प्रदान करता है। विद्यार्थी पूरे वर्ष विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेते हैं, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ सेमिनार, व्याख्यान, स्क्रीनिंग और कार्यशालाएँ शामिल हैं।

विभाग में एक सक्रिय छात्र निकाय है - राजनीति विज्ञान संघ, जो विभिन्न विभागीय प्रयासों हेतु छात्राओं की कड़ी मेहनत और प्रयासों को सुव्यवस्थित करता है। विभाग का सबसे महत्वपूर्ण और बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम इसका वार्षिकोत्सव 'पोल पौरी' है जो एक दिवसीय थीम-आधारित कार्यक्रम है। इस अवसर पर, पैनल चर्चा, वाद-विवाद, आशु कविता, नीति विश्लेषण और प्रश्नोत्तरी जैसी कई अंतर-महाविद्यालयी गतिविधियां और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, जिनमें विद्यार्थियों की उत्सापूर्ण भागीदारी भी देखी जाती है। इसके अतिरिक्त विभाग की वार्षिक पत्रिका 'डेमोस' छात्राओं को संबंधित विषयों पर अपने विचार और मत व्यक्त करने का अवसर प्रदान करती है।

विभाग द्वारा प्रतिवर्ष मध्य सत्रावकाश में छात्राओं हेतु शैक्षणिक यात्राएं भी आयोजित की जाती हैं। कई छात्रों ने प्रसिद्ध विदेशी विश्वविद्यालयों से उच्च अध्ययन पूरा किया है और अब प्रशासनिक अधिकारी, मीडिया कर्मियों, शोधकर्ताओं, अधिवक्ताओं और कार्यकर्ताओं के रूप में आकर्षक करियर बना रहे हैं। महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान संकाय का प्राथमिक उद्देश्य छात्राओं को तर्कसंगति और विश्लेषणात्मक कौशल से युक्त करना है ताकि वे निर्णय लेने की प्रक्रियाओं और व्यक्तियों, समाज, देश और विश्व पर उनके प्रभाव को समझने में सक्षम हो सकें।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- श्री देवराज सिंह
(politicalscience.tic@gargi.du.ac.in)

मनोविज्ञान

विभाग के सदस्य

प्रो. संगीता भाटिया
प्रो. नीरा पन्त
प्रो. प्रीति पन्त
डॉ. पूनम फोगट
डॉ. सबीन हसन रिज़वी
डॉ. श्यामोलिमा घोष चौधरी
डॉ. श्वेता चौधरी
डॉ. इन्द्राणी रेगन
सुश्री सोनी जैसवाल
सुश्री विभूति मेहता

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

मनोविज्ञान विभाग पूरे भारत में मनोविज्ञान के सबसे प्रतिष्ठित और लोकप्रिय स्नातक विभागों में से एक होने का गौरव रखता है। इसकी शुरुआत १९७२ में बीए प्रोग्राम के छात्रों को मनोविज्ञान को एक विषय के रूप में पढ़ाने से हुई और १९८७ में दिल्ली विश्वविद्यालय के पहले एप्लाइड साइकोलॉजी (ऑनर्स) कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। एप्लाइड साइकोलॉजी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम छात्रों को मनोविज्ञान और इसके विभिन्न पहलुओं का मौलिक और वैचारिक ज्ञान प्रदान करता है। वास्तविक जीवन स्थितियों में मनोवैज्ञानिक ज्ञान के अनुप्रयोग पर जोर देने वाले उप-क्षेत्र। इसके अलावा उन्हें व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ भावनात्मक और आत्म-नियमन कौशल के लिए पाठ्यक्रम का उपयोग करने में प्रशिक्षित किया जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय में एनईपी-यूजीसीएफ की शुरुआत के साथ कुछ अनुमानित नए पाठ्यक्रम, जिनके अध्ययन की उम्मीद छात्र कर सकते हैं, उनमें बचपन और किशोरावस्था के विकार, न्यूरोसाइकोलॉजी, लिंग का मनोविज्ञान, वृद्धावस्था मनोविज्ञान, खेल मनोविज्ञान, न्यूरोकॉग्निटिव विकार, अनुमानित सांख्यिकी, उन्नत सामाजिक शामिल हैं। मनोविज्ञान, रिश्तों का मनोविज्ञान, सांस्कृतिक और स्वदेशी मनोविज्ञान, मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, मनोविज्ञान में समकालीन उपचारात्मक दृष्टिकोण। विभाग के पास परीक्षण उपकरण और सामग्री, कंप्यूटर, अनुसंधान के लिए सॉफ्टवेयर पैकेज और एक कॉम्पैक्ट विभागीय पुस्तकालय से सुसज्जित दो प्रयोगशालाएं हैं जिनमें विशेष अनुशासन से संबंधित किताबें और छात्रों द्वारा अक्सर संदर्भित पाठ्यपुस्तकें हैं। विभाग की अधिकांश कक्षाएँ आईसीटी सक्षम और वातानुकूलित हैं। साइकोलॉजी एसोसिएशन एक लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित निकाय है जो एक ऐसे मंच के रूप में कार्य करता है जहां छात्र अपनी प्रतिभा और नेतृत्व कौशल को निखार सकते हैं। एसोसिएशन का उद्देश्य पाठ्यक्रम और कक्षा से परे सीखने की सुविधा प्रदान करना और छात्रों को विभिन्न शैक्षणिक सेमिनार, व्याख्यान और सांस्कृतिक गतिविधियों को आयोजित करने की अनुमति देना है। वार्षिक विभागीय प्रकाशन रचनात्मक लेखन, फोटोग्राफी, कविता, पेंटिंग और अन्य जैसे विभिन्न रूपों में छात्रों की प्रतिभा को प्रदर्शित करता है।

मनोविज्ञान संकाय प्रभावशाली साख और प्रकाशन वाले विशेषज्ञ हैं। संकाय सदस्य आयु-उपयुक्त शिक्षण विधियों का उपयोग करते हैं जो अकादमिक कठोरता और समझ को बढ़ाते हैं। संकाय सदस्य भी नियमित रूप से बाह्य शोध परियोजनाओं में छात्रों का मार्गदर्शन करते हैं, जिनमें से कई ने सर्वश्रेष्ठ छात्र शोध पत्र पुरस्कार जीते हैं, और सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं।

हमें कई दशकों से दिल्ली विश्वविद्यालय में लगातार स्वर्ण पदक विजेता और दुनिया भर में प्रतिष्ठित पदों पर काम करने का सौभाग्य मिला है। मनोविज्ञान के साथ स्नातक स्कूलों, परामर्श केंद्रों और अस्पतालों के साथ-साथ विपणन और कॉर्पोरेट नौकरियों या गैर सरकारी संगठनों में सहायक मनोवैज्ञानिक के रूप में काम कर सकते हैं। इस विभाग के उल्लेखनीय पूर्व छात्रों में प्रोफेसर माधवी मेनन, मनोविज्ञान और तंत्रिका विज्ञान विभाग, एनएसयू फ्लोरिडा, प्रोफेसर मीनाक्षी मेनन, एलियंट इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया में पूर्व प्रोफेसर और वर्तमान में मेटा, वाशिंगटन में मात्रात्मक यूएक्स शोधकर्ता सुश्री स्नेहा कौल, सांख्यिकी विश्लेषक व संयुक्त राष्ट्र महिला सुश्री दीक्षा बिजलानी, जलवायु निवेश कोष एवं विश्व बैंक के सलाहकार उम्मुल खेर, वित्त मंत्रालय में डिप्टी कमिश्नर अन्नपूर्णा गर्ग एवं अन्य आईएएस अधिकारी आदि कुछ नाम हैं।

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- प्रो.प्रीति पंत
(appliedpsychology.tic@gargi.du.ac.in)

संस्कृत

विभाग के सदस्य

डॉ. अनामिका
डॉ. ममता त्रिपाठी
डॉ. सुचित्रा भारती
डॉ. दीपिका शर्मा
डॉ. नीतू कुमारी

संस्कृत विभाग महाविद्यालय के आधारभूत विभागों में से एक है। सन् १९६७ में संस्कृत विभाग की स्थापना महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही हुयी। संस्कृत विभाग में संस्कृत विषय में स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम उपलब्ध है। स्थापना काल से ही विभाग को अपने सदस्यों के संस्कृत एवं भारतीय परंपरा विषयक विशेषज्ञता और समृद्ध अनुभव पर गर्व है। साथ ही विभाग अपने विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं शिक्षणेतर उपलब्धियों पर भी गौरवान्वित अनुभव करता है।

आधुनिक समय में संस्कृताध्यन की प्रासंगिकता बढ़ी है जिससे कि विद्यार्थियों के सामाजिक, बौद्धिक एवं व्यावसायिक अभिवृद्धि का नवीन मार्ग प्रशस्त हुआ है। संस्कृत विषय का पाठ्यक्रम प्रभावी, सुव्यवस्थित एवं प्रासंगिक है। इसके प्रश्नपत्रों में संस्कृत साहित्य का इतिहासव संस्कृत एवं विश्व साहित्य से लेकर मशीनी अनुवाद, पाण्डुलिपि विज्ञान और पुरालेखन, संतुलित जीवन की कला, आयुर्वेद के मूल सिद्धांत, आयुर्वेद के आधारभूत सिद्धांत, संस्कृत सत्तामीमांसा एवंज्ञानमीमांसा, शास्त्रीय संस्कृत साहित्य, आधुनिक संस्कृत साहित्य, संस्कृत लेखन और संवाद आदि सम्मिलित हैं।

संस्कृत का ज्ञान विभिन्न बौद्धिक, सामाजिक, राजनीतिक और व्यावसायिक क्षेत्रों जैसे मीडिया, प्रबंधन, वास्तुकला, चिकित्सा, आयुर्वेद, योग, काव्यशास्त्र, संगीत, रंगमंच, इतिहास, पांडुलिपि विज्ञान, प्राचीन लिपियों, भाषा विज्ञान, व्याकरण, भाषादर्शन, भाषाविज्ञान, तुलनात्मक साहित्य, तुलनात्मक दर्शन, तुलनात्मक काव्यशास्त्र, तुलनात्मक भाषाविज्ञान, वैदिक गणित, कृषि, संगणकीयभाषाविज्ञान, ज्योतिष, एनीमेशन उद्योग और अनुवाद कार्य आदि में उपयोगी है। संस्कृत में स्नातक उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थियों हेतु ज्ञान के उपर्युक्त क्षेत्रों में भविष्यनिर्माण के अनेक अवसर एवं विकल्प उपलब्ध हैं।

विभाग छात्रों के आत्मविश्वासवर्द्धन एवं उन्हें व्यक्तित्त्व के सर्वांगीण विकास का अवसर प्रदान करने हेतु प्रतिवर्ष विभागीय वार्षिकोत्सव 'स्वस्ति' तथा महाविद्यालय के छात्रसंघ द्वारा आयोजित महाविद्यालयीय वार्षिकोत्सव 'रेवरी' के तहत विभागीय आयोजन 'संगच्छध्वम्' के अन्तर्गत अन्तर-महाविद्यालयी भाषण, वाद-विवाद, निबन्ध, श्लोकाधारित चित्रकला, रंगोली, संस्कृत गायन आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं काआयोजन करता है।

विभाग छात्रों के बौद्धिक विकास हेतु वर्ष पर्यन्त व्याख्यानों, वार्ताओं, व्याख्यानमालाओं, कार्यशालाओं, सामूहिक-चर्चा सत्रों, संस्कृत सम्भाषण शिविर, प्राचीन ज्ञान के विभिन्न पहलुओं जैसे वास्तु शास्त्र, ज्योतिष, आयुर्वेद और योग आदि पर अतिरिक्त पाठ्यक्रमों ,वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छ भारत अभियान और शैक्षिक यात्राओं आदि का भी आयोजित करता है।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- डॉ. ममता त्रिपाठी
(sanskrit.tic@gargi.du.ac.in)

जन्तु विज्ञान

विभाग के सदस्य

सुश्री स्मिता राय चौधरी
प्रो. पूनम शर्मा
डॉ. स्मृति शर्मा
डॉ. शिवानी त्यागी
डॉ. जसविन्दर कौर
डॉ. चैताली घोष
डॉ. मधु यशपाल
डॉ. कुन्तल
डॉ. एम दिव्या ज्ञानेश्वरी
डॉ. नीना कुमार धीमान
डॉ. थौदम रेजिना देवी
डॉ. रश्मि सैनी
डॉ. तेन्ज़िंन न्यीबुम भूटिया
डॉ. ममतेश सिंह
डॉ. सुप्रिया सिंह
डॉ. उदिता मुखर्जी
डॉ. उषा
सुश्री ईशु प्रिया

गार्गी महाविद्यालय में जन्तुविज्ञान विभाग की स्थापना १९६७ में हुई थी। बीएससी जन्तुविज्ञान पाठ्यक्रम छात्राओं को जन्तुओं के साथ-साथ अपने स्वयं के विकास को समझने की अनुमति देता है। जन्तुविज्ञान का अध्ययन करने से विद्यार्थी आधुनिक विज्ञान में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न जैव सूचना विज्ञान और कम्प्यूटेशनल उपकरणों का उपयोग करके विकासवादी मापदंडों का गुणात्मक और मात्रात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। जन्तुविज्ञान स्नातक पाठ्यक्रम जनसंख्या के मध्य विभिन्न लक्षणों के वितरण, उनकी विरासत, जातीयता को समझने और जीनोमिक्स, मेटागेनोमिक्स, जीनोम संपादन और आणविक निदान उपकरण जैसी समकालीन और आधुनिक तकनीकों के साथ सहसंबंध बनाने के लिए तथा प्राचीन आनुवंशिकी को समझने के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा।

इस पाठ्यक्रम में प्राप्त व्यावहारिक और सैद्धांतिक कौशल सामाजिक कल्याण के लिए विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों को तैयार करने में सहायक होंगे। पाठ्यक्रम को रोजगार कौशल के विकास को सुनिश्चित करने वाले व्यावहारिक विषयों का गहन ज्ञान प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है ताकि विद्यार्थी जलीय जीव विज्ञान, रेशम उत्पादन, मधुमक्खी पालन आदि के विभिन्न क्षेत्रों में अपना करियर बना सकें और एक उद्यमी बन सकें। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, छात्र वन्य जीवन संरक्षण, पशु संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण में नीति-निर्माताओं के रूप में योगदान दे सकते हैं।

पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद छात्रों के लिए विभिन्न और विविध कैरियर के अवसर हैं: वे पशु व्यवहार विशेषज्ञ, संरक्षणवादी, वन्यजीव जीवविज्ञानी, चिड़ियाघर क्यूरेटर, वन्यजीव शिक्षक, शिक्षाविद, फोरेंसिक विशेषज्ञ, लैब तकनीशियन और पशुचिकित्सक हो सकते हैं। जन्तुविज्ञान विभाग शिक्षा के अतिरिक्त छात्रों में रचनात्मकता, टीम वर्क, जिम्मेदारी और अन्य मूल्यों को विकसित करने के लिए एक वातावरण बनाने का प्रयास करता है।

जन्तुविज्ञान सोसाइटी, जिसे "अल्बाट्रॉस" के नाम से जाना जाता है, छात्राओं को पाठ्यक्रम से इतर क्षेत्र में अवसर प्रदान करने का प्रयास करती है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा वातावरण बनाना है जो अकादमिक गतिविधियों के अतिरिक्त रचनात्मकता, टीम वर्क, जिम्मेदारी और अन्य मूल्यों को बढ़ावा दे। पूरे वर्ष अल्बाट्रॉस छात्रों के उत्साह को बनाए रखने और पाठ्येतर गतिविधियों में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों के आयोजन में सक्रिय रूप से लगी रहती है। हम छात्राओं की सहभागिता और उन्हें रुचि के विभिन्न क्षेत्रों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अतिथि व्याख्यान, प्रतियोगिताओं और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों की व्यवस्था भी करते हैं।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रभारी (टीचर-इन-चार्ज)- डॉ. कुन्तल
(zoology.tic@gargi.du.ac.in)

विभाग के सदस्य

समन्वयक
सुश्री रीमा चौहान

बी ए प्रोग्राम

बी. ए. प्रोग्राम अपनी अंतर्विषयी संरचना और अवसरों के साथ उन छात्रों के लिए सबसे अधिक मांग वाले पाठ्यक्रमों में से एक है जो अपने आपसी संबंधों के बारे में सीखते हुए विभिन्न शैक्षणिक विषयों का पता लगाना चाहते हैं। यह पाठ्यक्रम निश्चित रूप से उन छात्रों के लिए है जो अपने स्वयं हेतु अद्वितीय मार्ग बनाना चाहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत बी. ए. प्रोग्राम का पाठ्यक्रम बेहद लचीला और अन्तरविषयी प्रकृतिक का है क्योंकि इसमें विद्यार्थियों को विविध विषयों से परिचित कराया जाता है बी.ए. में प्रोग्राम पाठयक्रम शैक्षणिक अवसरों के तात्कालिक संदर्भ के लिए प्रासंगिक हैं और उच्च शिक्षा से संबंधित कार्यक्रम से अपेक्षित बौद्धिक कौशल प्रदान करता है। विद्यार्थी अनेक विषयों में से विषय-चयन कर सकते हैं, नए और रुचिपूर्ण पाठ्यक्रम खोज सकते हैं और साथ ही, प्रस्तावित किसी भी विधा के विषय में परास्नातक कार्यक्रम करने की योजना बना सकते हैं।

यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए किसी विषय के बारे में पर्याप्त ज्ञान प्रदान करता है। इसे पर्याप्त बौद्धिक प्रेरणा वाली एक अन्तिम उपाधि और आगे की पढ़ाई के लिए एक सक्षम उपाधि दोनों के रूप में माना जाता है। यह एक ऐसा पाठ्यक्रम है जो स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद विभिन्न रास्ते और अवसरों की एक आशाजनक श्रृंखला खोलता है। एक सुदृढ़ शैक्षणिक संरचना के अतिरिक्त बी.ए. प्रोग्राम एसोसिएशन 'नवदृष्टि' पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित करता है। वार्षिकोत्सव एपिफेनी, समूह-चर्चाओं, शोधपत्र प्रस्तुतियों और विभिन्न प्रतियोगिताओं का एक अद्भुत संयोजन है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के लिए कई शैक्षणिक व्याख्यान, कार्यशालाएं, कार्यक्रम और फिल्म स्क्रीनिंग भी आयोजित की जाती हैं। बी.ए. प्रोग्राम विभाग विद्यार्थियों की वार्षिक द्विभाषी पत्रिका ' विबग्योर' का भी प्रकाशन करता है जिसमें विद्यार्थियों को रचनात्मक लेखन, कविता, काल्पनिक-कथा, गैर-काल्पनिक-कथा आमन्त्रित करता है।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

समन्वयक – सुश्री रीमा चौहान
(ba.tic@gargi.du.ac.in)

बी.एस.सी. प्रोग्राम

विभाग के सदस्य

समन्वयक
डॉ. मुनीश (बी.एस.सी भौतिक विज्ञान)
डॉ. नियति सिंह (बी.एस.सी जीवन विज्ञान)

गार्गी महाविद्यालय में बैचलर ऑफ साइंस (बीएससी) कार्यक्रम चारवर्षीय स्नातक शैक्षणिक उपाधि है, जिसमें बी.एस.सी भौतिक विज्ञान और बी.एस.सी. जीवन विज्ञान सम्मिलित है बी.एससी. प्रोग्राम विद्यार्थियों को विभिन्न शोध कार्यों और इंटर्नशिप के अनुभव के साथ उनके चुने हुए क्षेत्र से संबंधित सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल हेतु एक ठोस आधार प्रदान करता है। बी.एससी. प्रोग्राम के अध्ययन से विद्यार्थी एक सशक्त पाठ्यक्रम, अनुसंधान के अवसरों और विशेषज्ञ संकाय-सदस्यों के साथ आवश्यक ज्ञान, कौशल और विज्ञान में सफल कैरियर के लिए वैज्ञानिक मानसिकता विकसित करेंगे।

विद्यार्थियों के लाभ और समग्र विकास हेतु गार्गी महाविद्यालय के बी.एससी. प्रोग्राम का 'जेनिथ' नामक एक संघ है, जो बीएससी जीवनविज्ञान एवम भौतिक विज्ञान प्रोग्राम में नामांकित विद्यार्थियों के शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यावसायिक अनुभवों को प्रोत्साहन एवं वर्द्धन हेतु समर्पित है। जेनिथ संघ में विद्यार्थी इस बात पर विश्वास करते हैं कि सीखने का विस्तार कक्षा के बाहर तक है। पूरे शैक्षणिक वर्ष में जेनिथ शैक्षिक अनुभव को समृद्ध करने और समग्र विकास को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित करता है। जेनिथ ने उल्लेखनीय कार्यक्रमों की एक विविध श्रृंखला का आयोजन किया है जिसमें युवाओं का ज्वलंत स्वर-युवा संसद, विचारोत्तेजक लेख-लेखन प्रतियोगिता, रचनात्मक पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, छात्रों के मध्य मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए 'हैप्पी आवर्स', रोमांचकारी ट्रेजर हंट तथा "मुझे ईश्वर से जोड़ो" केन्द्रित ध्यानसत्र तथा प्रेरक पूर्व छात्र मिलन सम्मिलित हैं।

बीएससी (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान

बी.एससी. (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान में भौतिक क्षेत्रों को नियंत्रित करने वाले मूलभूत सिद्धांतों को समझने के लिए एक अद्वितीय और अंतरवैषयिक दृष्टिकोण प्रदान करता है। पाठ्यक्रम में समान्यतः एक सुदृढ वैज्ञानिक समझ विकसित करने, अपने ज्ञान के आधार को व्यापक बनाने अथवा विशिष्ट कैरियर लक्ष्यों के लिए अपनी उपाधि तैयार करने हेतु प्रमुख विषय भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित सम्मिलित हैं। यह पाठ्यक्रम कैरियर के विविध अवसर खोलता है।

बीएससी (प्रोग्राम) जीवन विज्ञान

बी.एससी. जीवन विज्ञान (प्रोग्राम) विद्यार्थियों को मुख्य विषयों में मौलिक सिद्धांतों, सिद्धांतों और अनुप्रयोगों की गहन खोज प्रदान करता है जिससे विद्यार्थियों को जीव विज्ञान और रसायन विज्ञान की आकर्षक दुनिया में पूरी तरह से निमज्जन की अनुमति मिलती है। अनुभवात्मक शिक्षा, आलोचनात्मक सोच और अंतरवैषयिक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को वैज्ञानिक क्षेत्र में करियर की एक विस्तृत श्रृंखला या आगे की पढ़ाई करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से युक्त बनाता है।

"पाठ्यक्रम हेतु कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

पाठ्यक्रम-समन्वयक – डॉ. नियति सिंह एवं डॉ. मुनीश
bsc.tic@gargi.du.ac.in)

स्नातक अनुसंधान

गार्गी कॉलेज, संकाय सदस्य और छात्र अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने कॉलेज के अनुसंधान उत्पादन को बढ़ाने और अनुसंधान संस्कृति को फैलाने के लिए काफी प्रयास किए हैं। हम अंत:विषय अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देते हैं और एक गतिशील शिक्षण और सीखने का माहौल स्थापित करना चाहते हैं। हमारी फैकल्टी छात्रों को एक्स्ट्रामुरल रिसर्च में सलाह देती है। ये परियोजनाएं नियमित पाठ्यक्रम से परे हैं और इनका उद्देश्य छात्रों को अनुसंधान पद्धति, अकादमिक और पेशेवर लेखन, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में पेपर प्रस्तुति और प्रतिष्ठित सहकर्मी-समीक्षित प्रकाशनों के बारे में प्रशिक्षण देना है। इसके अलावा, नवीन अनुसंधान विचारों को भी कॉलेज द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। हमारे छात्रों ने कई प्रतिष्ठित सम्मेलनों में "सर्वश्रेष्ठ पेपर/पोस्टर पुरस्कार" जीते हैं। यह प्रदर्शन लोगों को अनुसंधान और शैक्षणिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है।

जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा (बीआईएफ)

गागार्गी कॉलेज बीआईएफ रखने वाला दिल्ली विश्वविद्यालय का एकमात्र महिला कॉलेज है। यह २००८ से रखरखाव, जनशक्ति, प्रशिक्षण और अन्य संबद्ध खर्चों के लिए वार्षिक अनुदान के साथ जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया है। यह सुविधा सभी विज्ञान पाठ्यक्रमों के स्नातक छात्रों को अपने पाठ्यक्रम से परे जैव सूचना विज्ञान परियोजनाओं को करने में सक्षम बनाती है। ये परियोजनाएं अक्सर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध कार्य की प्रस्तुति का नेतृत्व करती हैं, जो छात्रों के लिए फायदेमंद और बहुत प्रेरणादायक है। अंत:विषय के साथ-साथ बहु-विषयक परियोजनाओं के कार्यान्वयन को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाता है। बीआईएफ में छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों को इस क्षेत्र में हुई प्रगति के बारे में अद्यतन रखने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। स्नातक छात्रों के अलावा, बीआईएफ में स्नातकोत्तर छात्र, प्रशिक्षु और अनुसंधान सहयोगी भी हैं जो अनुसंधान प्रकाशनों में योगदान करते हैं। शोध प्रकाशनों के आधार पर, गार्गी कॉलेज बीआईएफ को स्नातक कॉलेजों के शीर्ष पांच बीआईएफ में चुना गया था।

गार्गी पाथफाइंडर पुरस्कार

गार्गी पाथफाइंडर पुरस्कार, विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी धाराओं में, हमारे छात्रों के बीच अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए स्थापित किया गया है। प्रतियोगियों को एक संकाय पर्यवेक्षक द्वारा निर्देशित और प्रमाणित एक मूल परियोजना प्रस्तुत करनी होगी और बाहरी न्यायाधीशों के एक पैनल के सामने एक ऑडियो-विज़ुअल प्रस्तुति के साथ पूरक होना होगा, जिसके बाद मौखिक परीक्षा होगी। यह पुरस्कार मौलिकता को बढ़ावा देता है और स्नातक छात्रों की नवीन भावना को प्रोत्साहित करता है। तीनों स्ट्रीम के छात्र अपने विचार सामने रखते हैं और कड़े चयन के बाद उन्हें अपने विषयों पर शोध करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह पुरस्कार मानविकी, वाणिज्य और विज्ञान में एक-एक नकद-सह-प्रमाणपत्र पुरस्कार के साथ आता है। व्यक्तिगत रूप से या टीमों में, प्रतियोगी महत्वपूर्ण मुद्दों, नवीन व्यावसायिक प्रस्तावों या नए वैज्ञानिक प्रयोगों पर मूल शोध प्रस्तुत कर सकते हैं। विवरण कॉलेज की वेबसाइट पर लगातार अपडेट किया जाता है।

अधिक जानने के लिए कृपया त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

कॉलेज एक दशक से अधिक समय से कुछ कैरियर-प्रचुरित एड-ऑन-कोर्सेज आयोजित कर रहा है। ये ८०-१०० घंटे के पाठ्यक्रम हैं, और हम इन पाठ्यक्रमों के लिए उद्योग और प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों से अतिथि सदस्यों को आमंत्रित करते हैं।

पादप विज्ञान में प्रगति (एडवांस इन प्लांट साइंसेज़)

समन्वयक: डॉ. रेनू सोनी, डॉ. रीमा मिश्रा, डॉ. गर्विता सिंह

"एडवांसेस इन प्लांट साइंसेज" कोर्स दिल्ली विश्वविद्यालय में एक अन्तर्विषयक एड-ऑन प्रोग्राम है जिसमें विभिन्न कॉलेजों से लगभग 50 प्रतिभागियों शामिल होते हैं। इसका उद्देश्य छात्रों को पादप विज्ञान के साथ-साथ वनस्पति विज्ञान के प्रत्येक उप-क्षेत्र की प्रगति और दायरे के बारे में शिक्षित और जागरूकता प्रदान करना है। पौधों के अध्ययन से हमारे जीवन प्रक्रियाओं की समझ बढ़ती है और इन्हें अध्ययन करके हम कृषि, सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण से संबंधित चिंताओं को दूर करने में मदद मिल सकती है। यह पाठ्यक्रम आधुनिक समय की मांगों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

विज्ञापन और विपणन संचार

समन्वयक: डॉ. गीता किचलू

यह पाठ्यक्रम वर्ष 2004-05 में स्नातक छात्रों के लिए विज्ञापन की रचनात्मक, रणनीतिक और रोचक दुनिया में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए पेश किया गया था। आज, एक दशक के बाद, हम उस मूर्त और अमूर्त मूल्य वर्धन पर गर्व कर सकते हैं जो पाठ्यक्रम ने प्रदान किया है। इस कोर्स को लेने वाले कई छात्रों ने इंटर्नशिप की है और अब देश की कुछ बेहतरीन एजेंसियों में काम कर रहे हैं, जैसे कि ओगिल्वी एंड मैथर, मैककैन, बीबीडीओ और यूनिवर्सल लोड स्टार।

बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ

समन्वयक: डॉ. मंजू सहाय

इस कोर्स का पाठ्यक्रम व्यापक है और वित्तीय बाजार, निवेश बैंकिंग, पोर्टफोलियो प्रबंधन, डेरिवेटिव (भविष्य और विकल्प), पूंजी संरचना निर्णय, अंतर्राष्ट्रीय वित्त और जोखिम प्रबंधन जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करता है।

जैव सूचना विज्ञान - उपकरण और अनुप्रयोग

समन्वयक: डॉ. एम. दिव्या ज्ञानेश्वरी, डॉ. स्मृति शर्मा

जैव सूचना विज्ञान जैविक अनुसंधान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह आणविक जीव विज्ञान, आनुवंशिकी, जीनोमिक्स, दवा स्क्रीनिंग के संयोजन से जैव चिकित्सा और जैव प्रौद्योगिकी के विकास को प्रभावित करता है। इस पाठ्यक्रम की मौलिक अवधारणाओं और जैव सूचना विज्ञान उपकरणों की मूलभूत समझ को छात्रों कि समक्ष ऑनलाइन व्याख्यान के माध्यम से पेश किया जाता है।

छात्रों को जैव सूचना विज्ञान को समझने में मदद करने के लिए, प्रत्येक व्याख्यान के बाद प्रैक्टिकल सत्र प्रदान किए जाते हैं। इन सत्रों के बाद, छात्रों को ऐसे असाइनमेंट प्रस्तुत करने होंगे जो पढ़ाए गए विषयों के बारे में उनकी समझ को दर्शाते हों।

पर्यावरण अनुकूल कृषि

समन्वयक: डॉ. प्रियंका पांडे, डॉ. गीता

"पर्यावरण के अनुकूल कृषि" ऐड-ऑन कोर्स छात्रों को भारत में कृषि प्रथाओं की ठोस समझ देने और टिकाऊ तकनीकों को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया है। भले ही भारत में कुछ समय के लिए पर्यावरण के अनुकूल कृषि प्रथाओं का उपयोग किया गया है, पाठ्यक्रम का उद्देश्य एक क्षेत्र में पारंपरिक दृष्टिकोण की वापसी को बढ़ावा देना है।

विदेशी भाषाएँ

समन्वयक: सुश्री रीमा चौहान
प्रशासनिक समन्वयक: श्री प्रवीण सिंह

एक नई भाषा और संस्कृति की खोज आज की दुनिया में एक सुखद अनुभव और संपत्ति हो सकती है। एक विदेशी भाषा जानने से आपको दूसरों पर लाभ मिल सकता है और नौकरी के विभिन्न अवसर खुल सकते हैं जैसे कि भारतीय विदेश सेवाओं, शिक्षा और अनुसंधान, अनुवाद और व्याख्या में काम करना, या पर्यटक गाइड बनना।
जर्मन में सर्टिफिकेट कोर्स (दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी)

फ़ॉस्टरिंग मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण

समन्वयक: डॉ. सबीन एच. रिज़वी

यह 3 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स आपको मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व और परस्पर जुड़ाव के बारे में अधिक जागरूक बनाएगा। यह पाठ्यक्रम समुदाय के सभी सदस्यों के लिए खुला है और इसका संचालन भारत और विदेश के कुछ सबसे होनहार विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा। यह आपको स्वस्थ जीवनशैली चुनना सिखाएगा और प्रत्येक व्याख्यान में आपके मानसिक स्वास्थ्य और समग्र कल्याण की देखभाल के लिए साक्ष्य-आधारित रणनीतियों को शामिल किया जाएगा। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से आपको जीवन भर अपने मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए बेहतर विकल्प चुनने के लिए प्रेरित करना और चुनौती देना है। पाठ्यक्रम को व्याख्यान, केस अध्ययन, अनुभवात्मक गतिविधियों, मल्टीमीडिया वीडियो, कार्यशालाओं और समूह चर्चाओं के संयोजन के माध्यम से आसान भाषा में पढ़ाया जाता है जो सक्रिय सीखने को बढ़ावा देगा।

जन संचार

समन्वयक: डॉ. दीपिका चटर्जी
प्रशासनिक समन्वयक: श्री सुनील कोहली

इस कोर्स का पाठ्यक्रम व्यापक है और इसमें वित्तीय बाजार, निवेश बैंकिंग, पोर्टफोलियो प्रबंधन, डेरिवेटिव (भविष्य और विकल्प), पूंजी संरचना निर्णय, अंतर्राष्ट्रीय वित्त और जोखिम प्रबंधन जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

"अधिक जानने के लिए त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्लेसमेंट प्रकोष्ठ

संयोजक- सुश्री शैलजा मोडेम
सह संयोजक: डॉ. शिवानी त्यागी

गार्गी कॉलेज का प्लेसमेंट प्रकोष्ठ एक विशिष्ट दृष्टिकोण के साथ कॉलेज का एक अनिवार्य हिस्सा है, जहां छात्र प्रतिस्पर्धी और दयालु वातावरण में विकसित होते हैं। प्लेसमेंट प्रकोष्ठ छात्रों की सहायता करने और उन्हें कई उद्योगों के लिए तैयार करने के लिए वर्चुअल और फिजिकल मोड में वेबिनार, ग्रूमिंग सेशन, इंटर्नशिप और विशेष वार्ता पर शोध का आयोजन करता है। यह प्रकोष्ठ कई डोमेन के उद्योग विशेषज्ञों और पेशेवरों के साथ मिलकर रिज्यूमे लेखन, संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास और तकनीकी कौशल पर सत्र आयोजित करता है। डिजिटल मार्केटिंग कौशल, लिंक्डइन पर प्रोफ़ाइल निर्माण, यूपीएससी क्लियर करने की रणनीतियाँ और रोजमर्रा की चीज़ों का अर्थशास्त्र इसके कुछ उदाहरण हैं।

छात्रों को उनके पेशेवर जीवन में वास्तविक दुनिया की विशेषज्ञता हासिल करने में मदद करने के लिए इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए जाते हैं। इस सत्र में दर्ज किया गया उच्चतम वजीफा ६०,००० रुपये है। प्लेसमेंट सेल के माध्यम से २०० से अधिक छात्रों ने विभिन्न संगठनों में इंटर्नशिप की। कुछ लोकप्रिय इंटर्नशिप प्रोफाइल मानव संसाधन, बिक्री और विपणन, वित्त, ग्राफिक डिजाइनिंग, व्यवसाय विकास और सामग्री लेखन थे।

अवसर प्रोफाइल

प्रबंध
बिक्री और विपणन
शिक्षा
मानव संसाधन और संचालन
कर और वित्त
अंकेक्षण

200+
बीसीजी, बजाज कैपिटल, ईवाई जीडीएस, केपीएमजी, डेलॉइट और विलिस टॉवर वॉटसन जैसी कंपनियों द्वारा दिए गए ऑफर

190+
कंपनियों ने रोजगार के अवसरों, इंटर्नशिप के साथ संस्थान से संपर्क किया

CTC
उच्चतम सीटीसी 19 एलपीए है, औसत सीटीसी 5.20 एलपीए है और औसत 4.62 एलपीए है। सकल सीटीसी राशि 10.72 करोड़ है।

प्लेसमेंट प्रकोष्ठ नियमित रूप से कैरियर मार्गदर्शन, परामर्श, वित्तीय योजना, एमबीए तैयारी, सॉफ्ट स्किल और रेज़्यूमे बिल्डिंग से लेकर डेटा साइंस, हाइपर ऑटोमेशन/रोबोटिक्स और डेटा जैसे विषयों पर सेमिनार और वेबिनार आयोजित करता है। प्लेसमेंट सेल के कौशल केंद्र के अंतर्गत २ कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रक्रियाधीन हैं। आईसीटी अकादमी द्वारा एक २४० घंटे की अवधि का है

प्लेसमेंट प्रकोष्ठ एक वार्षिक इंटर्नशिप मेला भी आयोजित करता है जहां छात्र उपलब्ध इंटर्नशिप और उन्हें प्रदान करने वाले संगठनों के साथ नेटवर्क के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, सेल एजुकेशन फेयर आयोजित करने के लिए सीड ग्लोबल का समन्वय करता है, जिसका उद्देश्य कॉलेज के छात्रों को आगे की शिक्षा के लिए मार्गदर्शन और तैयारी करना है।

हमारा लक्ष्य हमारे कॉलेज में छात्रों को प्रासंगिक रोजगार कौशल से लैस करना और उन्हें ईमानदारी, कड़ी मेहनत और न्याय के मूल्यों के साथ दुनिया भर में एक उज्ज्वल भविष्य और कैरियर की दिशा में मार्गदर्शन करना है। सेल के प्रयासों से छात्रों को अपने करियर की तैयारी करने और प्रतिष्ठित संगठनों से नौकरी की पेशकश हासिल करने में मदद मिली है।

जीवंत जीवन @गार्गी

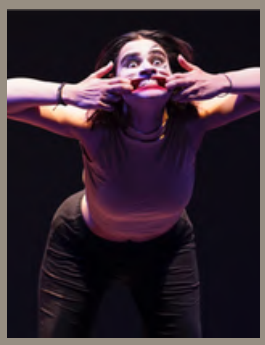

परिसर बौद्धिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का एक जीवंत केंद्र है। हम यहां गार्गी में शैक्षणिक उपलब्धि और पाठ्येतर गतिविधियों में भागीदारी दोनों को महत्व देते हैं। उपलब्ध विकल्पों की प्रचुरता के कारण ऑडिटोरियम, कॉमन रूम, कैफेटेरिया और मैदान हमेशा महत्वाकांक्षी अभिनेताओं, गायकों, लेखकों, कलाकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की आवाज़ और गतिविधियों से जीवंत रहते हैं। गार्गी में, हम छात्रों के लिए उत्कृष्टता हासिल करते हुए उनके रचनात्मक प्रयासों को विकसित करने के अवसर पैदा करने का प्रयास करते हैं। आप गार्गी से सबसे अधिक लाभ प्राप्त करेंगे और जीवन भर याद रहने वाली यादें बनाएंगे।

सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां

गार्गी में, छात्र विभिन्न प्रदर्शन करने वाले और गैर-निष्पादित समाजों के माध्यम से अपने रचनात्मक शौक और रुचियों का पता लगा सकते हैं। ये पाठ्येतर गतिविधियाँ शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा, सांस्कृतिक और बौद्धिक रूप से परिसर के अनुभव को बढ़ाने के लिए कई अवसर प्रदान करती हैं। गार्गी में प्रदर्शन करने वाली और गैर-निष्पादित करने वाली दोनों समितियों की अपनी अनूठी नेतृत्व संरचनाएं और संचालन के तरीके हैं। यह कलाकारों और कलाकारों के लिए खुद को अभिव्यक्त करने के लिए विविध प्रकार के अवसर पैदा करता है, जिससे गार्गी एक इंटरैक्टिव स्थान बन जाती है।

गार्गी की समितियाँ

अनुभूति- 'हिन्दी सृजनात्मक लेखन समिति'

शिक्षक संयोजक- प्रो. श्रीनिवास त्यागी, हिन्दी विभाग

'हिन्दी सृजनात्मक लेखन समिति'- अनुभूति का महाविद्यालय की एक समिति के रूप में गठन शैक्षणिक सत्र-२०१३-१४ में हुआ है।अनुभूति की स्थापना का मूल उद्देश्य गार्गी महाविद्यालय की छात्राओं की सृजनात्मक लेखन एवं चिंतन की क्षमता को उभारकर, निखारने के लिए सभी संभव परिस्थितियाँ निर्मित करना है, जिससे महाविद्यालय की छात्राएँ अपने व्यक्तित्व के सभी आयामों को समुचित रूप से विकसित करने का अवसर और माहौल प्राप्त कर सके। कविता लेखन, कविता वाचन के साथ-साथ लेखन की अन्य अनेक विधाओं में रुचि रखने वाली छात्राओं को प्रेरित कर उनमें छिपी प्रतिभा को सही दिशा में गति देने के लिए सेमिनार, कार्यशाला और आपसी संवाद से उनमें आत्मविश्वास के भाव को जागृत करने की निरंतर कोशिश करते रहना ही अनुभूति का मूल ध्येय है।

एनलिवन- पश्चिमी नृत्य समिति

शिक्षिका संयोजिका –सुश्री रीमा चौहान, जर्मन विभाग

एनलिवन किसी ऐसी वस्तु को संदर्भित करता है जो सुखद और मनोरम है, गार्गी महाविद्यालय की वेस्टर्न नृत्य समिति इस परिभाषा को उत्कृष्ट रूप से मूर्त रूप देती है। यह समिति इसकी बहादुरी और उम्मीदों से ज्यादा करने की क्षमता के लिए जानी जाती है। वर्षों से, एनलिवन की दृढ़ निश्चयी छात्राओं को कई बाधाओं और असफलताओं का सामना करना पड़ा है, लेकिन उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के नृत्य सर्किट में सफलता और नाम प्राप्त किया है तथा व्यापक रूप से प्रशंसा और सम्मान प्राप्त करने के अपने अंतिम उद्देश्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। हमारी टीम कड़ी मेहनत और जुनून का एक सामंजस्यपूर्ण मिश्रण है, जिसने कार्य के प्रति अत्यंत ईमानदारी के द्वारा हमेशा एनलिवन के झंडे को गर्व से ऊंचा किया है है। एनलिवन चमत्कारी प्रदर्शनों के लिए प्रसिद्ध है जिसमें वार्षिक प्रस्तुतियों में हाउस, वैकिंग, लॉकिंग आदि की विविध श्रृंखला शामिल है।

यूफ़ोनी - पश्चिमी संगीत समिति

शिक्षिका संयोजिका : सुश्री नज़ानमोंगी जैस्मीन पैटन, अंग्रेज़ी विभाग

गार्गी महाविद्यालय की पश्चिमी संगीत समिति यूफ़ोनी दिल्ली विश्वविद्यालय में सबसे प्रतिष्ठित ए कैपेला समितियों में से एक है। उन्होंने रचनात्मक रूप से संगीत की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर किया है- शास्त्रीय से जैज़, पॉप से R & B, आदि तक जिसको यूफ़ोनी के प्रतिभा के धनी सदस्यों ने स्वयं के स्पर्श और प्रस्तुतियों से प्रयोगात्मक क्षमता के साथ सजाया है। समिति गार्गी के सांस्कृतिक कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी के अलावा विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से व्यक्तिगत एवं सामूहिक संगीतकार दोनों ही रूपों में संगीत में ज्ञान के विकास के अवसर प्रदान करता है।

ग्लासआई – चलचित्र समिति

शिक्षिका संयोजिका : डॉ. प्राची कालरा, प्राथमिक शिक्षा विभाग

ग्लासआई की स्थापना चलचित्रों एवं वृत्तचित्रों की स्क्रीनिंग के उद्देश्य से की गई थी जो देश की सामाजिक जागरूकता और नागरिक विषयों को संबोधित करते हैं। समय के साथ, हमने २०१२ से वृत्तचित्र और चलचित्र निर्माण को शामिल करने पर ध्यान केन्द्रित किया। अब अपने ११वें वर्ष में, ग्लास आई डीयू सर्किट में सबसे सक्रिय समितियों में से एक है। हम स्क्रीनिंग के बाद भी चर्चा करना जारी रखते हैं, जैसा कि हमने पहली बार स्थापित होने पर किया था।

ह्यूज़ - ललित कला समिति

शिक्षिका संयोजिका : डॉ. अलका गर्ग, भौतिक विज्ञान विभाग

ह्यूज़ - ललित कला समिति विभिन्न कला रूपों की रचनात्मकता, प्रशंसा और अन्वेषण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक समिति है। समिति ललित कलाओं के उत्साही व्यक्तियों को एक साथ लाता है और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने, कलात्मक संवाद में संलग्न होने और कलात्मक परियोजनाओं पर सहयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। ह्यूज़ का उद्देश्य ललित कला समिति के विकास को प्रेरित करना, पोषण करना और बढ़ावा देना है। हमारा मानना है कि कला में सीमाओं को पार करने, कल्पना को प्रज्वलित करने और सार्थक सम्बन्ध बनाने की शक्ति है।

हमारे समिति के माध्यम से, हम कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना चाहते हैं, और सभी स्तरों के कलाकारों के लिए सहायक वातावरण बनाना चाहते हैं। ह्यूज़ का उद्देश्य सदस्यों को उनकी रचनात्मकता क्षमता का पता लगाने, विभिन्न कलात्मक माध्यमों के साथ प्रयोग करने और उनकी कलात्मक क्षमताओं की सीमाओं को आगे बढाने के लिए प्रोत्साहित करना है । समिति चित्रकला, मूर्तिकला, फोटोग्राफी, चीनी मिट्टी की चीजें आदि जैसे विभिन्न कला रूपों का पता लगाने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करती हैं।

आईरिस – फोटोग्राफी समिति

शिक्षिका संयोजिका : डॉ. प्राची कालरा, प्राथमिक शिक्षा विभाग

गार्गी महाविद्यालय की फोटोग्राफी समिति का उद्देश्य फोटोग्राफी माध्यम का उपयोग करके परिसर में एक रचनात्मक वातावरण को बढ़ावा देना है।

इसे प्राप्त करने के लिए समिति गार्गी महाविद्यालय और बाहर छायाचित्र, कार्यशालाएँ जैसे विभिन्न कार्यक्रमों की व्यवस्था करता है। साथ ही, आईरिस अन्य समितियों के साथ कार्य करके फोटोग्राफी को बढ़ावा भी देता है । प्रत्येक वर्ष, समिति गार्गी महाविद्यालय के आगामी फोटोग्राफरों को प्रेरित करने और उनका समर्थन करने के लिए कई गतिविधियों की मेजबानी एवं प्रदर्शनी भी करता है ।

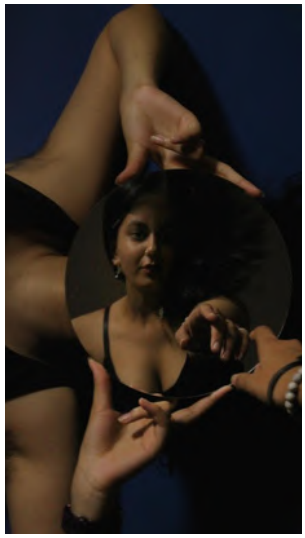

क्षितिज: नुक्कड़ नाटक समिति

शिक्षिका संयोजिका : डॉ. छाया साहने, प्राथमिक शिक्षा विभाग

क्षितिज गार्गी महाविद्यालय की नुक्कड़ नाटक समिति है, जिसकी स्थापना २००४ में केवल ११ सदस्यों के साथ की गई थी। यह अब दिल्ली विश्वविद्यालय के थिएटर सर्किट में सबसे सम्मानित समितियों में से एक बन गया है। हमारा उद्देश्य नुक्कड़ नाटकों की कला के माध्यम से जागरूकता पैदा करना और महत्वपूर्ण प्रश्नों को उठाना है। हमारा प्रदर्शन सामाजिक मुद्दों की एक श्रृंखला को संबोधित और उजागर करता है। पिछले ५ वर्षों में, हमने २५० से अधिक कार्यक्रमों में भाग लिया और १०० से अधिक पुरस्कार प्राप्त किए हैं । हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रम चरित्र निर्माण, शारीरिक और मुखर अभ्यास, आवाज के उतार-चढाव, सुधार, रचनात्मकता, अभिनय कौशल, और उपकरण प्रशिक्षण पर केंद्रित हैं ।

नजाकत: भारतीय नृत्य समिति

शिक्षिका संयोजिका : डॉ. रश्मि भारद्वाज, दर्शनशास्त्र विभाग

जब संगीत की धड़कन दिल की धड़कन के साथ तालमेल में होती है, तब नजाकत मंच पर आती है । गार्गी महाविद्यालय की भारतीय नृत्य समिति अपने नाम को सार्थक करती है । नजाकत सुन्दरता और सशक्तिकरण की समिति है जो एक व्यावहारिक नजरिये के माध्यम से नृत्य की खोज करने में विश्वास करता है और इसको शरीर, मन और आत्मा के संश्लेषण के रूप में चित्रित करता है जो हमें उत्साही बनाता है। प्रत्येक सदस्य की प्रतिबद्धता, गतिशील, अभिव्यंजक नृत्य, आकर्षक वेशभूषा, बेजोड़ जटिल कोरियोग्राफी, टीम भावना और नृत्य के प्रति समर्पण ही इस समिति को दिल्ली विश्वविद्यालय की अन्य समितियों से विशिष्ट बनाती है। दिल्ली विश्वविद्यालय में डीयू बीट के अनुसार शीर्ष तीन भारतीय नृत्य समितियों में नज़ाकत प्रथम स्थान पर है। नज़ाकत आदर्श कदम उठाने में विश्वास रखता है, जो सभी सदस्यों से उच्च स्तर की निष्ठा पर बल देता है, यह टीम भावना को मजबूत करता है जिसके लिए इसकी पहचान है। वर्षों से नज़ाकत अपने विशिष्ट और अनूठे प्रदर्शन के माध्यम से गार्गी महाविद्यालय को प्रसिद्ध करने में सफल रही है। हम नए लोक रूप जैसे हरियाणवी (हरियाणा), बधाई (मध्य प्रदेश), बिहू (असम), रौनपा - झुमुर (पश्चिम बंगाल), अथवा भवई (राजस्थान) के अन्वेषण हेतु स्वयं को चुनौती देते हैं ।

क्यू. ई. डी. – अंग्रेजी वाद-विवाद समिति

शिक्षिका संयोजिका- डॉ. राजकुमारी स्मेजिता देवी (अंग्रेजी विभाग), डॉ. तंजोत सिंह चौधरी (अर्थशास्त्र विभाग)

Quad erat demonstrandum, क्यू. ई. डी., का अर्थ है जिसे प्रदर्शित किया जाना था। इसी प्रसिद्ध लैटिन वाक्यांश के आधार पर अंग्रेजी वाद-विवाद समिति, गार्गी महाविद्यालय को क्यू. ई. डी. कहा जाता है। हम पूरे विश्व में वाद-विवाद सर्किट में आयोजित संसदीय वाद -विवाद में भाग लेते हैं और लोकतन्त्र के सिद्धान्तों पर काम करते हैं। गार्गी माहाविद्लाय का अंग्रेजी वाद-विवाद समिति पिछले कुछ वर्षों में एक जाना-पहचाना नाम बन गया है और अपनी छवि बनाए रखने के लिए प्रयासरत है।

अंग्रेजी वाद-विवाद समिति ने इस वर्ष के दौरान दो बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें मिरांडा हाउस की वाद-विवाद समिति के साथ अनुदान संचय संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता 'इनायत' और हमारा वार्षिक प्रमुख संसदीय वाद विवाद प्रतियोगिता 'WAX Eleoquent 2023' शामिल है। हमनें दोनों आयोजनों में देशभर के महाविद्यालयों से भारी भागीदारी देखी और उनकी शानदार सफलता का जश्न भी मनाया है। हम प्रतिवर्ष हमारे वार्षिकोत्सव, रेवरी, में एक टर्नकोट प्रतियोगिता भी करते हैं।

क़ुइलुमिनाती: अंग्रेज़ी रचनात्मक लेखन समिति

शिक्षिका संयोजिका : सुश्री प्रज्ञा गुप्ता, अंग्रेजी विभाग

गार्गी महाविद्यालय की अंग्रेज़ी रचनात्मक लेखन समिति - क़ुइलुमिनाती विभिन्न शैली और विषयों से सम्बन्ध रखने वाले ऐसे सृजनशील तथा सक्रिय व्यक्तियों का समुदाय है जो लेखन और वाचन के माध्यम से अपनी विचारों को व्यक्त करते हैं| क़ुइलुमिनाती सिर्फ एक समिति से कहीं बढ़कर है, यह नवोदित लेखकों के लिए एक सुरक्षित और सम्मिलित माहौल प्रदान करता है, जहाँ पर वे विभिन्न कार्यशालाओं तथा प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्लैम कवि या सृजनात्मक लेखक के रूप उभर सकें| हमने कई सारे कार्यक्रमों का आयोजन किया जैसे, हमारे वार्षिक रचनात्मक लेखन उत्सव –'पेनोरमा', विविधता का उत्सव – 'मुख़्तलिफ़' तथा कला पर आधारित आलोचनात्मक उत्सव –'प्रिज़्म' | विभिन्न शैलिओं के लेखकों ने इन अत्याधुनिक रचनात्मक लेखन और स्लैम कविता लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

विगत वर्षों में हमें कई प्रसिद्ध हस्तिओं की मेज़बानी करने का अवसर मिला जैसे, जे.एन.यू के राजनीतिक विचारधारा के प्रोफेसर एवं "सीइंग लाइक ए फेमिनिस्ट" की लेखिका 'डॉ. निवेदिता मेनन', रोड्स स्कॉलर एवं 'पिंक लिस्ट इंडिया' के संस्थापक 'अनीश गावंडे', विशिष्ट शिक्षाविद एवं भारत की पहली नारीवादी पत्रिका 'मानुषी' के सह- संस्थापक 'डॉ रुथ वनिता', प्रसिद्ध भारतीय कवयित्री एवं समाज-शास्त्री 'कमला भसीन', लोकप्रिय कार्यकर्ता 'विक्रमादित्य सहाय' जो 'Vqueeram' नाम से विख्यात हैं, 'फेमिनिज्म इन इंडिया' की संस्थापक 'जपलीन पसरीचा' एवं अन्य गणमान्य वक्ता| विगत वर्ष हमारे सदस्यगण कई विभागीय तथा अन्तर्महाविद्यालय स्तरीय रचनात्मक लेखन एवं कविता प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत हुए | प्रसिद्ध शैक्षिक संस्थान जैसे आई. आई. टी. दिल्ली, आई. आई. टी. रूड़की, अशोका यूनिवर्सिटी, मिरांडा हाउस, लेडी श्रीराम महाविद्यालय आदि द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में हमारे सदस्गण इस वर्ष कुल मिलकर ५७ पुरस्कार जीते | हमारे सदस्यों की रचनाएँ विभिन्न मंचों में जैसे, लाइव वायर, दी रेमनांत आरकाइव, अयस्कला पत्रिका में प्रकाशित हुईं | हमने अन्य महाविद्यालयों की साहित्यिक पत्रिकाओं जैसे मिरांडा हाउस कॉलेज के Blue Quill, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय के अभिव्यंजना, श्री वेंकटेश्वर महाविद्यालय के Principia आदि में भी योगदान दिया है। Quilluminati में हमारी यात्रा साहित्यिक आविष्कार, स्व-अभिव्यक्ति एवं आत्मोन्नति की है | अगर कविता आपकी ज़िन्दगी का मूलमंत्र है, अगर बारिश के मौसम में अपने लेखन सामग्री के साथ बैठना, ख़ुशी से अपना दिल कागज़ पर उतारना अच्छा लगता है, तो सच मानिये आपकी जगह Quilluminati में ही है।

क्विज़िटो - प्रश्नोत्तरी समिति

शिक्षिका संयोजिका- डॉ. अपर्णा जोशी, प्राथमिक शिक्षा विभाग

क्विज़िटो में हमारा लक्ष्य हमारे सदस्यों में प्रश्नोत्तरी के लिए एक जुनून को बढ़ावा देना है। हम एक मंच प्रदान करते हैं जहाँ वे उनके कौशल को सुधार सकते हैं तथा इस रोमांचक क्षेत्र की कठिनाईयों की खोज कर सकते हैं। इसे प्राप्त करने के लिए, हम ऑनलाइन, ऑफ़लाइन और हाइब्रिड प्रारूप कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित करते हैं ।

हमारे ऑनलाइन प्रश्नोतरी सत्र बातचीत को प्रोत्साहित करते हैं और अपने सदस्यों को - प्रश्न बनाने एवं हल करने - दोनों के लिए ही प्रशिक्षित करती है। इसके तहत हुए कार्यक्रमों में सदस्यों को क्विजिंग की विभिन्न शैलियों जैसे- सामान्य ज्ञान, भारत एवं उसकी संस्कृति, व्यवसाय, खेल, मनोरंजन आदि से परिचित कराया जाता है। हमने सफलतापूर्वक कई ऑफ़लाइन कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिसमें 'गॉड सेव द क्विज़', 'रॉन्ग आंसर ओनली- (नॉट) ए पॉप क्विज़', 'मोस्टली हार्मलेस- ए पॉप क्विज़' और हमारा प्रमुख कार्यक्रम, HighQ शामिल है। इन गतिविधियों ने हमारे सदस्यों में ऑफ़लाइन क्विज का आयोजन करना, प्रश्न-निर्माण क्षमता का विकास, क्विज़-मास्टरिंग कौशल में अमूल्य अनुभव और आत्मविश्वास में वृद्धि की।

समरंजिनी : भारतीय संगीत समिति

शिक्षिका संयोजिका: डॉ. ज़ोया भट्टाचार्य, राजनीति शास्त्र विभाग

समरंजिनी, गार्गी महाविद्यालय की भारतीय संगीत समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय की सबसे प्रतिष्ठित संगीत समितियों में से एक है। हम प्रामाणिक रचनाओं, अथक प्रयासों और महाविद्यालय के नियमित कार्यक्रमों में प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक होने के लिए जाने जाते हैं। समरंजिनी को शानदार गायकों, हमारे अद्भुत शिक्षक संयोजकों और गुरुओं के समर्थन के माध्यम से एक अद्भुत विरासत मिली है। समरंजनी प्रयास और परिश्रम के साथ भारतीय शास्त्रीय और अर्ध शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है और आगामी वर्षों के लिए संगीतमय खजाना बने रहने के लिए प्रयासरत है।

समीक्षा: हिंदी वाद-विवाद समिति

शिक्षिका संयोजिका: डॉ कृष्णा मीणा, हिन्दी विभाग

गार्गी महाविद्यालय में, समीक्षा, हिंदी वाद-विवाद समिति, उदारवादी विचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । समिति ऐसे तर्क प्रस्तुत करता है जो विषय के कम-गैर पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं जो गहनता का समावेश करता है, जो चर्चाओं में गहराई जोड़ता है। समीक्षा प्रतीकात्मक रूप से बढ़ी है और समय के साथपरिपक्व हुई है, जो नए परिप्रेक्ष्य और विचारों को सामने प्रस्तुत करती है । अपनी वाक्पटु प्रस्तुतियों के माध्यम से, समिति ने प्रभावी संचार और अभिव्यक्ति के महत्व पर जोर दिया है तथा ज्ञान और समझ के विकास के लिए योगदान दिया है । नए वक्ताओं को सबसे आगे लाकर समीक्षा ने संचार के स्तर को विकसित किया है। वाद-विवाद ने नवीन विचारों को जन्म दिया है और छात्राओं को व्यक्तित्व में सुधार करने और दिल्ली विश्वविद्यालय के वाद-विवाद सर्किट में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर दिया है। समिति को विगत वर्ष ६० से अधिक पुरस्कार प्राप्त हुए थे, तथा यह समिति और भी अधिक छात्रों को सशक्त बनाने और महान सफलता प्राप्त करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

स्पार्क्स - कोरियोग्राफी समिति

शिक्षिका संयोजिका: डॉ. रश्मि भारद्वाज, दर्शनशास्त्र विभाग

स्पार्क्स गार्गी महाविद्यालय में छात्राओं की एक समकालीन नृत्य समिति है जो वार्षिक विषयगत प्रदर्शन को बनाता है जो सामाजिक मुद्दों, यूटोपियन विचारों और गुमनाम नायकों की कहानियों पर आधारित होते हैं। हमारा लक्ष्य नृत्य के माध्यम से खुद को व्यक्त करना, हमारे आंतरिक जुनून का प्रदर्शन करना, अपने मत को आवाज़ देना और समाज में अद्वितीय दृष्टिकोण स्थापित करना है। हमारी प्रस्तुतीकरण उन अनछुए विषयों की खोज करती हैं जो समय के अनुरूप एक नैतिक संदेश प्रदान करती है, फिर वह एक सामाजिक कारण हो या शहरी किंवदंती। रक्त, स्वेद और अश्रु के साथ Sparx की लड़कियों ने डीयू सर्किट में शीर्ष ३ कोरियोग्राफी समितियों में नाम दर्ज करने में कामयाबी हासिल की है। टीम का चयन करने के लिए हर साल सत्र की शुरुआत में ऑडिशन आयोजित किए जाते हैं और विभिन्न पाठ्यक्रमों और पृष्ठभूमि की छात्राएँ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर टीम में अपनी जगह बनाती है। जैज़, समकालीन और बैले तकनीक का प्रयोग करते हुए अंतिम टीम शीर्ष कोरियोग्राफरों के साथ कठोर प्रशिक्षण से गुजरती है। टीम नृत्य के लिए अपने साझा जुनून से एकजुट है।

अपस्टेज - नाट्य समिति

शिक्षिका संयोजिका – डॉ. सुचित्रा भारती, संस्कृत विभाग

अपस्टेज एक ऐसा व्यापक नाटकीय मंच है जो अपने उपयोगकर्ताओं को नाटकीय अनुभव प्रदान करता है और साथ ही बदलाव और नए दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है। वे रचनात्मक क्षमता को उजागर करने और कौशल को परिष्कृत करने के लिए अभिनय कार्यशालाओं से लेकर तकनीकी उत्पादन सत्रों तक व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। उनके प्रशिक्षण में विविध नाटकीय पहलुओं को शामिल किया गया है और इसका उद्देश्य मानवीय स्थिति पर प्रकाश डालना और सार्थक बातचीत शुरू करना है। अपस्टेज अपने सदस्यों के सामूहिक प्रयास की सराहना करते हुए सार्थक सहयोग और दोस्ती को बढ़ावा देता है।

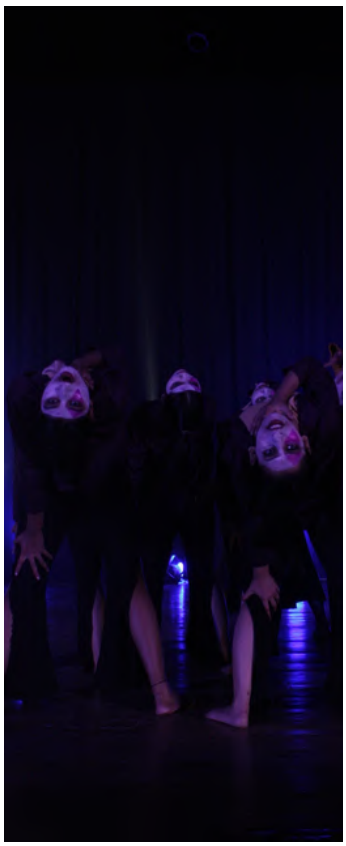

अपस्टेज ने विभिन्न नाटकों और कार्यक्रमों के साथ अपनी विविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया, जिनमें 'सेवन ज्यूईश चिल्ड्रेन', 'हेलेन केलर' के जीवन पर आधारित एक नाटक 'कांस्टेलेशंस', 'टाइगर ऑन थे टेंथ डे' का रूपांतरण 'हाउस/हौस', महिला सशक्तिकरण पर स्वरचित लेख शामिल है । अपस्टेज ने दिवाली उत्सव के दौरान राजा रवि वर्मा के चित्रों की एक थिएटर प्रदर्शनी भी प्रस्तुत की और अपनी प्रस्तुतियों के साथ सामाजिक न्याय प्रणालियों पर सवाल उठाए ।

Weज्ञानम्- सिंटिलेशन्स का अनुसंधान विंग

Weज्ञानम् एक शोध विंग है जिसकी स्थापना स्नातक के प्राणीशास्त्र विभाग के चार प्रतिभाशाली छात्राओं ने की है- सुश्री दिव्यांशी चौहान, सुश्री स्मृति वर्मा, सुश्री आरती वेंकटेशन, और सुश्री बिस्मा खान। उनका लक्ष्य कक्षा से परे विज्ञान का पता लगाना और सामाजिक विज्ञान और मानविकी को शामिल करते हुए महाविद्यालय के विज्ञान विभागों के बीच खुले संचार को प्रोत्साहित करना है। इसके सहयोग में आठ विभाग शामिल हैं : वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, सूक्ष्म जीव विज्ञान, भौतिकी, भौतिक विज्ञान, जीवन विज्ञान और प्राणीशास्त्र। इस पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक जिज्ञासा जगाना और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। इसका उद्देश्य विज्ञान के प्रति बहु-विषयक दृष्टिकोण को उजागर करके गार्गी महाविद्यालय के छात्रों के लिए एक मजबूत STEM नेटवर्क और समुदाय बनाना है। Weज्ञानम् ने ४ अगस्त, २०२२ को एक अटूट दृष्टि और मिशन के साथ अपनी यात्रा शुरू की, जिसमें विभिन्न विषयों के प्रति जिज्ञासा की भावना पैदा करने, विकसित करने और पोषण करने और विज्ञान के लिए एक अंत:विषय दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। Weज्ञानम् विज्ञान के प्रति उत्साही लोगों को अपने कौशल को बढ़ाने, दूसरों के साथ काम करने और शोधकर्ताओं के रूप में अपने भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है। Weज्ञानम् अंत:विषय अनुसंधान के महत्व को पहचानता है और इस प्रकार यह नियमित रूप से साइबर सुरक्षा, कोडिंग और अनुसंधान लेखन जैसे कई विषयों पर वार्ता, सेमिनार और कार्यशालाओं की मेजबानी करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी टीम आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने और छात्रों को विभिन्न गतिविधियों में शामिल होने के अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित है और यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी कार्यक्रमों की देखरेख और मार्गदर्शन ठीक से किया जाए समन्वयक और विभागीय सलाहकारों के साथ मिलकर काम करती है।

"अधिक जानने के लिए त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

स्पोर्ट्स

गार्गी कॉलेज में, हम खुद को **टीमगार्गी** कहते हैं और यह हमारे एकीकृत एथलेटिक दस्तों का नाम है। आपके लिए टीम में शामिल होने, प्रदर्शन करने और नियमित रूप से प्रशिक्षण लेने तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के कई अवसर हैं।

एरोबिक्स
एथलेटिक्स
बास्केटबाल
शतरंज
क्रिकेट
जूदो
कुरैश
कबड्डी
टेनिस
पावर लिफ्टिंग
वालीबाल
योग

टीम गार्गी
पुरस्कार

एथलेटिक्स

३३वीं नॉर्थ जोन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप
स्वर्ण पदक - हेप्टाथलॉन, भाला फेंक, 100 मीटर बाधा दौड़, ४x४०० मीटर रिले
कांस्य पदक - ४x४०० मिक्स रिले

हरियाणा राज्य उत्तरी क्षेत्र एथलेटिक्स चैम्पियनशिप
रजत पदक - २०० मीटर
कांस्य पदक - ४०० मीटर

नॉर्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स मीट
रजत पदक - २०० मीटर
कांस्य पदक - ४x४०० मीटर रिले

बास्केट बॉल

दूसरा स्थान - मिरांडा हाउस बास्केटबॉल इंटर कॉलेज टूर्नामेंट
तीसरा स्थान - मैत्रेयी कॉलेज ३-ऑन-३ टूर्नामेंट

जूडो

स्वर्ण पदक - खेलो इंडिया सीनियर महिला जूडो नेशनल लीग, जूनियर नेशनल जूडो चैंपियनशिप, दिल्ली स्टेट जूडो चैंपियनशिप
कांस्य पदक - सीनियर नेशनल जूडो चैंपियनशिप, ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जूडो चैंपियनशिप

"अधिक जानने के लिए त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

सामाजिक पहुँच एवं जागरूकता

गार्गी कॉलेज में, हमारे पास सामुदायिक आउटरीच के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता है और हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि करुणा हमारे समुदाय के भीतर और बाहर सभी के लिए उपलब्ध हो। सर जगदीश चंद्र बोस के कथानुसार, "याद रखें कि किसी के लिए कोई खुशी नहीं हो सकती जब तक कि यह सभी के लिए नहीं जीती जाती", गार्गी कॉलेज छात्रों को सामाजिक आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित करता है और छात्रों में यह विश्वास पैदा करता है कि आत्म-पूर्ति समाज के प्रति जिम्मेदारी से जुड़ी हुई है।

सामाजिक आउटरीच@गार्गी

अवनी : द इको क्लब

शिक्षिका संयोजिका : डॉ. ममता त्रिपाठी, संस्कृत विभाग

गार्गी महाविद्यालय का अवनी: द इको क्लब पर्यावरण को अनुकूल वातावरण बनाने की दृष्टि से कार्य करता है। हमारा उद्देश्य प्रत्येक सदस्य में ऐसे मूल्यों और नैतिकता को विकसित करना है जो उन्हें पर्यावरण संरक्षण और संसाधन संरक्षण की दिशा में योगदान करने और जागरूक व्यक्ति बनने में सक्षम बनाता है। ऐसा करके, आशा करते हैं कि हम जागरूकता बढ़ाएंगे और दूसरों को इसके दीर्घकालिक लाभों के प्रति जागरूक करने में मदद करेंगे । अवनी पर्यावरण के निरंतर संरक्षण के लिए अत्यधिक जिम्मेदारी के साथ काम करने का प्रयास करता है और संसाधनों की स्थिरता सुनिश्चित करने और सुधारात्मक और निवारक कार्रवाई करके हमारे ग्रह की रक्षा करने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करता है । हमारे क्लब का उद्देश्य कार्यक्रम की एक श्रृंखला के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। क्लब ने विश्व ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया, अरावली जैव विविधता पार्क की एक शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया, पटाखों के इस्तेमाल के खिलाफ एक जागरूकता रैली आयोजित की तथा दीवाली मेले में छात्रों ने कॉलेज परिसर की सफाई की। साथ हीं पूरे सत्र के दौरान हम 'क्या सभी को शाकाहारी बनना चाहिए, लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा में वन्यजीव पर्यटन का योगदान' आदि विषयों पर मासिक चर्चाएँ एवं कार्यशालाओं का आयोजन करते हैं। अवनी पर्यावरण जागरूकता पर प्रतियोगिताओं का समन्वय भी करती है, जैसे कि ज़ीरो वेस्ट कुकिंग और अपसाइक्लिंग।

विविधता और समावेशन केंद्र

शिक्षिका संयोजिका : प्रो. नीरा पन्त, मनोविज्ञान विभाग

गार्गी महाविद्यालय में हमारे छात्रों में सहानुभूति उत्पन्न करने और उन्हें अपने साथियों की विविधता और समुदाय से अवगत कराने के लिए विविधता और समावेशन केंद्र को सक्रिय रूप से काम करने के लिए जून २०२० में स्थापित किया गया था। यह शैक्षिक संस्थानों की अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को ध्यान में रखते हुए है एक मॉडल है जिसे हम अपनी गार्गी की गौरवशाली परंपराओं को ध्यान में रखते हुए अनुकरण करने की इच्छा रखते हैं जिसके माध्यम से छात्रों को विश्व के अच्छे नागरिक बनने के लिए तैयार करते हैं जिससे स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद छात्र जिस क्षेत्र का चयन करते हैं उसके नेतृत्व का बीड़ा उठा सकें। हम एक ऐसे समाज का हिस्सा हैं जो लगातार विकसित हो रहा है और अत्यधिक विविध है। केंद्र में समान अवसर प्रकोष्ठ, सक्षम इकाई, नार्थ-ईस्ट समिति, इज़हार और द व्हाइट रोज़ क्लब, एक आम मंच के रूप में काम करते है जिसकी सहायता से छात्र विभिन्न दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण मुद्दों को देखते हैं और उन्हें सहानुभूति एवं समग्र दृष्टिकोण के साथ संबोधित करते हैं।

इज़हार: मानसिक स्वास्थ्य पहल

इज़हार एक मानसिक स्वास्थ्य पहल है, एक सहायता समूह है जो मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए कार्य करती है यह २०१५ से सफलतापूर्वक काम कर रहा है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि मानसिक स्वास्थ्य के विषय मे बात करना लोगों को जागरूक करने का पहला कदम है, इसके द्वारा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मिथक को तोड़ा जा सकता है। यह संगठन सहानुभूति और गैर-आलोचनात्मक आदर्शों पर आधारित है। अपने लोकाचार के अनुरूप, इज़हार उन छात्रों पर ध्यान देता है तथा उनके लिए आलोचना रहित वातावरण बनाता है जो किसी न किसी रूप से मनोवैज्ञानिक असुविधा और संकट में हैं। इज़हार गार्गी में छात्र समुदाय की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए तथा अपने सदस्यों को परिपक्व करने के लिए प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित करता है।

समान अवसर प्रकोष्ठ

शिक्षिका संयोजिका – डॉ स्वेता मिश्रा, राजनीति शास्त्र विभाग

महाविद्यालय का समान अवसर प्रकोष्ठ, २०१० में स्थापित, एक बहु-विषयक समूह है जो छात्रों को समाज के वंचित समूहों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों के बारे में संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से कई गतिविधियाँ करता है। प्रकोष्ठ प्रत्येक छात्र को एक समान मंच प्रदान करने और विशेष रूप से महाविद्यालय के शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रकोष्ठ पहुँच और समानता के मुद्दों को संबोधित करता है। प्रकोष्ठ का उद्देश्य विभिन्न श्रेणियों के छात्रों को उनकी समस्याओं को दूर करने और उनकी क्षमता का एहसास करने में सहायता करने के लिए एक सक्षम वातावरण प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है। प्रकोष्ठ के विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों की क्षमता का निर्माण होता है जो उन्हें समानता, न्याय और समावेशन के मुद्दों से संबंधित विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने में मदद करता है।

व्हाइट रोज क्लब

व्हाइट रोज़ क्लब एक क्वियर-स्ट्रैट गठबंधन है जो विविधता और समावेशन केंद्र के तहत कार्य करता है। व्हाइट रोज क्लब २०१७ से सक्रिय रूप से काम कर रहा है, लेकिन इस क्लब को औपचारिक मान्यता जून २०२० में मिली। इस क्लब का उद्देश्य LGBTQIA+ मुद्दों के बारे में लोगों को शिक्षित करना, जागरूकता बढ़ाना और संवेदनशील बनाना है, जिससे गार्गी महाविद्यालय को क्वियर छात्रों के लिए सुरक्षित और समावेशी स्थान बनाया जा सके। यह क्लब अक्सर विभिन्न कार्यक्रमों की मेजबानी करता है, जिसमें अनोखी चर्चा, गौरव परेड, वृत्तचित्र स्क्रीनिंग और पेशेवरों और शिक्षाविदों की पैनल चर्चा शामिल है। कार्यक्रम में अनिवार्य विषमलैंगिकता एवं ट्रांसजेन्डर द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों जैसे विषयों पर चर्चा की जाती है।

समर्थ : सक्षम इकाई

शिक्षिका संयोजिका – डॉ. मोनिका गुप्ता, प्राथमिक शिक्षा विभाग

गार्गी महाविद्यालय की सक्षम इकाई 'समर्थ', दिव्यांग छात्रों के अधिकारों की रक्षा और भलाई के प्रचार के लिए प्रतिबद्ध है। इनका लक्ष्य है महाविद्यालय में आने वाले दिव्यांग लोगों के लिए एक निष्पक्ष, समावेशी और सहायक वातावरण बनाना है। इकाई की जिम्मेदारी में शामिल हैं असमानता के कारण दिव्यांग लोगों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियां और उनके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के तरीके के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए महाविद्यालय के मध्य व्याख्यान, सेमिनार और पैनल चर्चा की व्यवस्था करना।

पूर्वोत्तर समिति

शिक्षिका संयोजिका – डॉ. अरुणिमा दास, अंग्रेज़ी विभाग

मार्च २०१८ में, पूर्वोत्तर भारत के आठ राज्यों के छात्रों को एकजुट करने और सशक्त बनाने के लिए गार्गी महाविद्यालय की पूर्वोत्तर समिति की स्थापना की गई थी। समिति का लक्ष्य सांस्कृतिक प्रदर्शनों, प्रदर्शनियों, वार्ताओं और प्रतियोगिताओं के लिए एक मंच प्रदान करके क्षेत्र की विशिष्टता और विविधता का प्रदर्शन करना है। यह महाविद्यालय समुदाय में, छात्रों, शिक्षकों और अन्य लोगों के बीच अधिक समझ और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए विशेष रूप से इस क्षेत्र की कम ज्ञात संस्कृतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भी प्रयास करता है। प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में, क्षेत्र की विशिष्ट सांस्कृतिक विविधता और विशिष्टता को प्रदर्शित करने के लिए एक सांस्कृतिक उत्सव 'मेलांज' आयोजित किया जाता है। इस सांस्कृतिक उत्सव में पारम्परिक पोशाक, गीत, नृत्य और व्यंजन का समावेश होता है।

एनैक्टस गार्गी

शिक्षिका संयोजिका - डॉ. सीमा शर्मा, दर्शनशास्त्र विभाग

२०१३ में स्थापित, एनैक्टस गार्गी, अंतर्राष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन एनैक्टस की एक सदस्य शाखा है । एनैक्टस गार्गी का प्रयास है उद्यमशीलता के प्रयासों के माध्यम से छात्रों, शिक्षाविदों और व्यापारिक नेताओं के बीच संबंधों को बढ़ावा देना जो व्यक्तियों को सामजिक परिवर्तन लाने में सक्षम बनाता है । समिति ९०+ सदस्यों का एक गठबंधन है जो चार सफल परियोजनाओं का संचालन कर रहा है - परियोजना रचना, परियोजना आगाह, परियोजना नीव और परियोजना विकास।

गाँधी अध्ययन सर्कल

शिक्षिका संयोजिका – डॉ स्वेता मिश्रा, राजनीति विज्ञान विभाग

महाविद्यालय के गाँधी अध्ययन सर्कल (जीएससी) की स्थापना २००८ में युवा पीढ़ी द्वारा गांधी पर पुनर्विचार, समीक्षा और वाद – विवाद करने के उद्देश्य से की गई थी। गार्गी महाविद्यालय का गाँधी अध्ययन सर्कल न केवल महाविद्यालय के सभी समितियों में अपितु पूरे दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रमुख प्रकोष्ठ है। विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से गाँधी अध्ययन सर्कल के सदस्य और गैर-सदस्य दोनों गाँधी के विचारों के विभिन्न पक्षों के बारे में जानने में समर्थ होते हैं।

गाँधी अध्ययन सर्कल का उद्देश्य छात्रों में गांधीवादी मूल्यों और ज्ञान को स्थापित करना, सादगी और निस्वार्थता के माध्यम से उनके विकास को बढ़ावा देना, उन्हें महात्मा गांधी के कार्य और दर्शन के बारे में शिक्षित करना और आज की दुनिया में गांधीवादी विचारधाराओं के महत्त्व के विषय में जागरूकता बढ़ाना है।

विपणन समिति

शिक्षिका संचालक - सुश्री सुमंत मीना, वाणिज्य विभाग

गार्गी महाविद्यालय की विपणन समिति का उद्देश्य है विपणन के क्षेत्र से संबंधित कौशलों का संगठन और विपणन सम्बन्धी ज्ञान की वृद्धि करना। २०१३ में स्थापित होने वाली यह समिति युवा प्रतिभा को खोजने और विपणन प्रबंधन के क्षेत्र में जागरूकता को बढाने में विश्वास करती है । विपणन के बढ़ते हुए महत्त्व को समझते हुए, समिति वार्षिक विपणन सप्ताह 'EBULLIENCE' तथा साथ ही वार्षिक विपणन उत्सव 'ALOHOMORA' का आयोजन करती है। हम इन आयोजनों के अन्तर्गत कई प्रतियोगिताएं का आयोजन करते हैं जो छात्रों को एक मजेदार और आकर्षक माध्यम से विपणन के क्षेत्र में छात्र की समझ को बढ़ावा देते है इन आयोजनों के माध्यम से विपणन समिति से सम्बन्धित उनकी समझ में सुधार को लाना है। साथ ही विपणन समिति विपणन विकास से सम्बन्धित एक वार्षिक पत्रिका भी प्रकाशित करती हैं जिस पर विपणन से जुड़े कई विषयों पर विचार किया जाता हैं। विपणन समिति छात्र समुदाय की विपणन सम्बन्धी सभी पहलुओं, कोर्सवर्क, परियोजनाएं, प्रतियोगिताएं और रोजगार प्राप्ति में सहायता करने के लिए समर्पित है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

एसोसिएट एनसीसी अधिकारी- कैप्टन (डॉ.) पूर्णिमा अग्रवाल

एनसीसी एक छात्र के समग्र व्यक्तित्व को आकार देने और उन्हें जीवन के नए क्षेत्र तथा अप्रत्याशित चुनौतियों के लिए तैयार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गार्गी महाविद्यालय की एनसीसी इकाई प्रशिक्षित, संगठित और प्रेरित युवाओं के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है जो समाज के विकास में योगदान दें। इसका उद्देश्य जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व गुणों के साथ युवाओं की एक श्रृंखला बनानी है जो देश की सेवा करें, चाहे वे किसी भी आजीविका का चयन करें। एनसीसी बहुआयामी प्रशिक्षण के माध्यम से एक सैन्य वातावरण में स्वयंसेवी युवाओं को सशक्त बनाता है जिससे वे एक जिम्मेदार नागरिक बनें। यह संबंधित स्थलों परफायरिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, पैराशूटिंग, ट्रेकिंग, फ्लाइंग, पैराग्लाइडिंग, स्नो स्कीइंग, पर्वतारोहण, रिवर राफ्टिंग आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों के अवसर प्रदान करता है। संस्थान में, एनसीसी परेड के दौरान, कैडेटों को ड्रिल, गार्ड ऑफ ऑनर, सेक्शन अटैक, सांस्कृतिक कार्यक्रम, आपदा प्रबंधन के लिए मॉक-ड्रिल और सभी सैद्धांतिक विषय के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। वे विभिन्न शिविरों में भाग लेते हैं जैसे - पैरा-नौकायन शिविर, पैरा-स्लीथरिंग शिविर, वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, थल सैनिक शिविर, योग शिविर, गणतंत्र दिवस शिविर, प्रधानमंत्री की रैली, मुख्यमंत्री की रैली, अमर जवान ज्योति पर पुष्पांजलि समारोह आदि।

राष्ट्रीय सेवा योजना, गार्गी महाविद्यालय

शिक्षिक संयोजक : प्रो. श्रीनिवास त्यागी, हिन्दी विभाग

राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार के युवा और खेल मंत्रालय द्वारा संचालित एक सार्वजनिक सेवा कार्यक्रम है। इस योजना की स्थापना गांधीजी के शताब्दी वर्ष १९६९ में आदर्श वाक्य "NOT ME, BUT YOU" के साथ की गई थी। एनएसएस गार्गी में कार्यक्रम अधिकारी द्वारा निर्देशित १२० उत्साही स्वयंसेवक शामिल हैं। हमारा उद्देश्य स्थाई और व्यापक मॉडल बनाना है जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं। हम अपने स्वयंसेवकों को विभिन्न सामाजिक आधारित गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान करके अपने आदर्श वाक्य का प्रसार करते हैं।

हमने वंचित बच्चों के उत्थान से संबंधित वातावरण से लेकर, मासिक धर्म स्वच्छता, प्लास्टिक निपटान, मानसिक स्वास्थ्य आदि से संबंधित विभिन्न जागरूकता शिविरों का आयोजन किया है। एनएसएस गार्गी ने सद्भावना राजदूत, अंतर्महाविद्यालीय प्रतियोगिता उड़ान आदि जैसे सामाजिक सेवा से संबंधित प्रतियोगिता की भी शुरुआत की। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान हमने स्वच्छता अभियान चलाया तथा हमारे स्वयंसेवकों द्वारा जूट और हस्तनिर्मित पेपर बैग का निर्माण किया गया। हमने ई-कचरा दान रुपी कार्यक्रम भी संपन्न किया।

एनएसएस गार्गी ने स्वयंसेवकों के अनुभव के लिए प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया । हमारा वार्षिक रूप से आयोजित दिवाली मेला "ZISTATVA" एक प्रमुख आयोजन है जिसमें हम विभिन्न एनजीओ को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और आयोजन से राजस्व प्राप्त करने के लिए मंच प्रदान करते हैं। इस वर्ष, महाविद्यालय ने विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के वंचित छात्रों को, यात्रा व्यय प्रदान किया, जिन्होंने आश्चर्यजनक नृत्य प्रदर्शन प्रस्तुत किया । साथ ही हमने रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जहाँ छात्र, शिक्षक और गैर-संकाय सदस्य रक्तदान करते हैं।

हमने अपने कार्यकर्त्ता के प्रतिभा को पहचानने के लिए विभिन्न सामाजिक विषयों पर निबंध लेखन, कविता लेखन और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। हम हमेशा अपने स्वयंसेवकों को समाज के लिए हितकारी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

उन्मुक्ति - महिला विकास केंद्र, गार्गी महाविद्यालय

शिक्षिका संयोजिका : डॉ. मंजु खोसला, वाणिज्य विभाग

WDC इस महाविद्यालय में बनाया गया एक ऐसा मंच है जो छात्राओं एवम शिक्षकों को स्वंत्रत्र और भयमुक्त रूप से उनकी क्षमताओ को विकास करने के लिए अवसर प्रदान करने का प्रयास करता है। महिला विकास केंद्र (WDC), जिसे उन्मुक्ति कहा जाता है, का उद्देश्य युवा महिलाओं के लिए एक सुरक्षित स्थान प्रदान करना है जिससे वह अपनी क्षमता को पहचाने और मजबूत, निडर और सम्मानित व्यक्ति के रूप में विकसित हों हमारे महाविद्यालय में डब्ल्यूडीसी छात्रों के लिए लिंग और यौन पर आधारित असमानता एवं हिंसा को संबोधित करने के लिए एक जीवंत मंच है। गार्गी की सभी छात्राएँ सेवाओं और सदस्यता का उपयोग कर सकते हैं जिसमें कोर टीम में 60 घंटे की गतिविधियों में भागीदारी शामिल है, जिसमें ६० घंटे की गतिविधियों में कार्यशालाओं, सेमिनारों, वार्ताओं, वाद-विवाद, चर्चाओं और अध्ययन यात्राओं जैसी गतिविधियों हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य लिंग-संबंधी विभिन्न पक्षों के कानूनी, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों का पता लगाना है।

हमारा प्रयास विभिन्न उपायों के साथ शैक्षणिक अवसर और कौशल विकास प्रदान करना है। हम छात्रों को हर रोज़ शारीरिक उत्पीड़न से निपटने के तरीके सीखने के लिए सशक्त बनाते हैं, उदाहरण के लिए, हम दिल्ली पुलिस सहित अन्य संगठनों के सहयोग से आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। हम बाल शोषण, लिंग-आधारित हिंसा और दुर्व्यवहार, पुलिस प्रक्रिया और कानूनी निवारण जैसे विषयों पर गहन कौशल-निर्माण कार्यशालाएं आयोजित करते हैं जिससे छात्र इन चुनौतियों का सामना करते समय अधिक संसाधनपूर्ण रहें। इसके अतिरिक्त, केंद्र एक वार्षिक समाचार पत्र भी प्रकाशित करता है, जहाँ छात्र अपने लेख के माध्यम से अपने विचार और राय व्यक्त कर सकते हैं। हम सप्ताह में तीन बार एक प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक के साथ मानसिक स्वास्थ्य परामर्श भी प्रदान करते हैं। हम लागत-से-लागत सैनिटरी नैपकिन, वेंडिंग सेवा और कॉलेज के सदस्यों के लिए डे-केयर सुविधा भी प्रदान करते हैं ।

अपने वार्षिक उत्सव के अलावा, केंद्र अकादमिक विकास के लिए कोर्सवर्क से इतर ऐड-ऑन पाठ्यक्रम, कार्यशालाएं और इंटर्नशिप प्रदान करता है । हमारी कार्रवाई-आधारित अनुसंधान परियोजनाएं जैसे सेफ्टी ऑडिट प्रकाशन योग्य लेखन के अवसर प्रदान करता है और छात्रों को अपनी दुनिया को बेहतर बनाने में मदद करता है। हम भविष्य के व्यक्तिगत और व्यावसायिक उपक्रम हेतु तथा लिंग-कोर कार्यक्रमों में उच्च शिक्षा हेतु सह-पाठ्यचर्या कौशल विकसित करने के लिए गैर सरकारी संगठनों के साथ ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन इंटर्नशिप को प्रोत्साहित करते हैं। उन्मुक्ति छात्रों को एक असमान लैंगिक दुनिया में सकारात्मक बदलाव करने के लिए आमंत्रित करता है

हमारे छात्र प्रत्येक विभाग से "जेंडर चैंपियन" एक विविध टीम के साथ काम करते हैं। वे शिक्षक के पर्यवेक्षण में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियों का आयोजन करते हैं। यह एक प्रतिष्ठित पद है, और हमारे कई पूर्व छात्र कानून, विज्ञान और सरकारी क्षेत्र में नेतृत्व कर रहे हैं।

हम आपके साथ उन्मुक्ति के एक और जीवन्त और प्रेरणादायक वर्ष की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

"अधिक जानने के लिए त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

अध्यक्ष: प्रोफेसर संगीता भाटिया, प्रधानाचार्या
सह-समन्वयक: प्रोफेसर रेणु अग्रवाल, रसायन विज्ञान विभाग

IQAC संस्थागत स्तर पर गुणवत्तापूर्ण निर्वाह प्रणाली का प्रतीक है। चूँकि गुणवत्ता में वृद्धि एक सतत प्रक्रिया है, IQAC गुणवत्ता वृद्धि और निरंतरता के लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में काम करता है। इसके कार्यों में संस्थान की विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों के लिए गुणवत्ता बेंचमार्क/मापदंडों का विकास और अनुप्रयोग शामिल है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अनुकूल शिक्षार्थी-केंद्रित वातावरण के निर्माण की सुविधा प्रदान करता है और सहभागी शिक्षण और सीखने के लिए आवश्यक ज्ञान और प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए परिपक्वता प्रदान करता है, साथ ही गुणवत्ता संबंधी संस्थागत प्रक्रियाओं पर छात्रों और अन्य हितधारकों से फीडबैक प्रतिक्रिया एवं उच्च शिक्षा के विभिन्न गुणवत्ता मानकों पर सूचना का प्रसार भी इसके अन्तर्गत है।

आईक्यूएसी, संस्था प्रमुख (आईक्यूएसी अधक्ष) के मार्गदर्शन में कार्य करता है। IQAC की संरचना में संकाय, वरिष्ठ प्रशासनिक कर्मचारी, बर्सर, कर्मचारी सचिव, पुस्तकालय अध्यक्ष, प्रयोगशाला कर्मचारी और शिक्षा के क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध उद्योग, विश्वविद्यालय और स्थानीय निकायों के सदस्य शामिल हैं। समावेशी नीति और नेतृत्व-निर्माण प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए, छात्र परिषद अध्यक्ष, सांस्कृतिक सचिव और खेल अध्यक्ष को छात्र सदस्यों के रूप में IQAC में प्रतिनिधित्व करते हैं। यह संस्थानों के शासन में छात्र प्रतिनिधित्व की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मान्यता छात्र संगठन में भरोसे का एक पैमाना है।

IQAC अन्य बातों के अलावा, बेहतर प्रशासन प्रथाओं के लिए सभी हितधारकों से रचनात्मक प्रतिक्रिया तंत्र का नेतृत्व करता है। IQAC की प्रमुख पहलों में से एक है सम्मेलनों के आयोजन के लिए बहु-विषयक संस्थान के भीतर विभागों और समितियों के बीच आंतरिक सहयोग को बढ़ावा देना है, ज्ञान के आदान-प्रदान, उद्योग, अनुसंधान संगठनों, स्वायत्त निकायों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के साथ बाहरी सहयोग भी इसके अन्तर्गत आते हैं।

IQAC सभी हितधारकों के सहयोग के प्रस्तावों की जांच करता है, जिससे संस्थागत विकास में सभी की लोकतांत्रिक भागीदारी को निरंतर बढ़ावा देना सुनिश्चित होता है। IQAC का मानना है कि जीवन के विभिन्न पहलुओं, जैसे शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक, आध्यात्मिक और पेशेवर को संतुलित करना महत्वपूर्ण है। हमारे छात्रों के समग्र कल्याण का समर्थन करने के लिए, IQAC ने व्यक्तिगत कल्याण को बढ़ावा देने और कल्याण को महत्व देने वाली कैंपस संस्कृति बनाने के लिए इस वर्ष विभिन्न पहल/गतिविधियाँ शुरू की हैं। IQAC हमारे छात्रों को समग्र कल्याण प्राप्त करने में मदद करने के लिए उन्हें आवश्यक संसाधनों से जोड़ने का प्रयास करता है।

"अधिक जानने के लिए त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

प्रख्यात
अतिथि व्याख्यान

गार्गी कॉलेज अपने छात्रों के साथ ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा करने के लिए जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से प्रसिद्ध हस्तियों को आमंत्रित करता है। विद्वान और विचारक जैसे पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल डॉ. किरण बेदी, भारत की मिसाइल वुमन डॉ. टेसी थॉमस, भारतीय शास्त्रीय नृत्यांगना और गायिका पद्मश्री गीता चंद्रन, सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन के संस्थापक पद्म भूषण डॉ. बिंदेश्वर पाठक, सिएरा केयर्स फाउंडेशन की सह-संस्थापक सुश्री केली डोरे और अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों जैसे विद्वान और विचारक हमारे छात्रों के साथ जुड़े हुए हैं। गार्गी कॉलेज कार्यशालाओं और वार्ताओं की मेजबानी करना जारी रखता है जो छात्रों को विभिन्न विचारों और दृष्टिकोणों से अवगत कराता है।

"अधिक जानने के लिए त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार

गार्गी कॉलेज में, हम अकादमिक उत्कृष्टता का अत्यधिक सम्मान करते हैं और विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों के माध्यम से अपने मेधावी छात्रों को सम्मानित करते हैं। शैक्षणिक उपलब्धियों के अलावा, हम छात्रों को सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए कई अवसर प्रदान करते हैं। हमारा लक्ष्य छात्रों को विभिन्न प्रकार के कौशल, आत्मविश्वास और अनुभव प्राप्त करने में सहायता करना है जो कॉलेज के बाद उनके भविष्य के करियर में फायदेमंद साबित होंगे। प्रत्येक वर्ष वार्षिक दिवस पर, हम अपने छात्रों को छात्रवृत्ति और पुरस्कार देकर उनकी उपलब्धियों को पहचानते हैं और उनका सम्मान करते हैं। निम्नलिखित प्रतिष्ठित पुरस्कार और छात्रवृत्तियाँ हैं जिन्हें हमारे छात्र प्राप्त करने का प्रयास करते हैं:

सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंडर पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर पुरस्कार कॉलेज में सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार हैं और तीन धाराओं में दिए जाते हैं: विज्ञान के लिए डॉ छाया बिस्वास सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर पुरस्कार, मानविकी के लिए डॉ मीरा रामचंद्रन सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर पुरस्कार, और वाणिज्य के लिए श्रीमती लाजवंती मलिक मेमोरियल सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर पुरस्कार। इन पुरस्कारों के लिए वो छात्र प्रतिस्पर्धा करते हैं जिन्होंने अकादमिक उत्कृष्टता, अनुसंधान योग्यता, खेल / पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी और कॉलेज जीवन में महत्वपूर्ण योगदान प्रदर्शित किया है। इन पुरस्कारों के लिए सभी अंतिम वर्ष के छात्र अपने संबंधित विभागों के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न स्तरों पर एक स्क्रीनिंग प्रक्रिया से गुजरते हैं, और पुरस्कार समिति अंतिम निर्णय लेती है ।

लंगस्ट्राइडर पुरस्कार

हेमा वी. राघवन लॉन्ग स्ट्राइडर पुरस्कार इस कॉलेज के प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों को दिया जाता है, जिन्होंने गार्गी कॉलेज से स्नातक होने के बाद दस वर्षों के भीतर अपने संबंधित क्षेत्रों में सराहनीय उत्कृष्टता प्रदर्शित की है। यह पुरस्कार उम्मीदवार के महत्वपूर्ण सामाजिक योगदान, इस समय के दौरान अनुसंधान और शैक्षिणिक उत्कृष्टता को स्वीकार करता है।

गार्गी पाथफ़ाइंडर पुरस्कार

महाविद्यालय द्वारा स्थापित गार्गी पाथफाइंडर पुरस्कार छात्रों को संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में मौलिक शोध करने के लिए प्रेरित करता है। प्रतियोगिता छात्र या टीमों को अपनी शोध परियोजनाओं को प्रदर्शित करने की अनुमति देती है, जिसका मूल्यांकन बाहरी सदस्य करते हैं। अनुसंधान में सामाजिक मुद्दे, व्यावसायिक प्रस्ताव या वैज्ञानिक प्रयोग शामिल हो सकते हैं और इसे पावरपॉइंट, फिल्म या कलात्मक उत्पादन जैसे विभिन्न प्रारूपों में प्रस्तुत किया जा सकता है। परिणाम घोषित होने से पहले छात्रों को मौखिक परीक्षा से गुजरना पड़ता है। यह पुरस्कार सभी मानविकी, वाणिज्य और विज्ञान स्नातक छात्रों के लिए है।

शैक्षणिक पुरस्कार

जो छात्र असाधारण शैक्षणिक प्रदर्शन प्रदर्शित करते हैं और प्रत्येक कक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें प्रमाण पत्र और पुरस्कार के माध्यम से मान्यता प्राप्त होती है। दानदाताओं की उदारता के कारण, कई विषयों में विशेष क्षेत्रों में छात्रों के लिए शैक्षणिक नकद पुरस्कार और छात्रवृत्ति की एक श्रृंखला उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, कुछ चुनिंदा छात्रों को नकद पुरस्कार के साथ उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित गार्गी कॉलेज पुरस्कार प्राप्त होता है।

उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार

खेल, एनएसएस और एनसीसी में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार

प्रत्येक वर्ष छात्रों को शैक्षणिक उपलब्धियों के अलावा खेल, एनएसएस, और एनसीसी में उनकी असाधारण और उत्कृष्ट उपलब्धियों उपलब्धियों के लिए पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

अन्य विशेष पुरस्कार

हर साल, महाविद्यालय का वार्षिक दिवस समारोह हमारे योग्य छात्रों को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों की प्रस्तुति के साथ सुशोभित किया जाता है। इनमें सारा थॉमस मेमोरियल अवार्ड है, जो वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ छात्र को दिया जाता है। साथ ही अनुकरणीय नेतृत्व के लिए प्रोफेसर रिहान खान सूरी पुरस्कार, जो कॉलेज छात्र संघ के सबसे सक्रिय सदस्य को दिया जाता है। इसके अतिरिक्त, अंग्रेजी, जर्मन, हिंदी और संस्कृत में सर्वश्रेष्ठ लेख के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ कवर डिजाइन के लिए कॉलेज की वार्षिक पत्रिका अभिव्यक्ति द्वारा पुरस्कार प्रस्तुत किए जाते हैं। इन सब पुरस्कारों के अलावा ललित कला में सर्वश्रेष्ठ छात्र को भी विशिष्ट पुरस्कार दिया जाता है।

शैक्षिक पुरस्कारों की सूची

- गार्गी कॉलेज उत्कृष्टता पुरस्कार - प्रत्येक वर्ष में उच्चतम प्राप्तांक
- ज्ञान खोसला मेमोरियल अवार्ड - बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, प्रथम वर्ष में उच्चतम प्राप्तांक
- श्रीमती कांति त्रिपाठी मेमोरियल अवार्ड - बी.ए. हिंदी (ऑनर्स), तृतीय वर्ष में उच्चतम प्राप्तांक
- डॉ. मंजू धवन मेमोरियल अवार्ड - बी.ए.हिंदी (ऑनर्स), द्वितीय वर्ष में उच्चतम प्राप्तांक
- डॉ. अम्बा प्रसाद पुरस्कार - बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास प्रथम + द्वितीय वर्ष में उच्चतम प्राप्तांक
- श्री और श्रीमती अरोड़ा छात्रवृत्ति - बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र प्रथम + द्वितीय वर्ष में उच्चतम प्राप्तांक
- डॉ. बी. एम. चिंतामणि मेमोरियल अवार्ड - बी.ए. संस्कृत (ऑनर्स), द्वितीय वर्ष में सर्वोच्च एग्रीगेट
- श्री टी. एम. कक्कड़ मेमोरियल अवार्ड - बी.ए. प्रोग्राम, द्वितीय वर्ष में सर्वोच्च प्राप्तांक
- डॉली सहगल मेमोरियल अवार्ड - बी.एल.एड. प्रथम + द्वितीय + तृतीय वर्ष में सर्वोच्च प्राप्तांक
- श्री सुल्तान चंद मेमोरियल छात्रवृत्ति - बी. कॉम. (ऑनर्स) प्रथम + द्वितीय + तृतीय वर्ष में सर्वोच्च प्राप्तांक
- श्री रतन लाल मेमोरियल पुरस्कार - बी. कॉम. (ऑनर्स) प्रथम + द्वितीय वर्ष में उच्चतम प्राप्तांक
- डॉ. उषा अग्रवाल 'तेजस्विता' छात्रवृत्ति - बी. कॉम. प्रोग्राम प्रथम + द्वितीय + तृतीय वर्ष में सर्वोच्च प्राप्तांक
- श्रीमती राज मेहता मेमोरियल छात्रवृत्ति - बी. कॉम. प्रोग्राम प्रथम + द्वितीय वर्ष में उच्चतम प्राप्तांक
- डॉ. ललिता सहगल मेमोरियल अवार्ड - B.Sc (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान, तृतीय वर्ष में सर्वोच्च प्राप्तांक
- श्री एफ.सी. सहगल मेमोरियल अवार्ड - B.Sc (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान, द्वितीय वर्ष में सर्वोच्च प्राप्तांक
- श्रीमती प्रतिभा मुखर्जी मेमोरियल अवार्ड - B.Sc (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान, प्रथम वर्ष में सर्वोच्च प्राप्तांक
- श्री शिव भगवान मुंधरा मेमोरियल छात्रवृत्ति - B.Sc (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान प्रथम + द्वितीय वर्ष में सर्वोच्च प्राप्तांक
- श्री रवि खुल्लर मेमोरियल अवार्ड - B.Sc (ऑनर्स) रसायन विज्ञान तृतीय वर्ष में सर्वोच्च प्राप्तांक
- डॉ. सी. के. खुराना मेमोरियल अवार्ड - B.Sc (ऑनर्स) रसायन विज्ञान प्रथम + द्वितीय वर्ष में उच्चतम प्राप्तांक
- श्री ए. के. श्रीवास्तव मेमोरियल अवार्ड - B.Sc (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी तृतीय वर्ष में सर्वोच्च प्राप्तांक
- श्रीमती लक्ष्मी त्रिवेदी मेमोरियल अवार्ड - B.Sc (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी प्रथम + द्वितीय + तृतीय वर्ष में सर्वोच्च प्राप्तांक
- डॉ. नीलम सचदेवा पुरस्कार - B.Sc (ऑनर्स) जीवविज्ञान तृतीय वर्ष में उच्चतम कुल

सह-शैक्षिक पुरस्कारों की सूची

- डॉ शशि त्यागी पुरस्कार - I + II + III वर्षों में उत्कृष्ट खिलाड़ी
- सुश्री ए. मलाथी छात्रवृत्ति - वर्ष की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, तृतीय वर्ष
- डॉ. रेणु सेठी ट्रॉफी - सर्वश्रेष्ठ एनसीसी कैडेट
- उत्तम सेवक पुरस्कार - राष्ट्रीय सेवा योजना, गार्गी महाविद्यालय का सर्वश्रेष्ठ छात्र
- श्री निर्मल सिंह मेमोरियल अवार्ड - ललित कला में सर्वश्रेष्ठ छात्र
- हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत और जर्मन भाषा में कॉलेज पत्रिका में सर्वश्रेष्ठ लेख
- कॉलेज पत्रिका 'अभिव्यक्ति' के लिए सर्वश्रेष्ठ कवर डिजाइन

उल्लेखनीय पूर्व छात्र

जब आप गार्गी महाविद्यालय से जुड़ते हैं, तो आप जीवन भर के लिए एक संपन्न वैश्विक परिवार में शामिल हो जाते हैं। हमारे असाधारण पूर्व छात्रों ने अपने साहसी, प्रतिभाशाली, जिज्ञासु दिमाग के माध्यम से दुनिया भर में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। 50 से अधिक विभिन्न देशों में लगभग 55,000 गार्गी छात्राएं रहती हैं। हमारे पूर्व छात्रों ने वैज्ञानिक, कवि, लेखक, एथलीट, फैशन डिजाइनर, कार्यकर्ता, संरक्षणवादी, कलाकार और फोटोग्राफर के रूप में अपने क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जब से आप गार्गी कॉलेज के परिसर में कदम रखेंगे, यह समुदाय आपके स्वागत और सहायता के लिए तत्पर रहेगा। पूर्व छात्र समुदाय के स्वयंसेवक पैनल चर्चा, कौशल सेमिनार और इंटर्नशिप जैसी गतिविधियों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद, आपका जीवन आपको जहां भी ले जाए, गार्गी का वैश्विक नेटवर्क आपको जोड़े रखने और आपको सफल होने के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करने के लिए मौजूद रहेगा।

"अधिक जानने के लिए त्वरित प्रत्युत्तर कोड को स्कैन करें।"

जब आपको हमारी सहायता की आवश्यकता हो!

छात्र परामर्श कार्यक्रम

गार्गी महाविद्यालय में जीवन के सभी क्षेत्रों और शैक्षणिक तैयारी के स्तर के छात्रों का स्वागत है। कॉलेज के प्रथम वर्ष के नवागंतुकों के लिए अपनी जगह बनाना मुश्किल हो सकता है। कॉलेज जीवन में आपके परिवर्तन को आसान बनाने के लिए, हमारे पास स्टूडेंट मेंटरिंग प्रोग्राम है। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को कॉलेज और उसके बाद के समय में होने वाली किसी भी समस्या में सहायता करना है। गार्गी कॉलेज में छात्रों को एक अनुभवी "फैकल्टी मेंटर" नियुक्त किया जाता है जो उन्हें अकादमिक रूप से सफल होने में सहायता करेगा और, एक-पर-एक बातचीत के माध्यम से, उन्हें व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए किसी भी आगे के समर्थन की ओर ले जाएगा। छात्रों को अत्यधिक व्यक्तिगत बातचीत में प्रश्न पूछने और सहायता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कॉलेज अपने छात्रों को वास्तविक दुनिया में समायोजित करने में मदद करने के लिए समर्पित है, और यह प्रतिबद्धता प्रथम वर्ष और वरिष्ठ छात्रों दोनों तक फैली हुई है।

कैम्पस में मानसिक स्वास्थ्य सहायता

हमारे छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कॉलेज में एक समर्पित परामर्शदाता है। छात्र हमारी वेबसाइट के माध्यम से अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं। इसके अलावा, प्रत्येक छात्र को दिन-प्रतिदिन के मुद्दों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए एक शिक्षक सलाहकार नियुक्त किया जाता है। इज़हार (मनोविज्ञान विभाग की पहल) और सारथी (शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग की पहल) के रूप में हमारे छात्रों के लिए सहकर्मी समर्थन भी उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, हमने आईबीएचएएस के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है जो हमें मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर कार्यशालाएं, व्याख्यान आदि आयोजित करने में मदद करता है। मनोविज्ञान विभाग के प्रशिक्षित सदस्य भी आवश्यकता पड़ने पर अपने छात्रों को प्रो-बोनो परामर्श प्रदान करके सहायता प्रदान करते हैं। निवारक स्तर पर कॉलेज ने सेंटर फॉर वेलबीइंग की भी शुरुआत की है, जिसने छात्रों को उनकी क्षमता को अधिकतम करने और स्वस्थ जीवन विकल्प चुनने के लिए संतुलित दृष्टिकोण रखने में मदद करने के लिए गतिविधियों की योजना बनाई है।

प्रवेश शिकायत समिति

यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रवेश निष्पक्ष हों, कॉलेज ने एक प्रवेश शिकायत समिति की स्थापना की है। एक केंद्रीय प्रवेश शिकायत समिति भी डीन छात्र कल्याण कार्यालय में स्थित है। अपने प्रवेश के संबंध में किसी भी चिंता की स्थिति में, आवेदकों को कॉलेज की शिकायत समिति से संपर्क करने की दृढ़ता से सलाह दी जाती है। यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं होता है, तो आवेदक केंद्रीय प्रवेश शिकायत समिति से संपर्क कर सकता है। इसके अतिरिक्त, एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस और पीडब्ल्यूडी आवेदकों के लिए अलग शिकायत उप-समितियां भी उपलब्ध हैं। आवेदकों को उनकी चिंताओं और सवालों के समाधान में सहायता करने के लिए, कॉलेज की वेबसाइट और नोटिसबोर्ड शिकायत समितियों के सदस्यों की संपर्क जानकारी प्रदर्शित करते हैं।

शिकायत निवारण समिति:
डॉ. मधु यशपाल (९५९९०९०३०९)

एससी/एसटी/ओबीसी-एनएल/ईडब्ल्यूएस के लिए शिकायत निवारण समिति
डॉ. गीता प्रकाश (९९१११५०९००)

प्रॉक्टोरियल समिति

प्रॉक्टोरियल समिति, जो संकाय सदस्यों और छात्र प्रतिनिधियों से बनी होती है, कॉलेज में अनुशासन बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। एक छात्र के रूप में, सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखना और कॉलेज के नियमों और विनियमों का पालन करना महत्वपूर्ण है।

रैगिंग में शामिल होना एक गंभीर अपराध माना जाता है। इसे रोकने के लिए प्रॉक्टोरियल कमेटी दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-C में उल्लिखित दिशानिर्देशों का पालन करती है। अनुशासन बनाए रखने के लिए, छात्रों को ऐसी किसी भी गतिविधि से बचना चाहिए जिसे अनुचित माना जा सकता है। ऐसी गतिविधियों के उदाहरणों में शामिल हैं:

- इमारत में तोड़फोड़
- संस्थान की संपत्ति को नुकसान पहुंचाना
- शैक्षणिक क्षेत्रों में मोबाइल फोन का उपयोग करना (जैसे व्याख्यान कक्ष और पुस्तकालय)
- कॉलेज आईडी कार्ड का दुरुपयोग करना
- सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुशासनहीनता के रूप में समझे जाने वाले किसी भी अन्य कार्य से भी बचा जाना चाहिए।

प्रॉक्टोरियल समिति के सदस्य:
प्रो. अपराजिता मोहंती (९८१०५६७६११)
डॉ. अनिता भट्ट (९८११३४००४२)

आंतरिक शिकायत समिति

गार्गी कॉलेज में गठित एक आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) यौन उत्पीड़न के खिलाफ नीति के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है। समिति यौन उत्पीड़न की शिकायतों को गंभीरता से लेती है और जांच करती है, पीड़ितों को सहायता और समाधान प्रदान करती है, दंड की अनुशंसा और यदि आवश्यक हो तो अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करती है। यदि आईसीसी प्रथम दृष्टया यौन उत्पीड़न का मामला स्थापित करती है, तो वह एक रिपोर्ट तैयार और प्रस्तुत करने के लिए एक जांच समिति का गठन करेगी। समिति पूरी जांच के दौरान गोपनीयता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। एक बार रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के बाद, अनुरोध किए जाने पर शिकायतकर्ता का नाम और अन्य पहचान संबंधी विवरण गुप्त रखे जाएँगे। रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर, अपराधी के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस प्रॉस्पेक्टस के अंत में संलग्नक में अधिनियम की धाराएँ शामिल हैं जिनमें यौन उत्पीड़न और दोषी पाए गए लोगों के लिए दंड का विवरण दिया गया है। इन अनुभागों को पढ़ना और समझना सभी छात्रों के लिए आवश्यक है।

आंतरिक शिकायत समिति:

पीठासीन अधिकारी
डॉ. बी. वैजयंती (b.vaijayanthi@gargi.du.ac.in; ९८१०५८५२४२)

शिक्षक सदस्य
डॉ. छाया साहनी (chaya.sawhney@gargi.du.ac.in; ८२८७७४३१९०३)

गैर-शिक्षण सदस्य
श्री दीपक चंद्रा (deepakc1083@gmail.com; ९८१०६१०६४८)
श्री बालेश्वर प्रसाद (prasadbalesh@gmail.com; ९८९९२२५८७८)

बाहरी सदस्य
सुश्री ऋचा तिवारी (richatiwari47@gmail.com; ९८७१२३२६३६)

छात्र सदस्य
सुश्री लवली पांडेय (lp991793@gmail.com; ९३११८४०९७२)
सुश्री रुचिका सागर (ruchika08sagar@gmail.com; ९९९९२३४१२९)

गार्गी मीडिया सेल

मार्च २०२० में स्थापित गार्गी कॉलेज मीडिया सेल का, फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे प्लेटफार्मों पर तीन आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट हैं, जिनका लक्ष्य समय के साथ आगे बढ़ने, एक दूसरे से जुड़े रहने और अधिकतम हितधारकों, विशेषकर छात्रों तक पहुंचने के महत्व को स्वीकार करके शिक्षा के मूल्य को बढ़ाना है। हमारे आधिकारिक पोस्ट समुदाय को गार्गी की उपलब्धियों की सटीक तस्वीर देते हैं और कॉलेज परिसर में आयोजित होने वाली नवीनतम घटनाओं (विभिन्न आयोजन, वेबिनार, शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या कार्यक्रमों, आदि) को साझा करने में कॉलेज को सक्षम बनाते हैं। यह छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों, प्रशंसकों और दोस्तों से सीधे और तुरंत प्रतिक्रिया और सुझाव प्राप्त करने का मौका प्रदान करता है, प्रत्यक्ष हितधारकों (अर्थात शिक्षक, छात्र, कर्मचारी, पूर्व छात्र) की कैरियर उपलब्धियों को साझा करता है, और हम सभी में गर्व और प्रेरणा की भावना पैदा करता है। हम छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों को परस्पर जुड़े रहने और जानकार रहने के लिए इन सोशल मीडिया अकाउंट का अनुसरण करने के लिए अत्यधिक प्रोत्साहित करते हैं।

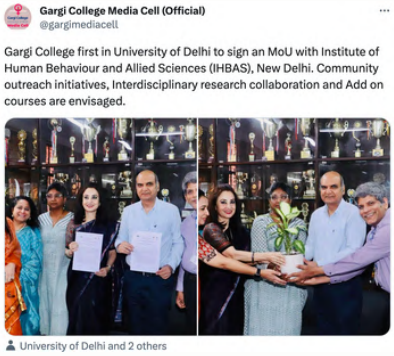

सांस्कृतिक कैलेंडर (२०२३-२०२४)

वनस्पति विभाग	
गतिविधियां/कार्यक्रम	**अस्थायी अनुसूची**
ऐड-ऑन कोर्स की शुरुआत	जून-अप्रैल
पूर्व छात्र व्याख्यानमाला की शुरुआत	जुलाई -अप्रैल
आगामी बैच के लिए विभागीय उन्मुखीकरण	जुलाई
जीसीबीएस उद्घाटन कार्यक्रम	जुलाई-अगस्त
नवागत स्वागत कार्यक्रम	अगस्त
अतिथि वक्ता द्वारा शैक्षणिक व्याख्यान/वार्ता (समग्र कल्याण और शिक्षा एवं अनुसंधान विकास पर आधारित)	अगस्त - मार्च
छात्र अनुसंधान परियोजनाएं	जुलाई -अप्रैल
वृक्षारोपण अभियान	जुलाई-अगस्त
विभागीय/अंतर-विभागीय/अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन	अगस्त - अप्रैल (महीने में एक बार)
शिक्षक दिवस, ओजोन दिवस, विश्व विज्ञान दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और पृथ्वी दिवस जैसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्मारक दिवस/कार्यक्रमों का उत्सव	५ सितंबर १६ सितंबर १० नवंबर २८ फ़रवरी २२ अप्रैल
छात्र संवर्धन/कौशल वृद्धि कार्यक्रम (वेबिनार/कार्यशाला/सम्मेलन)	अगस्त - अप्रैल
छात्र-पूर्व छात्र की बातचीत	नवम्बर-दिसम्बर
विज्ञान महोत्सव 'सिंटिलेशन'	फ़रवरी - मार्च
फ्लावर शो 'गार्गी ब्लूम्स 2023' और पौधा वितरण	मार्च - अप्रैल
फील्ड ट्रिप/औद्योगिक दौरा	मार्च - अप्रैल
निवर्तमान विद्यार्थियों को विदाई	अप्रैल
जीसीबीएस समापन समारोह	अप्रैल
पूर्व छात्रों की बैठक	अप्रैल
शिक्षक-छात्र संवाद	महीने में एक बार
शिक्षक-गैर-शिक्षण कर्मचारी संवाद	महीने में दो बार
विभागीय बैठकें	महीने में एक बार
सलाहकार-संरक्षक बातचीत	महीने में एक बार

रसायन विज्ञान विभाग	
गतिविधियां/कार्यक्रम	**अस्थायी अनुसूची**
रसगंधायन संघ चुनाव	जुलाई/अगस्त
नवागत स्वागत कार्यक्रम	अगस्त
उद्घाटन भाषण (प्रख्यात वक्ता-I द्वारा शैक्षणिक व्याख्यान/वार्ता)	अगस्त
शिक्षक दिवस समारोह	५ सितंबर
ओजोन दिवस समारोह (छात्र प्रतियोगिता-I)	१६ सितंबर
प्रख्यात वक्ता-II द्वारा शैक्षणिक व्याख्यान/वार्ता	सितंबर/अक्टूबर
छात्र प्रतियोगिता - II	अक्टूबर/नवंबर
पूर्व छात्रों के साथ बातचीत (एमएससी आईआईटी जेएएम, पीएचडी की तैयारी कैसे करें और बीएससी के बाद करियर विकल्प)"	नवंबर
पूर्व छात्र वार्षिक सम्मेलन एवं डिग्री वितरण	दिसंबर
शैक्षिक यात्रा/औद्योगिक यात्रा	जनवरी
सी. के. खुराना मेमोरियल व्याख्यान (प्रख्यात वक्ता -III द्वारा शैक्षणिक व्याख्यान/वार्ता)	फ़रवरी
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह (छात्र प्रतियोगिता-III)	२८ फ़रवरी
सिंटिलेशन के दौरान गतिविधियाँ	मार्च/अप्रैल
"प्रख्यात वक्ता-IV का व्याख्यान एवं वार्षिक पत्रिका अमलगम का विमोचन	अप्रैल
तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह	अप्रैल

वाणिज्य विभाग	
गतिविधियां/कार्यक्रम	**अस्थायी अनुसूची**
इंडक्शन	अगस्त
नई भर्तियाँ	
पाथफाइंडर ओरिएंटेशन	
उद्यमिता सम्मेलन	सितंबर
लरनोंवेशन	अक्टूबर
लरनोंवेशन	जनवरी
कैसकेड	फ़रवरी
लरनोंवेशन	मार्च
पाथफाइंडर प्रतियोगिता (वाणिज्य विभाग)	अप्रैल
विदाई समारोह	

इतिहास विभाग	
गतिविधियां/कार्यक्रम	अस्थायी अनुसूची
प्रख्यात वक्ता द्वारा शैक्षणिक व्याख्यान/वार्ता	अगस्त
पूर्व छात्रों के साथ कार्यशाला	सितंबर
हेरिटेज वॉक/बातचीत	अक्टूबर
बातचीत/पुस्तक चर्चा	नवंबर
प्रख्यात वक्ता द्वारा शैक्षणिक व्याख्यान/वार्ता	दिसंबर
प्रख्यात वक्ता द्वारा शैक्षणिक व्याख्यान/वार्ता	जनवरी
"विभाग महोत्सव, अंतराल"	फ़रवरी
प्रख्यात वक्ता द्वारा शैक्षणिक व्याख्यान/वार्ता	मार्च
राष्ट्रीय संग्रहालय का भ्रमण	अप्रैल
प्रख्यात वक्ता द्वारा शैक्षणिक व्याख्यान/वार्ता	अगस्त

गणित विभाग	
गतिविधियां/कार्यक्रम	अस्थायी अनुसूची
सेमिनार	सितंबर १, २०२३
कार्यशाला	सितंबर २७, २०२३
कैरियर परामर्श सत्र	अक्टूबर १८, २०२३
पेपर परस्तुति	नवंबर २२, २०२३
सेमिनार	फ़रवरी ७, २०२४

सूक्ष्मजैविकी	
गतिविधियां/कार्यक्रम	अस्थायी अनुसूची
GERMS पदाधिकारियों के लिए चुनाव; नोटिस बोर्ड तैयार करना	जुलाई २०२३
अरावली जैव विविधता पार्क का दौरा; पाठ्येतर गतिविधि	अगस्त
किसी विरासत स्मारक/विरासत वॉक वेबिनार का दौरा	सितंबर
पाठ्येतर गतिविधि; स्वच्छता अभियान	अक्टूबर
टीबीआई सुविधा का औद्योगिक दौरा यूडीएससी वेबिनार/स्थापना दिवस गतिविधि	नवंबर
इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सुविधा का दौरा	जनवरी २०२४
शैक्षणिक व्याख्यान/वार्ता	फ़रवरी

दर्शनशास्त्र विभाग	
गतिविधियां/कार्यक्रम	**अस्थायी अनुसूची**
अभिविन्यास/नवागत स्वागत कार्यक्रम	कॉलेज शेड्यूल के अनुसार
शैक्षणिक व्याख्यान/वार्ता	सितंबर-अक्टूबर
किसी भी एक सामाजिक कार्य की पहल	अगस्त-सितंबर
अध्ययन यात्रा	मिड-सेम ब्रेक
वार्षिक उत्सव: डायलेक्टिका	जनवरी २०२४
शैक्षणिक व्याख्यान/वार्ता	फ़रवरी-मार्च
मीमांसा: दार्शनिक समाज	ईसीए ब्रेक के दौरान महीने में एक बार

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग	
गतिविधियां/कार्यक्रम	**अस्थायी अनुसूची**
सभी गार्गी विद्यार्थियों के लिए फिटनेस सत्र की शुरुआत	जुलाई २०२३
गार्गी ओलंपियाड इंटर स्ट्रीम खेल प्रतियोगिताएं 2023-24	अगस्त २०२३-फ़रवरी २०२४
नव प्रवेशित खेल छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम	अगस्त २०२३
मौजूदा कॉलेज खेलों में खेल विशिष्ट कोचिंग कार्यक्रम	अगस्त २०२३-मार्च २०२४
शिक्षक दिवस समारोह	सितंबर २०२३
शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए खेल-पूर्व गतिविधियाँ	जनवरी-फ़रवरी २०२३
SPIN'24 - वार्षिक खेल प्रतियोगिता 2023-24	फ़रवरी २०२३
विदाई या मिलन समारोह	मार्च-अप्रैल २०२३

भौतिक विज्ञान विभाग	
गतिविधियां/कार्यक्रम	**अस्थायी अनुसूची**
विभाग उन्मुखीकरण	अगस्त २०२३
विभागीय संघ चुनाव - ई-मतदान	अगस्त २०२३
शिक्षक दिवस समारोह	५ सितंबर २०२३
फ्रेशर डे का जश्न	सितंबर २०२३
उद्घाटन व्याख्यान	सितंबर २०२३
इंटर/इंट्रा कॉलेज विज्ञान प्रश्नोत्तरी	अक्टूबर २०२३
प्रख्यात वक्ता द्वारा व्याख्यान	जनवरी २०२४
कार्यशाला	जनवरी/फ़रवरी २०२४
प्रतियोगिता	फ़रवरी २०२४
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह	२८ फ़रवरी २०२४
साइंटिलेशंस	मार्च २०२४
विभागीय विदाई समारोह	अप्रैल २०२४
स्वस्तिवाचनिक समारोह	अप्रैल २०२४

मनोविज्ञान विभाग	
गतिविधियां/कार्यक्रम	**अस्थायी अनुसूची**
प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए क्षेत्र का दौरा (विकासमूलक मनोविज्ञान) गौरव दिवस जागरूकता कार्यक्रम	जून २०२३
सेमेस्टर I के छात्रों के लिए विभागीय अभिविन्यास समग्र कल्याण भाग 1 प्रकृति और मनोवैज्ञानिक कल्याण (विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस समारोह) विश्व मस्तिष्क दिवस समारोह	जुलाई २०२३
स्वदेशी मनोविज्ञान (स्वदेशी लोग दिवस समारोह) विभागीय स्वतंत्रता दिवस समारोह फ़िल्म स्क्रीनिंग एवं चर्चा समग्र कल्याण भाग 2	अगस्त २०२३
आत्महत्या रोकथाम सप्ताह- जागरूकता कार्यक्रम" अनुसंधान लेखन कौशल भाग 1 समग्र कल्याण भाग 3 (महिला स्वास्थ्य सप्ताह) शांति मनोविज्ञान (अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस समारोह)	सितंबर २०२३
दान उत्सव विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस समारोह वैश्विक मीडिया और सूचना साक्षरता सप्ताह समारोह सामुदायिक क्षेत्र का दौरा शोध लेखन कौशल भाग 2	अक्टूबर २०२३

मनोविज्ञान विभाग (जारी)	
गतिविधियां/कार्यक्रम	**अस्थायी अनुसूची**
तनाव जागरूकता दिवस, महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस, अनुसंधान लेखन कौशल भाग 3 साइफ़िएस्टा - वार्षिक विभागीय संगोष्ठी	नवंबर २०२३
विकलांग व्यक्तियों का उत्सव पूर्व छात्रों से बातचीत	दिसंबर २०२३
युवा मनोविज्ञान (राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह) पूर्व छात्रों की सगाई, फिल्म स्क्रीनिंग और चर्चा शोध लेखन कौशल भाग 4	जनवरी २०२४
भाषाओं की विविधता: मनोविज्ञान में अनुसंधान (अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस समारोह), समग्र कल्याण भाग - 4, अनुसंधान लेखन कौशल भाग 5	फ़रवरी २०२४
अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस समारोह हर कोई अपना है (विश्व सद्भाव दिवस समारोह) समग्र कल्याण भाग-5	मार्च २०२४

प्राणी विज्ञान विभाग	
गतिविधियां/कार्यक्रम	**अस्थायी अनुसूची**
नए छात्र संघ का उद्घाटन और अलंकरण समारोह	जुलाई २०२३
बैच '27 के लिए फ्रेशर समारोह	अगस्त २०२३
विश्व हाथी दिवस पर 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' की स्क्रीनिंग	अगस्त १२, २०२३
एलमकनेक्ट- पूर्व छात्र संवाद कार्यक्रम	अगस्त २०२३
शिक्षक दिवस समारोह	सितंबर ०५, २०२३
सांकेतिक भाषा कार्यशाला	सितंबर २३, २०२३
हरवेलबेंग श्रृंखला (मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह)	अक्टूबर ६, २०२३
इन्फोग्राफिक्स बनाने की प्रतियोगिता	नवंबर २०२३
दान अभियान	जनवरी २०२४
वैज्ञानिक काव्य प्रतियोगिता	जनवरी २०२४
राष्ट्रीय पक्षी दिवस पर पक्षी फोटोग्राफी प्रतियोगिता	जनवरी ०५, २०२४
गणतंत्र दिवस समारोह	जनवरी २६, २०२४
डार्विन दिवस	फ़रवरी १२, २०२४
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	फ़रवरी २८, २०२४
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	मार्च ८, २०२४
सिंटिलेशंस	मार्च २०२४
बैच '24' के लिए विदाई	अप्रैल २०२४

जेनिथ - लाइफ साइंस एसोसिएशन	
गतिविधियां/कार्यक्रम	**अस्थायी अनुसूची**
उद्घाटन व्याख्यान	अगस्त ०४, २०२३
मेहँदी कला और पेबल पेंटिंग	अगस्त २३, २०२३
औद्योगिक दौरा	सितंबर २०, २०२३
कैरियर परामर्श सत्र 1	अक्टूबर १३, २०२३
"पेपर प्रस्तुति विज्ञान और असाधारण गतिविधियाँ"	अक्टूबर २७ २०२३
दिवाली समारोह	नवंबर ०३, २०२३
शतरंज	नवंबर २९, २०२३

विद्यार्थी परिषद	
गतिविधियां/कार्यक्रम	**अस्थायी अनुसूची**
वक्ता सत्र - 1	जून, जुलाई, अगस्त २०२३
फ्रेशर्स ओरिएंटेशन	अगस्त ७-८, २०२३
फ्रेशर्स दिवस	अगस्त १३, २०२३
स्वतंत्रता दिवस समारोह	अगस्त १४, २०२३ (सांस्कृतिक कार्यक्रम) अगस्त १५, २०२३ (ध्वज आरोहण)
वक्ता सत्र - 2	अगस्त और सितंबर २०२३
शिक्षक दिवस समारोह	सितंबर ५, २०२३
ज़िस्तत्व	नवंबर ६, २०२३
गणतंत्र दिवस (ध्वजारोहण समारोह)	जनवरी २६, २०२३
रेवेरी	जनवरी ३१ - फ़रवरी ०१, २०२४
वार्षिक दिवस	अप्रैल ०९, २०२४
बिदाई समारोह	अप्रैल २५, २०२४

सामान्य नियम @ गार्गी

उपस्थिति मानदंड

दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार सेमेस्टर/वार्षिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए गार्गी कॉलेज में उपस्थिति एक अनिवार्य आवश्यकता है। प्रवेश चाहने वालों और उनके अभिभावकों से इस नीति पर ध्यान देने का आग्रह किया जाता है। छात्रों के लिए शैक्षणिक वर्ष के प्रत्येक सेमेस्टर के दौरान कॉलेज में दिए गए सभी व्याख्यानों में से कम से कम दो-तिहाई व्याख्यानों में भाग लेना अनिवार्य है। यह ध्यान रखना अनिवार्य है कि यह आवश्यकता सभी विषयों, ट्यूटोरियल और प्रैक्टिकल पर लागू होती है।

उपस्थिति मुद्दों से संबंधित छात्रों को पत्र प्राप्त होंगे, और एक समिति उनकी स्थिति की समीक्षा करके निर्णय लेगी कि उन्हें परीक्षा में बैठने से रोका जाए या नहीं। प्रधानाचार्य को उस छात्र का नाम काटने का अधिकार होगा जो चेतावनी के बावजूद उपस्थिति में अत्यधिक अनियमित है, या जब छात्र की अनुपस्थिति इतनी लंबी अवधि के लिए है कि वह अपेक्षित प्रतिशत उपस्थिति नहीं बना सकती है।

व्याख्यान और ट्यूटोरियल में नियमित उपस्थिति महत्वपूर्ण है और इसे 5% वेटेज के साथ पुरस्कृत किया जाएगा। प्रत्येक पेपर में नियमितता का क्रेडिट निम्नानुसार निर्धारित किया जाएगा:

- 67% से 70% से कम उपस्थिति के लिए 1 अंक
- 70% से 75% से कम उपस्थिति के लिए 2 अंक
- 75% से 80% से कम उपस्थिति के लिए 3 अंक
- 80% से 85% से कम उपस्थिति के लिए 4 अंक
- 85% या उससे अधिक उपस्थिति पर 5 अंक

SCAN ME

पहचान पत्र

प्रवेश के तुरंत बाद प्रत्येक छात्र को नाम, पता और फोन नंबर का विवरण देने वाला एक पहचान पत्र जारी किया जाता है। छात्रों को हर दिन कॉलेज जाते समय, साथ ही पुस्तकालय का उपयोग करते समय अपना पहचान पत्र अपने साथ रखना अनिवार्य है। पहचान पत्र प्रस्तुत न करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है। यदि पहचान पत्र खो जाता है, तो छात्रों को कॉलेज को सूचित करना होगा और पुलिस के पास दर्ज एफआईआर (प्रथम सूचना रिपोर्ट) की एक प्रति प्रदान करनी होगी। पहचान पत्र कॉलेज की संपत्ति बना रहता है और किसी भी कॉलेज या सुरक्षा कर्मचारी के अनुरोध पर इसे प्रस्तुत या प्रस्तुत किया जाना चाहिए। कार्ड खो जाने की स्थिति में, आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद डुप्लिकेट जारी किया जाएगा।

नोटिस बोर्ड & कॉलेज की वेबसाइट

कक्षा की समय सारणी, परीक्षा, उपस्थिति, छुट्टियों, फ़ेलोशिप, छात्रवृत्ति और अन्य गतिविधियों की महत्वपूर्ण जानकारी नियमित रूप से कॉलेज के नोटिस बोर्ड और वेबसाइट (https://gargicollege.in/) पर पोस्ट की जाती है। छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे कॉलेज में होने वाली गतिविधियों के बारे में सूचित रहने के लिए इन स्रोतों की बार-बार जाँच करें। कृपया ध्यान दें कि कोई भी नोटिस को पढ़ने में विफल रहने, गैर-अनुपालन या देरी के लिए वैध बहाना नहीं माना जाएगा।

संपर्क जानकारी

आवासीय (स्थायी/स्थानीय) पते या/और फोन नंबर में किसी भी बदलाव को माता-पिता/अभिभावक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित लिखित रूप में कार्यालय को तुरंत सूचित किया जाना अनिवार्य है। यह एक विनियमन है जिसका पालन यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि कॉलेज के पास सही जानकारी है। सूचना न देने के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी समस्या (जैसे कि कागजात गलत पते पर पहुँचना या कॉलेज के पास सही फ़ोन नंबर न होना) के लिए कॉलेज को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

प्रासंगिक विश्वविद्यालय अध्यादेश

छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना

अध्यादेश XV-बी. विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी अधिकार कुलपति में निहित हैं।
2. कुलपति प्रॉक्टर और ऐसे अन्य व्यक्तियों को सभी या ऐसी शक्तियां प्रत्यायोजित कर सकता है जो वह इस संबंध में विनिर्दिष्ट करे।
3. अध्यादेश के तहत अनुशासन को लागू करने की शक्ति की व्यापकता के पूर्वाग्रह के बिना, निम्नलिखित को घोर अनुशासनहीनता के कृत्यों के बराबर माना जाएगा: (ए) किसी भी संस्थान / विभाग के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के किसी भी सदस्य के खिलाफ और दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर किसी भी छात्र के खिलाफ शारीरिक हमला, या शारीरिक बल का उपयोग करने की धमकी; (बी) किसी भी हथियार को ले जाना, उपयोग करना या उपयोग करने की धमकी; (ग) नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के उपबंधों का कोई उल्लंघन; (घ) अनुसूचित जातियों और जनजातियों के विद्याथयों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन; (ङ) कोई प्रथा- चाहे वह मौखिक हो या अन्यथा- महिलाओं के प्रति अपमानजनक हो; (च) किसी भी तरीके से रिश्वत या भ्रष्टाचार का कोई प्रयास; (छ) संस्थागत संपत्ति को जानबूझकर नष्ट करना; (ज) धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर दुर्भावना या असहिष्णुता पैदा करना; (i) विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षिक कार्यकरण के किसी भी तरीके में व्यवधान उत्पन्न करना; (ञ) अध्यादेश XV-C के अनुसार रैगिंग।
4. अनुशासन बनाए रखने से संबंधित अपनी शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई करना जो उसे उचित लगे, कुलपति, अपनी उपरोक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश दे सकता है या निर्देश दे सकता है कि किसी भी छात्र या छात्रा - (ए) को निष्कासित कर दिया जाए; या (बी) एक निर्दिष्ट अवधि के लिए निष्कासित कर दिया जाएगा; या (सी) विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज, विभाग या संस्थान में किसी पाठ्यक्रम या पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं दिया जाएगा; या (डी) निर्दिष्ट रुपये की राशि का जुर्माना लगाया जा सकता है; या (ई) एक या अधिक वर्षों के लिए विश्वविद्यालय या कॉलेज या विभागीय परीक्षा या परीक्षा देने से रोक दिया जाएगा; या (एफ) संबंधित छात्र या छात्रा का परिणाम रद्द कर दिया जाएगा, जिस परीक्षा या परीक्षा में वह उपस्थित हुआ है।
5. कॉलेजों के प्राचार्यों, हॉलों के प्रमुखों, संकायों के डीन, विश्वविद्यालय में शिक्षण विभागों के प्रमुखों, प्रिंसिपल, ओपन लर्निंग स्कूल और पुस्तकालयाध्यक्षों को अपने संबंधित कॉलेजों, संस्थानों, संकायों और विश्वविद्यालय में शिक्षण विभागों में छात्रों पर ऐसी सभी अनुशासनात्मक शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार होगा जो संबंधित विभागों में संस्थानों, हॉलों और शिक्षण के उचित संचालन के लिए आवश्यक हो सकते हैं। वे अपने अधिकारों का प्रयोग अपने कॉलेजों, संस्थानों या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से कर सकते हैं या उन्हें अधिकार सौंप सकते हैं जिन्हें वे इन उद्देश्यों के लिए निर्दिष्ट कर सकते हैं।
6. कुलपति और प्रॉक्टरों की उपरोक्त शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे। इन नियमों को, जहां आवश्यक हो, इस विश्वविद्यालय में कॉलेजों के प्राचार्यों, हॉलों के प्रमुखों, संकायों के डीन और शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा पूरक किया जा सकता है। प्रत्येक विद्यार्थी से अपेक्षा की जाएगी कि वह स्वयं को इन नियमों की एक प्रति उपलब्ध कराए। प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणा पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होगी कि प्रवेश पर वह खुद को कुलपति और विश्वविद्यालय के कई अधिकारियों के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के अधीन प्रस्तुत करता है, जिनके पास अनुशासन का अभ्यास करने का अधिकार निहित हो सकता है। अधिनियमों, क़ानूनों, अध्यादेशों और नियमों के तहत जो विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए हैं।

अध्यादेश XV-सी. रैगिंग के लिए दंड और निषेध

1. कॉलेज/विभाग या संस्थान के परिसर और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी हिस्से के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन पर किसी भी रूप में रैगिंग सख्ती से प्रतिबंधित है।
2. रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता है और इससे इस अध्यादेश के तहत निपटा जाएगा।
3. इस अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए रैगिंग का सामान्यतः अर्थ है कोई भी कार्य, संचालन अभ्यास जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्रों की प्रमुख शक्ति या स्थिति को नए नामांकित छात्रों या ऐसे छात्रों पर लागू किया जाता है जिन्हें किसी भी तरह से अन्य छात्रों द्वारा जूनियर या हीन माना जाता है; और इसमें व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या प्रथाएं शामिल हैं जिनमें - (ए) शारीरिक हमला या शारीरिक बल के उपयोग की धमकी शामिल है; (बी) महिला छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करता है; (सी) अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना; (डी) छात्रों को उपहास और अवमानना के लिए उजागर करना और उनके आत्मसम्मान को प्रभावित करना; (ई) मौखिक दुर्व्यवहार और आक्रामकता, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार शामिल हैं।
4. किसी कॉलेज के प्राचार्य, विभाग या संस्थान के प्रमुख, कॉलेज या विश्वविद्यालय छात्रावास या निवास हॉल के अधिकारी रैगिंग की घटना की किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।
5. उपरोक्त खंड (4) में किसी भी बात के बावजूद, प्रॉक्टर रैगिंग की किसी भी घटना की स्वत: संज्ञान लेकर जांच कर सकता है और रैगिंग में शामिल लोगों की पहचान और घटना की प्रकृति के बारे में कुलपति को रिपोर्ट कर सकता है।
6. प्रॉक्टर रैगिंग के अपराधियों की पहचान और रैगिंग घटना की प्रकृति स्थापित करने वाली एक प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है।
7. यदि किसी कॉलेज के प्राचार्य या विभाग या संस्थान के प्रमुख या प्रॉक्टर इस बात से संतुष्ट हैं कि किसी कारण से, लिखित रूप में दर्ज की जाने वाली, ऐसी जांच करना उचित रूप से व्यावहारिक नहीं है, तो वह कुलपति को सलाह दे सकते हैं इसलिए।
8. जब कुलपति संतुष्ट हो जाए कि ऐसी जांच कराना समीचीन नहीं है, तो उसका निर्णय अंतिम होगा
9. खंड (5) या (6) के तहत एक रिपोर्ट की प्राप्ति पर या खंड (7) के तहत संबंधित प्राधिकारी द्वारा खंड 3 (ए), (बी) और (सी) में वर्णित रैगिंग की घटनाओं का खुलासा करने वाले निर्धारण पर, कुलपति किसी छात्र या छात्रा को विशिष्ट वर्षों के लिए निष्कासित करने का निर्देश या आदेश देगा।
10. रैगिंग के अन्य मामलों में कुलपति आदेश या निर्देश दे सकता है कि किसी भी छात्र या छात्रा को निष्कासित कर दिया जाए या एक निश्चित अवधि के लिए न रखा जाए, किसी कॉलेज में अध्ययन के पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाए, एक या अधिक वर्षों के लिए विभागीय परीक्षा दी जाए या परिणाम न दिए जाएं। संबंधित छात्र या छात्राएं जिस परीक्षा या परीक्षा में शामिल हुए थे, उसे रद्द कर दिया जाए।
11. यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करने वाला कोई भी छात्र दोषी पाया जाता है; इस अध्यादेश के तहत विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री या डिप्लोमा को वापस लेने पर परिनियम 15 के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।
12. इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, रैगिंग के लिए उकसाना, चाहे वह किसी कार्य, अभ्यास या रैगिंग के लिए उकसाना हो, भी रैगिंग की श्रेणी में आएगा।
13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के भीतर सभी संस्थान इस अध्यादेश के तहत जारी निर्देशों/निर्देशों को पूरा करने के लिए बाध्य होंगे, और अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने के लिए कुलपति को सहायता प्रदान करेंगे।

जहां इस अध्यादेश के तहत किसी प्राधिकारी द्वारा रैगिंग की घटनाओं की सूचना कुलपति को दी जाती है, वहां रैगिंग में शामिल छात्रों को आदेश में निर्दिष्ट एक निर्दिष्ट अवधि के लिए निष्कासित कर दिया जाएगा। रैगिंग की रिपोर्ट में शामिल गैर-छात्रों पर भारत के आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी; उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी संस्थान में नामांकन लेने से पांच साल की अवधि के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। जिन छात्रों के खिलाफ इस नोट के तहत आवश्यक कार्रवाई की गई है, उन्हें प्राकृतिक न्याय के नियमों का सख्ती से पालन करते हुए निर्णय के बाद सुनवाई का मौका दिया जाएगा।

अध्यादेश XV-डी. यौन उत्पीड़न

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के कार्यान्वयन और भारत सरकार द्वारा इसकी अधिसूचना के बाद, दिल्ली विश्वविद्यालय ने एक अधिसूचना (नंबर एस्टाब.II(1)/27/एसीसी) जारी की। /2006/) 9 जनवरी 2014 को। यह घोषणा करते हुए कि अधिनियम के प्रावधान विश्वविद्यालय अध्यादेश XV-D का स्थान लेते हैं। इसके अतिरिक्त, 16 जनवरी 2014 की अपनी अधिसूचना संख्या Estab.II(i)/027/ACC/2006 के माध्यम से, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अधिनियम के अनुसार अपनी आंतरिक शिकायत समिति की स्थापना की। विश्वविद्यालय ने अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सभी कॉलेजों और संस्थानों को अपनी आंतरिक शिकायत समितियां बनाने का निर्देश दिया।

2013 अधिनियम के अनुसार, दिल्ली विश्वविद्यालय अपने सभी छात्रों, शैक्षणिक कर्मचारियों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक शैक्षणिक और कार्य वातावरण बनाए रखने के लिए समर्पित है जो किसी भी प्रकार के यौन उत्पीड़न से मुक्त है।

यौन उत्पीड़न में निम्नलिखित शामिल होंगे, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं होंगे:

- जब अंतर्निहित रूप से या स्पष्ट रूप से अवांछित यौन प्रस्ताव, यौन अनुग्रह के लिए अनुरोध, और यौन प्रकृति के मौखिक या शारीरिक आचरण किया जाता है, तो दिल्ली विश्वविद्यालय में रोजगार, शैक्षणिक प्रदर्शन, पाठ्येतर गतिविधियों, या सेवाओं या अवसरों की पात्रता से संबंधित किसी भी निर्णय के लिए आधार बनाया जाता है।
- जब अवांछित यौन संबंध, मौखिक और गैर-मौखिक और/या शारीरिक आचरण जैसे भरी हुई टिप्पणियाँ, टिप्पणियाँ या चुटकुले, पत्र, फोन कॉल या ई-मेल, इशारे, अश्लील साहित्य का प्रदर्शन, घूरना, शारीरिक संपर्क, पीछा करना, अपमानजनक ध्वनियां या प्रदर्शन जिसका उद्देश्य और/या प्रभाव किसी व्यक्ति के प्रदर्शन में हस्तक्षेप करना या डराने वाला, शत्रुतापूर्ण या आपत्तिजनक वातावरण बनाना हो।
- जब कोई व्यक्ति यौन उद्देश्य के साथ, शरीर या उसके किसी भी हिस्से या किसी भी वस्तु को किसी अन्य व्यक्ति की सहमति के बिना या व्यक्ति की इच्छा के खिलाफ शरीर के विस्तार के रूप में उपयोग करता है, तो ऐसा आचरण यौन हमले के बराबर होगा।
- जब अपमानजनक टिप्पणियां, आचरण, या ऐसा कोई व्यवहार व्यक्ति की लिंग पहचान/यौन अभिविन्यास परआधारित होता है और / या जब विश्वविद्यालय की कक्षा या अन्य सार्वजनिक मंच का उपयोग किसी व्यक्ति की लिंग पहचान / यौन अभिविन्यास के आधार पर शत्रुतापूर्ण वातावरण बनाने के लिए किया जाता है।

टीम विवरणिका

डॉ. मधु यशपाल
प्राणी विज्ञान विभाग
संयोजिका

डॉ. सबीन एच. रिज़वी
मनोविज्ञान विभाग
सह संयोजिका

डॉ. अलका गर्ग
भौतिक विज्ञान विभाग

डॉ.ममता त्रिपाठी
संस्कृत विभाग

डॉ. सुचित्रा
संस्कृत विभाग

डॉ. बबीता गौड़
पुस्तकालय अध्यक्ष

श्री सिद्धार्थ राठौड़
अर्थशास्त्र विभाग

डॉ आकांक्षा मदान
वनस्पति विज्ञान विभाग

क्रेडिट

फोटो

श्री राजन, ईशान स्टूडियो (9810044582)
सुश्री प्रियंवदा, बी.एससी (ऑनर्स) ज़ूलॉजी, द्वितीय वर्ष

वीडियो

डॉ. उदिता मुखर्जी, जंतु विज्ञान विभाग
सुश्री आरती वेंकटेशन, बी.एससी (ऑनर्स) जंतु विज्ञान (बैच २०२३)
सुश्री सुहाना, बी.एससी (ऑनर्स) जंतु विज्ञान (बैच २०२३)

"जीवन का सबसे बड़ा आनंद एक पौधे को बढ़ते हुए देखना है - बीज से अंकुर, हरी शाखा से टहनी, फूल और फल।" कॉलेज का समय एक ऐसा चरण है जो शायद किसी के जीवन के सबसे यादगार हिस्सों में से एक है। यह वह समय है जब कोई खुद को बेहतर तरीके से जानना शुरू कर सकता है, अपनी प्रतिभा और रुचियों की ऊंचाइयों और सीमाओं की खोज करना शुरू कर सकता है, अपने करियर विकल्पों और भविष्य की संभावनाओं को ठोस बनाना शुरू कर सकता है, और आने वाले शेष समय के लिए अपने चरित्र को मजबूत करना शुरू कर सकता है। तो फिर, यह किसी के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है। लेकिन कॉलेज कोई इमारत, उसकी दीवारें या कमरे नहीं हैं, बल्कि यह छात्रों, शिक्षकों और इससे जुड़े सभी लोगों की पीढ़ी का दिल है, जहां सच्ची संस्था मौजूद है और जहां पूरा जादू होता है। सभी प्रयासों की सफलता की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ; मुझे आशा है कि यह पत्रिका अपने सभी उद्देश्यों को प्राप्त करने में भी सफल होगी।

ढेर सारे प्यार और गर्मजोशी के साथ

~ उम्मुल खेर (बैच २०११)
दिल्ली सीमा शुल्क, एयर कार्गो आयात आयुक्तालय में उपायुक्त

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैंने 2022 की यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 352वीं रैंक हासिल की है। मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने प्रिय परिवार, दोस्तों और उन संस्थानों के निरंतर प्रोत्साहन को देता हूं जिन्होंने मेरे विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैं विशेष रूप से गार्गी कॉलेज का आभारी हूं, जहां मैंने राजनीति विज्ञान में ऑनर्स के साथ स्नातक की डिग्री पूरी की। कॉलेज ने न केवल पाठ्यक्रम के माध्यम से बल्कि मेरी आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल का पोषण करके एक मजबूत शैक्षणिक आधार प्रदान किया। इससे मुझे अपनी जिज्ञासु प्रकृति को बनाए रखने में मदद मिली है और यह मेरी पूरी यात्रा में एक मूल्यवान संपत्ति साबित हुई है। अपनी पढ़ाई के साथ-साथ, मैं क्रिज़िंग सोसाइटी, महिला विकास केंद्र और एनएसएस जैसे विभिन्न समाजों में सक्रिय रूप से शामिल हुई, जिससे मुझे अपने कौशल को निखारने और जीवन के प्रति अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाने में मदद मिली। गार्गी कॉलेज ने मुझे विविध पृष्ठभूमि के लोगों से परिचित कराया, जिससे मुझमें सहानुभूति और दयालुता विकसित करने में सक्षम हुए। एक सिविल सेवक के रूप में, मैं इन मूल्यों को अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन दोनों में लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

~संस्कृति त्रिवेदी (बैच २०१९)
सिविल सेवक, भारत सरकार

गार्गी में अपने समय के दौरान, मैं अपनी शैक्षणिक क्षमता का विस्तार करने और अपने व्यक्तिगत विकास को निखारने में सक्षम हुई। सांस्कृतिक समाजों और क्लबों की बहुतायत ने एक सशक्त और स्वीकार्य माहौल को बढ़ावा दिया और मुझे एक ऐसा समुदाय हासिल करने में मदद की जो सहायक और समावेशी था। गार्गी न केवल अकादमिक उत्कृष्टता की वकालत करती है बल्कि अपने छात्रों को महानता के लिए प्रयास करने के लिए भी प्रेरित करती है।

~ आरती वेंकटेशन (बैच २०२३)
स्नातकोत्तर छात्र, हेलसिंकी विश्वविद्यालय

मेरी स्नातक की डिग्री के लिए गार्गी कॉलेज में अध्ययन करना वास्तव में एक पुरस्कृत अनुभव था। उन तीन वर्षों के दौरान, विज्ञान के प्रति मेरा प्रेम बढ़ा, जिसने मुझे डॉक्टरेट की पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया और मुझे अपने पीएचडी शोध के लिए सबसे प्रतिष्ठित फ़ेलोशिप, प्रधान मंत्री रिसर्च फ़ेलोशिप में से एक प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। मैं प्राणीशास्त्र विभाग के अद्भुत शिक्षकों का आभारी हूं जिन्होंने मुझे आलोचनात्मक सोच कौशल हासिल करने में मदद की। ये कौशल एक मजबूत सैद्धांतिक नींव बनाने में सहायक रहे हैं और हर दिन मेरे लिए उपयोगी हैं। कॉलेज शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से प्रत्येक छात्र के समग्र विकास का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। गार्गी कॉलेज में मेरे समय ने मुझे स्वतंत्रता, आत्म-आश्वासन, टीम वर्क, प्रतिबद्धता, अनुशासन और दृढ़ता के मूल्यवान सबक सिखाए, जिन्होंने मुझे कामकाजी दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार किया है। मुझे ऐसे उत्कृष्ट संस्थान में भाग लेने पर गर्व है।

~ देबलीना चटर्जी (बैच २०१९)
पीएचडी स्कॉलर, दिल्ली विश्वविद्यालय

गार्गी महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
सिरी फोर्ट रोड
नई दिल्ली-११००४९
ई-मेल:- gargicollege@gargi.du.ac.in